कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 159

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

जम्मू-कश्मीर में लश्कर का नया आतंकी संगठन टीएलएम एक्टिव... | संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित... | बहेड़ा एक अनोखी औषधी | मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने शुरू किया ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन' पोर्टल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सरल और निर्बाध पहुंच प्रदान करना है। इस पहल से श्रमिकों को सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी होगी। इस कार्यक्रम के दौरान मांडविया ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल में रोजाना लगभग 60,000 से 90,000 श्रमिक जुड़ रहे हैं, जो इस प्रणाली पर बढ़ते भरोसे का संकेत है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम एकल खिड़की समाधान है, जो असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा। मांडविया ने इस पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यह असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि यह मंच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, जो श्रमिकों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न लाभों से जोड़ेगा और पंजीकरण प्रक्रिया को आसान और अधिक पारदर्शी बनाएगा। मंत्री ने सभी असंगठित श्रमिकों से ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने और उनके लाभ के लिए बनाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि एक राष्ट्र एक राशन कार्ड, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, राष्ट्रीय करियर सेवा, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन जैसी प्रमुख योजनाओं को ई-श्रम के साथ एकीकृत किया गया है, और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी शामिल करने का काम जारी है।

चीन ने पूर्वी लद्दाख में गतिरोध समाप्त करने संबंधी समझौता होने की पुष्टि की

चीन ने पूर्वी लद्दाख में उसकी और भारत की सेनाओं के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए नई दिल्ली के साथ समझौता होने की मंगलवार को पुष्टि की। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत और चीन दोनों देशों की सीमा से संबंधित मुद्दों पर राजनयिक और सैन्य माध्यमों के जरिए निकट संपर्क में रहे हैं। उन्होंने कहा, अब दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए हैं जिसकी चीन बहुत सराहना करता है। जियान ने कहा कि चीन इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेगा। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यदि कोई बात सामने आती है तो हम आपको अवगत कराते रहेंगे। भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं। इस समझौते को पूर्वी लद्दाख में चार वर्ष से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस पहुंचे, आज ब्रीक्स समिट में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली/मॉस्कोः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रीक्स समिट में शामिल होने के लिए रूस के कजान शहर पहुंच गए हैं। उनका यह दौरा 2 दिन का है। पीएम मोदी पिछले 4 महीनों में दूसरी बार रूस गए हैं। पीएम मोदी इससे पहले जुलाई में भारत-रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक पीएम मोदी बुधवार को ब्रीक्स की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। यह दो सेशन में होगी। सबसे पहले सुबह क्लोज प्लेनरी यानी बंद कमरे में बातचीत होगी। इसके बाद शाम को ओपन प्लेनरी होगी। इस दौरान पीएम मोदी कई नेताओं से द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कल ही बताया कि भारत और चीन के बीच लद्दाख में पेट्रोलिंग को लेकर समझौते पर सहमति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे में पीएम मोदी और जिनपिंग की बातचीत हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो 2 साल बाद दोनों नेता आपस में बातचीत करेंगे। दोनों के बीच आखिरी बार 2022 में इंडोनेशिया के बाली में G20 समिट के दौरान मुलाकात हुई थी। हालांकि पिछले साल साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुई ब्रीक्स समिट में दोनों नेता शामिल हुए थे।

झारखंड विधानसभा चुनाव : रांची में दूसरे चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी

झारखंड में दूसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन शुरू, 29 अक्टूबर तक भरे जाएंगे नोमिनेशन पेपर

रांची : झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होना है. पहला चरण 13 नवंबर को और दूसरे चरण 20 नवंबर को होगा. वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे. रांची डीसी वरुण रंजन ने मंगलवार को दूसरे चरण में जिले में दो विधानसभा क्षेत्रों (सिल्ली और खिजरी) में चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. इसी के साथ झारखंड की 38 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नॉमिनेशन (नामांकन) की प्रक्रिया शुरू होगी. 29 अक्टूबर को दूसरे चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी. 30 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की जायेगी. वहीं 1 नवंबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा. इस चरण में जिन विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव होना है, उसमें राजमहल, बोरियो, बरहेट, दुमका सहित संथाल के सभी विधानसभा क्षेत्र और धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली, खिजरी शामिल है. इधर, पहले चरण के चुनाव के लिए चल रहे नामांकन में तेजी देखने को मिल रही है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण के विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को कुल 21 प्रत्याशियों ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया है. इसे लेकर अब तक कुल 25 लोग अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल कर चुके हैं.

किस विधानसभा क्षेत्र के कौन होंगे निर्वाची पदाधिकारी

सिल्ली विधानसभा क्षेत्र : सिल्ली निर्वाची कोषांग, अपर समाहर्त्ता के समाहरणालय स्थित कार्यालय कमरा संख्या 303 ब्लॉक-ए में अवस्थित होगा. जिसके निर्वाची पदाधिकारी रामनारायण सिंह, अपर समाहर्ता होंगे. सिल्ली विधानसभा में कुल 279 मतदान केंद्र हैं जिसमें से दो मतदान केंद्रों (मतदान केंद्र संख्या 25 एवं 26) में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा. वहीं शेष 277 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा.

खिजरी विधानसभा क्षेत्र : खिजरी निर्वाची कोषांग अपर समाहर्त्ता (नक्सल) समाहरणालय कमरा संख्या 212 ब्लॉक-ए. रांची में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी सुर्दशन मुर्मू होंगे. खिजरी विधानसभा में कुल 413 मतदान केंद्र हैं, जिसमें से दो मतदान केंद्रों में (मतदान केंद्र संख्या 204 एवं 205) में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा. वहीं शेष 411 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा.

दूसरे चरण के लिए इन 38 सीटों पर चुनावी प्रक्रिया शुरू

दूसरे चरण में जिन सीटों पर आज से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गयी है, उनमें राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पौड़ेयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली और खिजरी शामिल है.

सीईओ के रवि कुमार का निर्देश, चुनाव में कम से कम लें स्कूल बसें

झारखंड के सीईओ (मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी) के रवि कुमार ने कहा है कि मतदान के दिन सार्वजनिक यातायात को कम से कम प्रभावित करते हुए वाहनों का प्रबंधन करें. प्रयास करें कि मतदान दिवस के दिन आम लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो. आम जनजीवन प्रभावित नहीं हो. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन के कार्यों में इस्तेमाल के लिए स्कूली वाहनों को भी अधिग्रहित करने का प्रावधान है, लेकिन बच्चों की कक्षाएं कम से कम प्रभावित हों, इसके लिए सिर्फ पोलिंग पार्टी के लिए ही स्कूली गाड़ियों को लें. वे आज धुर्वा के निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उपनिर्वाचन पदाधिकारियों एवं वाहन प्रबंधन कोषांग के पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक कर रहे थे. श्री कुमार ने कहा कि वाहनों के प्रबंधन में आवश्यकतानुसार निकटवर्ती जिलों एवं निकट के राज्यों के साथ समन्वय करते हुए वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें. इसके साथ ही आयोग के वाहन प्रबंधन प्रणाली में इसका ब्योरा उपलब्ध कराएं. वाहनों के इस्तेमाल से संबंधित रिपोर्ट तय समयानुसार मुख्यालय को समर्पित करें. वाहनों के उपयोग के लिए भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, उनका अनुपालन करते हुए ही कार्य करें. उनके उपयोग के लिए रेट भी तय है, जिसका अनुसरण करते हुए वाहनों को निर्वाचन कार्य में उपयोग करें.

मतदान के समय को लेकर चल रही बातें बेबुनियादः सीईओ

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि जो भी बातें मीडिया में आ रही हैं वह बेबुनियाद और तथ्यों से परे हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा 2024 में मात्र 3% मतदान केंद्रों पर ही शाम 4 बजे तक मतदान होगा. झारखंड विधानसभा 2014 में 89% और 2019 में 63% मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से लेकर शाम 3 बजे तक मतदान हुआ था. उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 29,562 मतदान केंद्र है।

कोडरमा में करोड़ों रुपए नकद के साथ भारी मात्रा में सोना बरामद, नोट गिनने के लिए मंगायी गई मशीन

कोडरमाः झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए जारी नॉमिनेशन के बीच कोडरमा जिले में पुलिस ने छापेमारी की है. छापेमारी में करोड़ों रुपए के साथ-साथ अफीम व अन्य सामग्री भी बरामद हुई है. नोटों की संख्या इतनी है कि इसे गिनने के लिए मशीन मंगानी पड़ी है. पुलिस ने आयकर विभाग की टीम को भी बुला लिया है.

गुप्त सूचना के आधार पर एसपी ने की छापेमारी

कोडरमा के एसपी को एक गुप्त सूचना मिली थी. इसी के आधार पर पुलिस ने देर रात छापेमारी की. एसपी को सूचना मिली थी कि कोडरमा थाना के ग्राम वृंदा में रहने वाले सुखदेव रजक के घर कुछ असामान्य है. इसके बाद एसपी ने टीम बनाकर छापेमारी शुरू की.

कोडरमा जिले में हुई इस छापेमारी दल में एसडीपीओ, डीएसपी, आयकर विभाग की टीम भी शामिल है. टीम ने जब छापेमारी की, तो उस मकान से काफी संख्या में नोटों के बंडल मिले. अफीम और अन्य सामग्री भी बरामद हुई. रात 2 बजे शुरू हुई छापेमारी में जब इतने रुपए मिले, तो पुलिस ने इनकम टैक्स की टीम को भी बुला लिया. बरही में होटल चलाने वाले सुखदेव रजक के यहां छापेमारी की असल वजह क्या है, यह तो अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह कुछ अवैध कार्यों में लिप्त है. नोटों के बंडल को गिनने के लिए मशीन मंगाई गई है, ऐसी सूचना आ रही है.

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस छापेमारी और इतनी बड़ी बरामदगी के बारे में अधिकारी कुछ भी बताने से बच रहे हैं. पत्रकारों को भी मकान के आसपास नहीं जाने दिया जा रहा है. छापेमारी की वजह और इसमें कितने रुपए मिले हैं, यह छापेमारी खत्म होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी. बता दें कि इस छापेमारी की खबर से पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं. कोई इसे चुनाव से जोड़कर देख रहा है तो कोई इसे मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ा मामला बताया जा रहा है, लेकिन फिलहाल पुलिस इस मामले पर कुछ भी नहीं बोल रही है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. जांच पूरी होने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा.

झारखंड चुनाव के लिए आरजेडी ने जारी की 6 उम्मीदवारों की लिस्ट

पटनाः झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए आरजेडी उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है. आरजेडी नेता तेजस्वी यादव का दावा किया था कि नहेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे और विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है. झारखंड के चुनावी मैदान में आरजेडी अपने 6 उम्मीदावरों का उतारा है. देवघर से सुरेंद्र पासवान, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव, कोडरमा से सुभाष यादव, चतरा से रश्मी प्रकाश, विश्राम से नरेश प्रकाश सिंह, हुसैनाबाद से संजय कुमार सिंह यादव को आरजेडी ने टिकट दिया है. वहीं, झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने सोमवार देर रात 21 सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी थी. इनमें पांच महिलाएं शामिल हैं. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक से किनारा करते हुए 15 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है. पार्टी ने राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर युवाओं को पांच साल तक निराश करने और चुनाव करीब आने पर 'मंईयां सम्मान' और अन्य योजनाओं के नाम पर रेबड़ी बांटकर जनता को बरगलाने का भी आरोप लगाया है.

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक की जांच वाली पीआईएल पर हाईकोर्ट से जेएसएससी को नोटिस

रांचीः इस वर्ष 28 जनवरी को हुई जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के दौरान हुए पेपर लीक की जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने जेएसएससी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत अब इस मामले में 3 दिसंबर को सुनवाई करेगा. प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अपराजिता भारद्वाज ने बहस की. वहीं जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल ने बहस की. दरअसल राज्य सरकार ने जनवरी महीने में जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा ली थी, जिसमें पेपर लीक का मामला सामने आया था. जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की जांच की थी. पेपर लीक मामले की जांच के लिए तीन डीएसपी समेत सात पुलिस अधिकारीयों की एसआईटी गठित की थी. एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में सौंप दी है.

उल्लेखनीय है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 28 जनवरी को आयोजित कंबाइंड ग्रैजुएट लेवल एग्जाम (एसएससी-सीजीएल) की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था. इसके बाद आयोग ने पहले थर्ड पेपर यानी सामान्य ज्ञान की परीक्षा रद्द कर दी थी. अभ्यर्थियों के हंगामे के बाद आयोग को तीनों पत्रों की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी. एसएससी-सीजीएल की इस परीक्षा के जरिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 2025 पदों पर नियुक्ति की जानी थी. इसके लिए साढ़े छह लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था. रांची पुलिस की एसआईटी ने पेपर लीक के इस केस में झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मो. शमीम और उनके दो बेटों को फरवरी महीने में ही गिरफ्तार किया था. इनके पास से कई अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, कई नामों वाले ब्लैंक चेक और कुछ मोबाइल फोन बरामद किए गए थे.

सीता सोरेन के खिलाफ कांग्रेस ने डॉ इरफान अंसारी को उतारा मैदान में

रांचीः झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडियन नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के बीच सीटों का तालमेल भी लगभग पूरा हो चुका है. इंडिया गठबंधन की घटक कांग्रेस ने अपने 21 उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है. कांग्रेस पार्टी हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ मिलकर झारखंड में विधानसभा का चुनाव लड़ रही है. कांग्रेस ने हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन के खिलाफ भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है. कांग्रेस पार्टी ने सोमवार की देर रात अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की.

जामताड़ा विधानसभा सीट, जहां से सीता सोरेन चुनाव लड़ रहीं हैं, वहां से कांग्रेस ने डॉ इरफान अंसारी को अपना उम्मीदवार बनाया है. डॉ इरफान अंसारी को उस वक्त झारखंड सरकार में मंत्री बनाया गया था, जब हेमंत सोरेन ने चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री के पद से हटाकर फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. डॉ इरफान अंसारी संताल परगना के बड़े कांग्रेसी नेता रहे फुरकान अंसारी के बेटे हैं और जामताड़ा विधानसभा सीट से वर्ष 2019 में चुने गए थे. उधर, संताल परगना की जामा विधानसभा सीट से लगातार 3 बार झामुमो के टिकट पर विधायक रह चुकीं दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन अब भारतीय जनता पार्टी में हैं.

भारत की पदक संभावनाओं के लिए बड़ा झटकाः हॉकी, निशानेबाजी, क्रिकेट, बैडमिंटन सहित कई प्रमुख खेल ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर

भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है। लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। बर्मिंघम में 2022 में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल नौ खेल अगले खेलों का हिस्सा नहीं होंगे। इन खेलों को केवल चार स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे। ग्लासगो ने इससे पहले 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने बयान में कहा, खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एवं फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, 3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल को शामिल किया गया है। बयान के अनुसार, इन खेलों का आयोजन चार स्थलों स्कॉट्सटाउन स्टेडियम, टोलक्रॉस इंटरनेशनल तैराकी केंद्र, एमिरेट्स एरेना और स्कॉटिश प्रतियोगिता परिसर (एसईसी) में किया जाएगा। खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ को होटल में ठहराया जाएगा।

राष्ट्रमंडल खेलों का यह कार्यक्रम भारत की पदक संभावनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले उन्होंने अधिकतर पदक उन खेलों में जीते थे जिन्हें हटाया गया है। निशानेबाजी को बर्मिंघम खेलों के कार्यक्रम से भी हटाया गया था और उसकी वापसी की कम उम्मीद थी। सीजीएफ ने ग्लासगो खेलों के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, ग्लासगो में 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन आठ मील के दायरे में स्थित चार स्थानों पर किया जाएगा। इन खेलों में 10 खेल को शामिल किया गया है।

निशानेबाजी को इसलिए कार्यक्रम से बाहर किया गया है क्योंकि 2014 में इस खेल का आयोजन डंडी में बैरी बुडन सेंटर में किया गया था जो ग्लासगो से 100 किमी से अधिक दूर है। इसके साथ ही तीरंदाजी को भी नजरअंदाज किया जाता रहा है। यह खेल आखिरी बार दिल्ली में 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा था। राष्ट्रमंडल खेल 2014 में हॉकी और कुश्ती की मेजबानी करने वाले ग्लासगो ग्रीन और स्कॉटिश प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र को आयोजन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है, जबकि सर क्रिस होय वेलोड्रोम, जहां उस वर्ष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, इस बार केवल साइकलिंग की मेजबानी करेगा। हॉकी को बाहर करने का कारण यह भी हो सकता है कि इन खेलों के समाप्त होने के दो सप्ताह बाद 15 से 30 अगस्त तक वावरे, बेल्जियम और एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड में हॉकी विश्व कप का आयोजन किया जाएगा। पहले इन खेलों का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होना था लेकिन बढ़ती लागत को देखते हुए वह मेजबानी से हट गया था। इसके बाद स्कॉटलैंड ने खेलों की मेजबानी करने के लिए हामी भरी थी। खेलों से हॉकी का बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा। भारत की पुरुष टीम ने तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं, जबकि महिलाओं ने 2002 के खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते हैं। बैडमिंटन में भारत ने 10 स्वर्ण, आठ रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 31 पदक जीते हैं। निशानेबाजी में भारत ने 135 पदक जीते थे जिनमें 63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य शामिल हैं। कुश्ती प्रतियोगिता में देश को 114 पदक मिले हैं, जिनमें 49 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य शामिल हैं।

बंगाल-ओडिशा में दस्तक देगा चक्रवात 'दाना', झारखंड में भी होगा इसका असर

कोलकाता : भारत में एक और चक्रवाती तूफान 'दाना' दस्तक देने वाला है. भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण अंडमान सागर में बन रहा चक्रवात सोमवार को निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया. आज मंगलवार को यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो जायेगा. वहीं 23 अक्टूबर को यह चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जायेगा. चक्रवाती तूफान दाना के 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तट पर पहुंचने की संभावना है. इस दौरान हवा की गति 100 से 120 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है. आईएमडी ने चेतावनी जारी की है कि चक्रवाती तूफान 'दाना' पश्चिम बंगाल के कई जिलों में विकराल रूप लेगा. इससे भारी तबाही मच सकती है.

झारखंड के कोल्हान में भारी बारिश की संभावना

चक्रवाती तूफान 'दाना' के कारण ओडिशा और पश्चिम बंगाल के अलावा पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और झारखंड के कई जिलों में भी बारिश हो सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र ने 24 अक्टूबर को कोल्हान के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना जतायी है. वहीं अन्य क्षेत्रों में हल्की बारिश होने का अनुमान है. इस दौरान हवा की गति 50 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है. वहीं 25 अक्टूबर को दक्षिणी हिस्से और मध्य झारखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है.

ओडिशा के 14 जिलों में 23 से 25 अक्टूबर तक स्कूल बंद

मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान जताया है कि चक्रवाती तूफान दाना 24 अक्टूबर की रात को ओडिशा के तट के पास पहुंचेगा. आईएमडी ने 24 और 25 अक्टूबर को ओडिशा के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना जतायी है. आईएमडी ने इन इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है. चक्रवाती तूफान और भारी बारिश के मद्देनजर ओडिशा सरकार ने 14 प्रभावित जिलों में स्कूलों को 23 से 25 अक्टूबर तक बंद करने का आदेश दिया है. 14 प्रभावित जिलों में गंजाम, पुरी, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक, बालासोर, मयूरभंज, क्योंझर, ढेंकनाल, जाजपुर, अंगुल, खुर्दा, नयागढ़ और कटक शामिल है.

राष्ट्रीय प्रतियोगिता सीजन 7 का आयोजन किया गया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : लेट्स गिव बेक , बेक टू रूट के तत्वावधान में बहुत सालों से काम कर रहा है।
वास्तव में भारतीय कला और संस्कृति को एवं स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए स्वर्गीय बबीता सक्सेना द्वारा 2016 में इस NGO स्थापना की गई थी।
संस्थापक बबीता सक्सेना के बाद अब उनके पति रिटायर्ड कर्नल अतुल सक्सेना , बबीता जी के स्वास्थ्य कर भोजन एवं पुरा भारतीय विधा को पुनर्जीवित करने के उनके सपने की मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस कार्य के लिए वे तन मन धन से समर्पित हैं

इसी के तत्वाधान में लगातार 6 सालों से राष्ट्रीय कुकरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों द्वारा भाग लिया जाता है इस प्रतियोगिता का नाम है कहीं गुम ना हो जाए इस वर्ष इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का सीजन 7 आयोजित हो रहा है। जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों से महिलाएं उन राज्यों की लुप्त रेसिपीज को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का प्रयास करेंगी।
विभिन्न राज्यों से चयनित विजेता दिल्ली में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।
इस बार का विषय है --- हमारे व्यंजन , हमारी धरोहर
दिल्ली में होने वाले फाइनल के विजेता को पुरस्कार स्वरूप 51 हजार की राशि , सह विजेता को 31हजार और द्वितीय सह विजेता को 21 हजार की राशि प्रदान की जाएगी
यह प्रतियोगिता आम प्रतियोगिता से अलग है , इसमें हम भारत के लुप्त प्राय व्यंजन जो हमारे स्वास्थ्य और सेहत के लिए फायदेमंद है को बढ़ावा दिया जाता है।
हमारी दादी नानी के समय के स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन जो आज के समय में लुप्त हो चुके हैं और उनका स्थान डिब्बा बंद भोजन ने ले लिया है। जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए जहर का काम करते हैं।
यानि आधुनिकता की दौर में स्वास्थ्य और सेहत पीछे रह गया उसके प्रति ही जागरूक होना जरूरी है । अगर हम आज उन लुप्त हुए व्यंजनों की खुबियों को समझकर , उसके बनाने और खाने का सही तरीका जो स्वास्थ्य के लिए सही और पौष्टिक हो वही अपनाएंगे तभी अगली पीढ़ी को समझाएंगे ।
यह राष्ट्रीय स्तर की कुकिंग प्रतियोगिता है जिसमें निम्नलिखित राज्यों ने हिस्सा लिया उत्तर प्रदेश (लखनऊ), मध्य प्रदेश (भोपाल), राजस्थान (गंगानगर , उदयपुर) पंजाब , उत्तराखंड , झारखंड, महाराष्ट्र, उड़ीसा,असम ,दिल्ली एन . सी. आर , पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर।
झारखण्ड का राज्य स्तरीय फाइनल 21 अक्टूबर को हुआ । जिसके ज्यूरी सदस्य ,शेफ मीरा सिंह, डॉ मनीषा उरांव, झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन प्रेजिडेंट माननीय कमल अग्रवाल, शेफ राम चंद्र उरांव व शेफ मकसूद आलम ।
हमारे मुख्य अतिथि है - पद्मश्री श्री मधु मंसूरी हंसमुख
हमारे गेस्ट आफ आनर है श्री रजत आनंद
हमारे वेन्यू पार्टनर है - आई एच एम, ब्राम्बे, रांची
हमारे स्पांसर है। केनरा बैंक, सनराइज प्योर, रांची कार बाज़ार व जाजोडिया. इस प्रतियोगिता की संयोजक श्वेता नारायण तिवारी ।
झारखंड से विजेता प्रथम बसंती.मनीषा तिवारी. सेकेण्ड सुमोना दास. युनिक रेसिपी परमजीत सिंह. बेस्ट प्रेजेंटेशन पूनम दीदी. बेस्ट अत्तिरे डिंपल चौधरी रही.

ओरमांझी छठ पूजा समिति का के सफल आयोजन क़ो लेकर हुई बैठक,कमिटी का किया गया गठन

ओरमांझी(मोहसीन आलम):छठ पूजा समिति ओरमांझी का बैठक संतोष गुप्ता झुनकी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठ पूजा पुरे धुम धाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया साथ ही छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को छठ घाट में व आने जाने में किसी तरह कोई कठिनाई नहीं हो इसके लिए अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विस्तार से चर्चा किया गया और इसके सफल आयोजन के सर्वसम्मति से कमिटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष संतोष गुप्ता झुनकी उपाध्यक्ष नीरज सोनी सोनू गुप्ता मनोज महतो कमलेश गुप्ता सचिव कालीशंकर गुप्ता उपसचिव कुमार सौरभ भीम मुण्डा आनन्द महतो कोषाध्यक्ष मनीष दुबे उपकोषाध्यक्ष संतोष गुप्ता उपमुखिया मिडिया प्रभारी रूपेश साहू व संरक्षक रामकुमार महतो अरूण मण्डल दिलीप मेहता सतीश बड़ाइक राजेश गुप्ता नीरज पाण्डेय दीपक बडाईक कुलदीप कुमार को बनाया गया।

बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए सात प्रत्याशियों ने खरीदा अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।मंगलवार को बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए सात प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र खरीदा है। बरही अनुमंडल कार्यालय में निर्वाची पदाधिकारी एलआरडीसी अजय भगत के समक्ष भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से प्रत्याशी महादेव राम, आजाद समाज पार्टी से उमेश यादव, बहुजन मुक्ति पार्टी से राजकुमार पासवान, भारतीय जनजागृति पार्टी से बिनोद प्रसाद मेहता, निर्दलीय प्रत्याशी सुरेंद्र भाई मोदी, जानकी प्रसाद यादव, रंजीत कुमार ने अपना नामांकन प्रपत्र खरीदा है। जानकारी हो कि बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए पहले दिन तीन प्रत्याशी, दूसरे दिन दो प्रत्याशी, तीसरे दिन छह प्रत्याशी ने नामांकन का पर्चा खरीदा था। अब तक कुल 18 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन का प्रपत्र खरीदा है।

लोकहित अधिकार पार्टी ने विधानसभा प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी की

रांचीः लोकहित अधिकार पार्टी झारखंड प्रदेश कोर कमेटी की एक बैठक प्रदेश कार्यालय रांची में सम्पन्न हुई ! बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू , प्रधान महासचिव मो अजहर आलम , प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू , प्रदेश महासचिव संजय स्नेही एवं प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव उपस्थित रहें. बैठक में विचारोपरान्त विधानसभा प्रत्याशियों को लेकर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया !
राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता जी के निर्देशानुसार विधानसभा उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की गई। उक्त मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि सर्व समाज के समस्याओं को ध्यान में रखकर ही लोकहित अधिकार पार्टी का गठन किया गया था ! देश-प्रदेश में सामाजिक न्याय लाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है ! सामाजिक न्याय के बीना देश-प्रदेश को विकसित नहीं बनाया जा सकता है ! इसके लिए जिनकी जितनी संख्या भारी , उनकी उतनी हिस्सेदारी को ध्यान में रखकर कार्य करने होंगे.
(13) श्रीमती कुमकुम देवी - बरकट्ठा विधानसभा
(14) श्री भुवनेश्वर महथा - गिरिडीह विधानसभा
(15) श्री कामेश्वर साव - गाण्डेय विधानसभा
(16) श्री अरुण कुमार गुप्ता - राँची विधानसभा
(17) श्री जागो साव - माण्डु विधानसभा
(18) श्री निर्मल साव - हजारीबाग विधानसभा.

झारखंड पब्लिक स्कूल केदल में दो दिवसीय फुटबॉल मैच का हुआ समापन

ओरमांझी(मोहसीनआलम):झारखंड पब्लिक स्कूल केदल में मंगलवार को दो दिवसिय जमालुद्दीन अंसारी मेमोरियल फूटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया।मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि मो0 फिरोज अंसारी ने फुटबॉल को किक मारकर किया।फाइनल मैच जे.पी.एस रेड और जे.पी.एस यल्लो के बीच खेला गया।रोमांचकारी मुकाबला मे दोनो ही टीमें एक-एक गोल की बराबरी पर रही।फिर ट्राइब्रेकर में जेपीएस रेड 4-2 से विजय रही।विजय टीम की खिलाडियों को मुख्य अतिथि ने मैडल पहनाकर और ट्राफी देकर सम्मानित किया,मौके पर मुख्य अतिथि मो0 फिरोज ने कहा की इस तरह के खेल से नये और प्रतिभावन खिलाडी चुन कर सामने आते हैं।ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है।इस मौके पर उप प्रधानाध्यापक तारिकअनवर,जैनेट समद ,रंजीत कुमार,सुनम जरिया,राजीव कुमार ,आदिल अंसारी तथा बहुत सारे खेलप्रेमी और छात्र छात्राए उपस्थित थे।

सतीश बड़ाईक ने महर्षि वाल्मीकि अनाथालय के बच्चों क़ो शिक्षण सामग्री दिया और स्वादिष्ट भोजन कराया

ओरमांझी(मोहसीनआलम):समाजसेवी सह शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सतीश बड़ाईक अपने परिवार के साथ अनगड़ा स्थित महर्षि वाल्मीकि अनाथालय में रह रहे नन्हे मुन्ने बच्चों को अपने घर में ही पूरी सब्जी खीर बनवाकर अनाथालय जाकर बच्चों के बीच भोजन कराया। इसके उपरांत सभी बच्चों को शिक्षण सामग्री कॉपी कलम आदि का वितरण भी किया। अनाथालय में बोकारो हजारीबाग रामगढ़ रांची सहित कई अन्य जिले के गांवों से अत्यंत ही गरीब परिवार के लगभग 50 छोटे-छोटे बच्चे अनाथालय में रहते हैं। जिसमें कई बच्चे ऐसे हैं जिनके मां पिताजी इस दुनिया में नहीं है। सभी बच्चे भोजनकर एवं शिक्षण सामग्री पाकर काफी खुश नजर आए। समाजसेवी सतीश बड़ाईक के साथ शिक्षक नेता सहदेव कुमार, बिमला देवी, चमरी देवी, प्रियंका बड़ाईक प्रत्यूष बड़ाईक शामिल थे।

जागरूकता रथ तथा एक एलईडी स्क्रीन युक्त वाहन को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

हज़ारीबाग।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से दो मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होने बताया कि झारखंड विधानसभा आम चुनाव के निमित प्रथम चरण में 20 बरकट्ठा,21 बरही,25 हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में 13 नवम्बर 2024 को मतदान हैं,वहीं 24 मांडू विधानसभा क्षेत्र में 20 नवंबर 2024 को मतदान है। यह जागरूकता रथ हजारीबाग के सभी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों में रोस्टर अनुसार मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य करेगा। जिला अंतर्गत मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने, मतदान में बढ़चढ़ कर भाग लेने, युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिये प्रेरित करने के लिए स्वीप अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियो का आयोजन किया जा रहा है।
मौके पर उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार एवं जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार, श्रम अधीक्षक अनिल कुमार व अन्य उपस्थित थे।

गोरहर थाना पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब लदे हुंडई कार को किया जप्त

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर थाना पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब लदे हुंडई कार को पकड़ा है। सोमवार की देर रात्रि गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने वाहन जांच के दौरान कार्रवाई किया।पुलिस ने बगोदर की ओर से आ रही हुंडई कार नंबर जेएच 01 बीई 7426 को पकड़ा है। जिसमें पुलिस ने अलग-अलग कार्टून में रखें मेक डबल्स, आईकॉन और सिग्नेचर कंपनी के अंग्रेजी शराब कि बोतल को जप्त किया है।पुलिस वाहन जांच करते हुए देख चालक गाड़ी को छोड़कर रात्रि का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। इस बाबत गोरहर थाना में कांड संख्या 45/24 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित मिलन समारोह

रांचीः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित मिलन समारोह में पूर्व मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। किशोर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव प्रदेश कांग्रेस के वरीय को ऑर्डिनेटर मोहन मार्क्रम ने कांग्रेस का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई।
इस अवसर पर श्री कमलेश ने कहा कि श्री किशोर के कांग्रेस में आने से झारखंड में कांग्रेस को निश्चित रूप से नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। विधायिका के अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन बखूबी किया। अपने क्षेत्र के विकास के लिए यह सतत पर्यत्नशील रहे। लंबे राजनीतिक जीवन में इन्होंने हमेशा जनता के हितों के बारे में चिंता जाहिर की तथा झारखंड की आर्थिक समृद्धि के बारे में चिंतित रहे।
कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि राधा कृष्ण किशोर आर्थिक मामलों के अच्छे जानकार हैं और क्षेत्र के विकास के लिए विशेष रूप से हमेशा वित्तीय प्रबंधन की सिफारिश किया करते थे। विगत चार दशक से व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से किशोर जी के साथ आर्थिक और राजनीतिक मसलों पर विमर्श होता रहा। इन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास के कई कार्य किया तथा उग्रवाद प्रभावित छतरपुर विधानसभा को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया। सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात श्री किशोर ने कहा कि राजनीतिक परिस्थितियों के कारण मुझे कांग्रेस से दूर होना पड़ा था लेकिन मैं जहां भी रहा कांग्रेस की नीतियों सिद्धांतों से बंधा रहा। अपने राजनीतिक जीवन में मैने इंदिरा जी को अपना आदर्श माना था और आज भी कांग्रेस के साथ मेरा अटूट रिश्ता है। आने वाले विधानसभा चुनाव में सिर्फ छतरपुर विधानसभा ही नहीं पूरे पलामू प्रमंडल और राज्य स्तर पर महागठबंधन और कांग्रेस की मजबूती दिखेगी। मिलन समारोह के पश्चात कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों को पार्टी का सिंबल प्रदान किया गया। सिंबल लेने वालों में प्रमुख रूप से कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव श्री बन्ना गुप्ता, रामचंद्र सिंह नमन विक्सल कौन गाड़ी,भूषण बाड़ा,जेपी भाई पटेल,अजय नाथ शाहदेव के अलावा अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधि शामिल थे । श्री केशव महतो कमलेश एवं डॉ रामेश्वर उरांव ने सभी प्रत्याशियों को जीत की शुभकामनाएं दी।

देश की मिट्टी से ही बने दीपक जलाएं दीपावली में - स्वामी दिव्यानंद जी महाराज

रांचीः भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने कहा, कि सुख समृद्धि और आरोग्य से संबंधित हमारा सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार धनतेरस दीपावली है जहां सनातनी लगातार 5 दिनों तक दीप प्रज्वलित करते हैं और यह दीपक हमारी आत्मा हमारा जीवन, मन, बुद्धि और भविष्य को प्रकाशित करता है, इस प्रकाशमयि दीपक में सनातन का भी भाव आना चाहिए, भारतवर्ष देवों - ऋषियों की भूमि रही है, हमारी परंपरा विश्व में प्रख्यात है, ऐसे में हमारे त्यौहार में हमारी ही सामग्री का उपयोग होना चाहिए।
स्वामी जी ने बताया कि भारत का सबसे बड़ा शत्रु चाइना है, चीन स्वभाव से ही और अधार्मिक, विस्तारवादी एवं दुष्ट प्रवृत्ति का रहा है, चीन ही मात्र एक ऐसा देश है जो किसी भी धर्म - संप्रदाय, पूजा पद्धति को नहीं मानता है, अमानवीय कृत्य और राक्षसी प्रवृत्ति से परिपूर्ण है, किंतु विज्ञान के क्षेत्र में दक्षता हासिल किया है, वह भी बहुत ही धूर्तता (यूज़ एंड थ्रो) के साथ। स्वामी जी ने यह भी बताया कि चीन का सबसे बड़ा बाजार भारतवर्ष है, वह समझ चुका है कि भारत के लोग सीधे, सरल और आध्यात्मिक हैं, हमारी रुचि के अनुसार वह सस्ती वस्तुओं का निर्माण कर हमें निर्यात करता है और हम जाने-अनजाने उसकी वस्तुओं को खरीदते हैं, हमें ज्ञात होनी चाहिए कि भारत से कमाए हुए धन को वह अपने रक्षा मद में खर्च करता है। स्पष्ट है कि चीन का शत्रु सीधा-सीधी भारतीय सैनिक हैं, अब यह स्पष्ट है कि हमारे सैनिक भाइयों को मारने की मंशा से वह हथियार पर खर्च करता है, हमारे ही पैसे को लेकर।
स्वामी जी ने कहा कि जाने अनजाने में हम भी देशद्रोह कर रहे हैं, इस पाप से बचने के लिए हमें चीनी उत्पादों का बहिष्कार करना चाहिए, साथ ही साथ हम स्वतः स्वदेशी को भी बढ़ावा दे पाएंगे।
वैसे भी पूजा पाठ से संबंधित वस्तुएं शत्रु के द्वारा निर्मित करना तो अपराध है ही। अतः हमें भारत के द्वारा ही निर्मित वस्तु खरीदनी चाहिये, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग से हम जुड़े भी रहे। तभी भारत के सभी लोग दिवाली मना पाएंगे।

सदगुरू कृपा अपना घर आश्रम(सत्य-प्रेम सभागार) में रह रहे 1 प्रभु जी को उनके परिवार से मिलाया गया

रांचीः एम.आर.एस श्री कृष्ण प्रणामी सदुरु कृपा अपना घर आश्रम के अन्तर्गत काम कर रही समाजिक संस्था सदुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में रह रहे मंदबुद्धि दिव्यांग प्रभु जी लोगो की निःशुल्क सेवा संस्था के द्वारा 16 जुन 2024 से लगातार जारी है वहां रह रहे 1 प्रभु जी जिसका नाम विशाल लोहरा है वह 16 जुन 2024 को सदुरु कृपा अपना घर आश्रम में लाये गये थे।वह अपनी याददाश्त खो चुके थे उन्हे कुछ भी याद नही था उनका समुचित इलाज शहर के जाने माने न्यूरो सर्जन डा॰ एच.पी. नारायण की देखरेख में चल रहा था उनके प्रयास से की याददाश्त 1या 2 अक्टूबर को वापस आ गई हम लोगो को दो तिन दिन के बाद पता लगा की जब हम प्रभु जी आश्रम मे लाते है तो उन्हे कुछ भी याद नही रहता तब हम उनका नाम अपनी सुविधानुसार रखते है विशाल का नाम हमने कान्हा रखा था। जब उसकी याददाश्त वापस आई तब वह अपने घर जाने की जिद करने लगा उसने सबसे पहले अपना नाम विशाल लोहराअपने घर का पता और अपने बडे भाई का नाम रमेश लोहरा का नाम अपनी माता का नाम रुदन देवी पिता शंकर लोहरा का नाम बताया और अपने घर का पता बताया तब संस्था के पदाधिकारीयों एव उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथीयों को दी उसके बाद उसके घर एक सेवा साथी चन्द्रदिप साहु को भेजकर उसके घर मे खबर किया गया। उसके नाना ओमप्रकाश सिंह माता रुदन देवी धर्म पत्नी स्व॰ शंकर लोहरा बडा भाई रमेश लोहरा आज मंगलवार दिनांक 22 अक्टूबर को राँची आकर अपने बच्चे विशाल लोहरा को जांच पडताल कर के पुंदाग थाना के पैट्रोलिंग पाटी के अधिकारी एवं पुलिस कर्मियों ने उनके बेटे को उनकी माताजी बडे भाई और उसके नाना के सुपुर्द किया गया।
पुंदाग थाना के पैट्रोलिंग पाटी के पुलिस अधिकारीगण एव पुलिस कर्मियों और संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज कुमार चौधरी,पुर्णमल सर्राफ,ओम प्रकाश सरावगी, पवन पौदार,चन्द्रदिप साहु, हरीश कुमार आश्रम के सेवासाथी मनोज कुमार पंडित, कम्पाउण्डर अशोक ठाकुर, सुधीर कुमार, उत्तम कुमार की उपस्थिती मे अपने बच्चे को बिजुपाडा स्थित अपने घर ले गए।

लाइफलॉन्ग कंपनी अपने उत्पाद को झारखण्ड में उतरा

रांचीः कचहरी रोड स्थित होटल गंगा रेसिडेंसी में आयोजित प्रेस वार्ता में अपने संबोधन में लाइफलॉन्ग कंपनी के झारखण्ड बिहार बिज़नेस प्रभारी अंजनी कुमार झा ने कहा की यह कंपनी अपने ग्राहकों को घरेलु उपकरण के साथ साथ हेल्थ वेलनेस की भी सभी उत्पाद उपलब्ध करा रही है।यह आई.एस.ओ. प्रमाणित कंपनी है जो उच्च गुणवता मानकों के साथ नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है |
पहले लाइफलॉन्ग कंपनी अपने उत्पाद सिर्फ ऑनलाइन द्वारा ही अपने ग्राहकों को उपलब्ध करा रही थी लेकिन अब यह उत्पाद झारखण्ड के वितरक मेसर्स रेनबो मार्केटिंगस के द्वारा सभी प्रमुख स्टोर्स में उपलब्ध रहेगी। रेनबो मार्केटिंग्स के द्वारा ही कंपनी के सभी प्रोडक्ट्स डीलर के माध्यम से उपभोक्ता तक पहुंचाई जाएगी जिससे अब ग्राहक अपने पसंदीदा प्रोडक्ट्स हांथो हाथ देख समझ कर खरीद सकेंगे |
अब कंपनी के मुख्य उत्पाद मिक्सर ग्राइंडर,आयरन,इंडक्शन चूल्हा,गैस चूल्हा,एयर फ्रायर,साइकिल,हेल्थ वेलनेस के उत्पाद के साथ लगभग 200 प्रोडक्ट्स अपने डीलर के माध्यम से उपभोगताओं को उपलब्ध कराई जाएगी|
मौके पर रेनबो मार्केटिंग के पार्टनर अनूप आनन्द ने कहा कि आने वाले समय में कंपनी और भी प्रोडक्ट्स अपने उपभोगताओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार उपलब्ध कराएगी वहीं कंपनी के जनरल मेनेजर मिस्टर बी.एन. झा ने कहा की लाइफलॉन्ग के प्रोडक्ट्स उच्च गुणवता के साथ सस्ते मूल्य पर आपलोंगो तक सहजता से पहुंचाई जा सके यही कंपनी का मुख्य उद्देश्य है।
आज के प्रेसवार्ता में मुख्यरूप से कनक मार्केटिंग के निदेशक ममता मिश्रा,प्रशांत कुमार सहित रेनबो मार्केटिंग की पार्टनर रिया केडिया,शिव किशोर शर्मा आदि मौजूद थे।

कांके सीट पर झामुमो नेता जनक नायक ने ठोकी ताल

रांचीः झामुमो नेता जनक नायक ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन पर कांके में झामुमो को नेतृत्व मिलता है तो इस बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करेगी, कांके सीट से झामुमो के कई नेता अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. ऐसे में रांची जिला उपाध्यक्ष जनक नायक ने कांके सीट में दावेदारी पेश की है. उनका कहना है कि पिछले 25 30 वर्षों से कांके विधानसभा सीट पर भाजपा का दबदबा रहा है और कांग्रेस हमेशा हारती रही है. ऐसे में अगर इस बार कांके विधानसभा सीट पर इंडिया गठबंधन की ओर से झामुमो की ओर से मुझे प्रत्याशी बनाया जाता है हम बीजेपी के किला को ढाह कर हेमंत सोरेन, राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे. और दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन के अबूआ दिशोम, अबूआ राज के सपने को साकार करने के लिए कांके विधानसभा, झामुमो के कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है.

इटकी के फातिमा एकेडमी में जलसा दस्तार-ए-फजीलत का शानदार आयोजन

इस्लामी माहौल में इल्म के पंखों से उड़ने का मौका दे रही है फातिमा एकेडमीःनसीम नदवी

इटकी(मोहसीनआलम)-फातिमा गर्ल्स एंड ब्वायज एकेडमी इटकी में मंगलवार क़ो जलसा दस्तार ए फजीलत हजरत मौलाना खालिद नदवी गाजीपुरी की अध्यक्षता में हुई।जिसमें 211 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया,कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान की तिलावत से हुई। एकेडमी के छात्रों ने विभिन्न भाषाओं में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। स्कूली शिक्षा के साथ-साथ कुरानी शिक्षा और उलमा कोर्स करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र दिए गए। और उनके बीच पुरस्कार भी वितरित किए गए। फातिमा एकेडमी का परिचय देते हुए बुशरा ने कहा कि अगर इंसान के दिल में दृढ़ निश्चय और विश्वास हो तो मिट्टी को भी सोना बनाया जा सकता है और इसका जीता जागता उदाहरण फातिमा एकेडमी के रूप में आपके सामने है।अयमन फातिमा ने कुरान की महानता को समझाते हुए कहा कि कुरान को याद करना किसी एक व्यक्ति के लिए आरक्षित नहीं है,पुरुष और महिलाएं दोनों इस महान कार्य को कर सकते हैं जो समाज में एक महत्वपूर्ण और आदर्श भूमिका निभा रहे हैं।लखनऊ से आए डॉ.अब्दुल वदूद शोएब ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ज्ञान ही मानव विकास का स्रोत है और नबी करीम पर जो पहला वही आया वह इक़रा है। नदवा के शिक्षक मौलाना सलीमुल्लाह नदवी ने कहा कि मदरसा तालीम का सबसे अच्छा जरिया है और फातिमा एकेडमी यह काम बखूबी कर रही है। चतरा से आए झारखंड अमीर शरीयत मुफ्ती नजर तौहीद ने कुरान की शिक्षाओं को लोकप्रिय बनाने और लड़कियों व महिलाओं को इस ओर झुकाने पर जोर देते हुए कहा कि यह समाज के लिए अधिक उपयोगी और लाभकारी होगा। वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना अबू तालिब रहमानी ने कहा कि शिक्षा को आम करने की जरूरत है। वे कौमें जिंदा और मजबूत हैं जिनकी मां-बेटियां शिक्षित हैं। और शिक्षा केवल धार्मिक शिक्षा का नाम नहीं है। शिक्षा से तात्पर्य सभी प्रकार की शिक्षा से है जो सृष्टि को रचयिता से जोड़ती है और कुरान इसका पूर्ण मार्गदर्शन करता है। अध्यक्षीय भाषण देते हुए मौलाना खालिद नदवी ग़ाज़ीपुरी शेख उल-हदीस दारुल उलूम नदवतुल उलेमा लखनऊ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह इस्लाम और कुरान की शिक्षाओं का शाश्वत संदेश है कि बच्चों की शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था इस तरह की जानी चाहिए।फातिमा अकादमी के बच्चों, विशेषकर लड़कियों ने जो प्रोग्राम पेश की है वह अच्छी शिक्षा और प्रशिक्षण का परिणाम है।भाषा में शालीनता और अभिव्यक्ति की शैली बहुत आकर्षक और मनमोहक है।फातिमा एकेडमी के निदेशक एवं अध्यक्ष मौलाना नसीम अनवर नदवी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ज्ञान के आधार पर स्थापित यह संस्था आप सभी की दुआओं की बदौलत और अकाबिरीन के संरक्षण में अपने मिशन पर आगे बढ़ रही है,अब आपको यह तय करना है कि यह संस्था अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों में कितनी सफल हुई है? मैं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिन लोगों ने साथ दिया मैं उन सब का शुक्रिया अदा करता हूं।जलसा में मौलाना जिया उल-होदा इस्लाही,मौलाना इलियास मजाहिरी, मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी, मौलाना जौहर अली मजाहिरी,मौलाना गुलजारअहमद,मास्टर मुहम्मद सरफराज,मौलाना काफिलुर रहमान, नियाज अहमद सज्जाद नदवी, मौलाना शहाबुद्दीन मजाहिरी, मौलाना मंजूर कासमी,मौलाना मुशर्रफ कासमी, मुफ्ती तल्हा नदवी,कारी शोएब अहमद, मौलाना साबिर हुसैन, समेत सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

एचआईएल के मैचों में झारखंड के सात हॉकी खिलाड़ियों को मिला मौका

रांचीः हॉकी खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित होनी वाला हॉकी इंडिया का बहुप्रतीक्षित मैच हॉकी इंडिया लीग-2 की शुरुआत 28 दिसंबर 2024 से होगी. मैच फरवरी तक चलेगा. इसमें झारखंड के सात (6 महिला, 1 पुरुष) प्लेयर्स भी हुनर दिखाएंगे. ओलंपिक में देश को हॉकी में सर्वप्रथम 1928 में स्वर्ण पदक दिलाने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी, रांची (झारखंड) और धरती आबा बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, राउरकेला (ओड़िशा) में इसका आयोजन होना है. इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 08 टीम और महिला वर्ग में 04 टीम भाग ले रही लेंगी. प्रत्येक टीम में कुल 24 में 16 भारतीय और 08 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं. इन सभी टीमों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हो चुकी है. महिला वर्ग की 04 टीमों में कुल 96 खिलाड़ी शामिल हैं. जिनमें झारखंड के भी 06 खिलाड़ियों को नीलामी में खरीदारों ने अपनी टीम बोली लगाकर खरीदा है. इनमें दिल्ली एसजी पाइपर्स में संगीता कुमारी हैं. सुरमा हॉकी क्लब में सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, दीपिका सोरेंग व बंगाल टाइगर्स टीम में ब्यूटी डुंगडुंग और बिनिमा धान हैं. वहीं पुरुष वर्ग की 08 टीमों में कुल 192 खिलाड़ी खरीदे गए हैं. झारखंड के पंकज रजक को यूपी रुद्रास ने अपने टीम में खरीदा है. इस तरह से झारखंड के सात खिलाड़ी हॉकी इंडिया लीग में अपना जलवा दिखाएंगे.

गलत तरीके से वन भूमि रजिस्ट्री करने के आरोप में अजय तिर्की पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

रांचीः झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व तत्कालीन नगर उंटारी, गढ़वा के कार्यपालक दंडाधिकारी सह अवर निबंधक अजय तिर्की पर विभागीय कार्यवाही चलेगी. उनके खिलाफ अंचल कार्यालय भवनाथपुर के ग्राम कैलान में भूमि पुराना खाता संख्या-1, प्लॉट संख्या 891, नया खाता संख्या 2141, रकबा 0.34 एकड़ तथा पुराना खाता संख्या-01 प्लॉट संख्या-1404 , नया खाता संख्या-10, प्लॉट संख्या-2142, रकबा-2.46 एकड़ कुल रकबा- 2.80 एकड़ भूमि वन विभाग की प्रतिबंधित भूमि को 27 अप्रैल 2023 को राम चरित्र महतो ग्राम कैलान की भूमि सोन कनहर अंडरग्राउंड पाइप लाइन परियोजना के लिए कार्यपालक अभियंता, नवीन महली जलपथ प्रमंडल गढ़वा को केवाला द्वारा बिना गहन जांच के निबंधित करने संबंधी आरोप है. पूरे मामले में राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के माध्यम से नौ अप्रैल 2024 के माध्यम से उपायुक्त गढ़वा ने आरोप पत्र तैयार कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी. मामले की प्रथम दृष्टया जांच में आरोप प्रमाणित पाया गया, जिसके बाद उनके उपर विभागीय कार्यवाही चलाने का फैसला लिया गया है. जांच संचालन पदाधिकारी रिटायर आइएएस अधिकारी कमल जॉन लकड़ा को नियुक्त किया गया है. अजय तिर्की से 15 दिनों के अंदर अपना लिखित बचाव बयान समर्पित करने को कहा गया है. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने संकल्प जारी क दिया है.

झारखंड में पशु तस्करों को पुलिस का खौफ नहीं, बार-बार करते हैं रौंदने की कोशिश

रांची : झारखंड में सक्रिय पशु तस्करों को पुलिस का खौफ नहीं है. तस्कर आये दिन पुलिस की टीम को ही रौंदने का प्रयास करते हैं. झारखंड में इस तरह के कई मामले में सामने आ चुके हैं. खबर तो यह भी है कि झारखंड में पशु तस्करी का धंधा करोड़ों रुपये का है. अधिकतर चेक-नाके इस धंधे में सेट हैं. यहां रिश्वत तय है, जहां से ये तस्कर पशुओं को लेकर आसानी से निकल जाते हैं. जिस चेक-नाके में रिश्वत की राशि नहीं मिलती है या फिर जहां रात्रि गश्त में कोई ईमानदार पुलिस कर्मी की ड्यूटी होती है, वहां ऐसे तस्करों को परेशानी होती है. इसका परिणाम यह होता है कि उस चेक-नाके का अधिकारी जान जोखिम में डालकर ऐसे तस्करों का पीछा करता है या फिर उन्हें घेरने का प्रयास करता है. ऐसी परिस्थितियों में आये दिन इस तरह की घटना, दुर्घटना या हत्या जैसी वारदातें होती हैं.

पशु तस्कर बार-बार पुलिस को रौंदने की करते हैं कोशिश

– 16 अक्टूबर 2024 : पशु लदे ट्रक ने गिरिडीह में जीटी रोड पर पुलिस जीप को टक्कर मार दी थी. इस घटना में चालक की मौत हो गयी थी. वहीं दरोगा घायल हो गया था.

– 07 सितंबर 2024 : पलामू के सदर थाना की पुलिस को पशु तस्करों ने कुचलने की कोशिश की थी. बाद में पुलिस ने किसी तरह तस्करों के वाहन को रोका और पांच तस्करों को गिरफ्तार किया था.

– 08 सितंबर 2024 : पलामू के नावाबाजार में पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई हो रही थी. इस दौरान भी तस्करों ने पुलिस को रौंदने का प्रयास किया था.

– 21 जुलाई 2022 : गुमला के रायडीह में भी पशु तस्करों ने पुलिस को वाहन से कुचलने की कोशिश की थी. पुलिस टीम ने किसी तरह पीछे हटकर अपनी जान बचायी थी.

– 20 जुलाई 2022 : रांची में पशु तस्करों ने वाहन चेकिंग के दौरान महिला दरोगा को कुचला था. जिसकी मौके पर ही मौत हो गयी थी.

रांची पुलिस ने मांगा गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के सुनील मीणा उर्फ मयंक सिंह के खिलाफ वारंट

रांचीः रांची पुलिस ने झारखंड पुलिस के लिए सरदर्द बन चुके गैंगस्टर अमन साहू गैंग के सुनील मीना उर्फ मयंक सिंह के खिलाफ वारंट जारी करने की मांग की है. जिस केस में वारंट जारी करने की मांग की गई है, वह भारत माला प्रोजेक्ट में काम कर रही कंपनी से रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग करने से जुड़ा हुआ मामला है. इस मामले के जांच अधिकारी ने रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में मयंक सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए आवेदन दिया है. इस केस में झारखंड ATS और पुलिस ने इसी वर्ष अप्रैल महीने में अमन साहू के शूटर राहुल दुबे को गिरफ्तार किया था. इस संबंध में रांची के ओरमांझी थाना में कांड संख्या 18/2024, 44/2024 और 50/2024 दर्ज किया गया है.

झारखंड विस चुनाव में 14705 होमगार्ड जवानों की होगी प्रतिनियुक्ति

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव में 14705 होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति होगी. होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति 16 दिनों के लिए होगी. इसको लेकर आईजी अभियान ने होमगार्ड डीजी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है. लिखे गये पत्र में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए काफी अधिक संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता होगी. इसको लेकर झारखंड के सभी जिलों में उपलब्ध कुल 21007 होमगार्ड के जवानों में से 70% यानी 14705 होमगार्डों को चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत हो रहा है.

चाईबासा जिला परिषद सदस्य राजश्री सावैयां ने पति नवीन सावैयां संग ली भाजपा की सदस्यता

रांचीः चाईबासा जिला परिषद सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजश्री सावैयां ने मंगलवार को अपने पति नवीन सावैयां संग भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश कार्यालय में दोनों को सदस्यता दिलाई. मौके पर कहा कि भाजपा केवल पार्टी नहीं एक परिवार है. यह विकसित झारखंड, समृद्ध भारत का उत्कृष्ट विचार भी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति एवं भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली से प्रभावित होकर लोग इस परिवार का हिस्सा बन रहे हैं. साथ ही बाबूलाल ने उम्मीद जताई कि राजश्री के आने से चाईबासा में पार्टी और सबल होगी.

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि भ्रम पालना अगर आपकी आदत बन चुकी है, तो खुशी-खुशी इस भ्रम को पालिए, लेकिन झारखंड की जनता के दिलों में भगवान बनने का भ्रम न पालिए. क्योंकि आदिवासी समाज के नाम पर राजनीति करने वालों ने आदिवासी जमीन पर ही कब्जा किया है, उसपर बैंक्वेट हॉल बनाने का सपना देखा है, वो भी हम झारखंडवासियों से अछूता नहीं है. इसके बाद भी जेएमएम- कांग्रेस गठबंधन सरकार को भ्रम पालना है, तो अच्छे से पालिए. बस इतना याद रहे, कि जनता जब अपने जल, जंगल, जमीन और रोजगार संबंधी सवाल पूछे तो भागना नहीं है. भ्रम नहीं फैलाना और अपनी नाकामी स्वीकार कर लेना.

पीएम आवास योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंचने दे रही सरकार

बाबूलाल ने कहा है कि पीएम आवास योजना का लाभ झारखंड के गरीबों तक हेमंत सरकार नहीं पहुंचने दे रही है. भाजपा ने प्रण लिया है कि झारखंड का कोई भी व्यक्ति छत विहीन नहीं रहेगा, सबको पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा. झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही "घर साकार योजना" के तहत कुल मिलाकर 21 लाख परिवारों को पक्का आवास दिया जाएगा. साथ ही, लोगों को मकान निर्माण के लिए भाजपा सरकार के द्वारा फ्री बालू उपलब्ध कराया जाएगा.

24 को गुरु पुष्य नक्षत्रः इसी दिन लक्ष्मीनारायण, सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग भी; दीपावली के पहले ये संयोग अत्यंत शुभ फलदायी

रांची. खरीदारी का पर्व - पुष्य है 27 नक्षत्रों का राजा, इस बार पुष्य नक्षत्र पर कर्क राशि में मंगल और चंद्र भी साथ आ रहे इस बार दीपावली से पहले 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। यह हर तरह की खरीदारी के लिए सर्वोत्तम दिन माना जाता है। कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर गुरुवार को पड़ने की वजह से इसे गुरु पुष्य नक्षत्र भी कहते हैं। उज्जैन के ज्योतिषि पंडित अजयकृष्ण शंकर व्यास बताते हैं कि पुष्य नक्षत्र पर कर्क राशि में मंगल और चंद्र साथ आ रहे हैं। साथ ही लक्ष्मीनारायण, सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग छोटी से बड़ी हर तरह की खरीदी के लिए इस समय को शुभ और फलदायी बना रहा है। दिवाली से पहले आने से इसका और महत्व बढ़ गया है।

27 नक्षत्रों में सबसे शुभ और पवित्र, नक्षत्रों का राजा होने से पुष्य का काफी महत्व

पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य पुण्यदायी और फल देने वाले होते हैं। उज्जैन पंचांग के अनुसार, 24 अक्टूबर को दोपहर 11.38 से 25 अक्टूबर को दोपहर 12.35 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र 27 नक्षत्रों में से 8वें स्थान में आता है। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। इसे 27 नक्षत्रों में से सबसे शुभ, पुण्य और पवित्र माना जाता है।

24 अक्टूबरः दोपहर से रात तक सर्वार्थ सिद्धि व अमृत सिद्धि योग

शुभ कार्य के लिए 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे और शाम 4:30 से रात 9 बजे तक सबसे अच्छा योग बन रहा है। 24 अक्टूबर को दिनभर सर्वार्थ सिद्धि के साथ अमृतसिद्धि योग शुभता प्रदान करेगा। इस नक्षत्र का प्रतीक चिह्न गाय का थन माना जाता है। पंडित व्यास के विचार से इस योग में किए गए कार्यों में सफलता निश्चित तौर पर मिलती है। साथ ही मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है। पुष्य नक्षत्र का स्वामी शनि होता है। देव गुरु बृहस्पति को पुष्य नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता माना गया है।

चौघड़िया अनुसार खरीदी के मुहूर्त

सुबह 10:46 से अपराह्न 3 बजे तक
शाम 5:50 से रात 9:00 बजे तक।
25 अक्टूबरः दोपहर 12:35 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा इस दिन सूर्योदय से कुछ समय के लिए सर्वार्थ सिद्धि और अमृतसिद्धि योग शुभता प्रदान करेंगे, जिनका प्रभाव पूरे दिन रहेगा।

चौघड़िया अनुसार खरीदी के मुहूर्त

सुबह 6:32 से सुबह 9:21 बजे तक
दोपहर 12:10 से दोपहर 1:35 बजे
शाम 4:24 से शाम 5:49 बजे तक।
पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करने का प्रचलन है, इसलिए ही इसे शुभ माना जाता है: इस नक्षत्र में चल-अचल संपत्ति जैसे सोने, चांदी के आभूषण, सिक्के, महालक्ष्मी की प्रतिमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, फर्नीचर, बाइक-कार, उद्योग के लिए जमीन, प्लॉट की खरीदी सबसे ज्यादा शुभ मानी गई है। साथ ही पुष्य नक्षत्र में निवेश के लिए भी सबसे शुभ माना जाता है।

मतदाता जागरूकता को लेकर एलईडी वैन रवाना, डीसी-एसएसपी ने दिखायी हरी झंडी

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रांची में स्वीप के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसी कड़ी में मंगलवार को रांची जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी वरुण रंजन और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार परिसर से एलईडी (वर्चुअल रियलिटी) वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस दौरान डीडीसी दिनेश कुमार यादव, परीक्ष्यमान सहायक दंडाधिकारी सह सहायक समाहर्ता आदित्य पांडेय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय सहित अन्य उपस्थित रहे.

7 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर वैन मतदाताओं को देगी जानकारी

डीसी ने बताया कि रांची में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी सुनिश्चित कराई जा रही है. साथ ही मतदाताओं को जागरुक भी किया जा रहा है. इसी कड़ी में डिजिटल वैन को रवाना किया गया है. यह वैन 7 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों, कस्बों व टोलों में जाकर वर्चुअल तकनीक से लोगों को मतदान और चुनावी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देगी.

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका दायर करने वाले पर ठोका एक लाख जुर्माना

झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ जिला के भुरकुंडा और उसके आसपास के इलाके में कोयला,लौह अयस्क ट्रांसपोर्टेशन व अवैध माइनिंग से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए जनहित याचिका दायर करने वाले प्रार्थी संतोष पाठक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है. इसके साथ ही अदालत ने मंगलवार को प्रार्थी की दलील सुनने के बाद जनहित याचिका खारिज कर दी. हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि प्राइवेट कंपनियों के जनहित याचिका में जो आरोप लगाए गए हैं, उसकी पुख्ता जानकारी प्रार्थी की ओर से नहीं दी गई है. जबकि प्रार्थी की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि भुरकुंडा में कोल ट्रांसपोर्टिंग, आयरन ओर के ट्रांसपोर्टिंग, अवैध माइनिंग और 50 साल से ज्यादा पुराने उद्योगों के कारण प्रदूषण बढ़ा है.

विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार-झारखंड इंटर स्टेट बॉर्डर चेक पोस्टों का एसपी ने किया निरीक्षण

रांचीः आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पलामू जिले के पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बिहार-झारखंड इंटर स्टेट बॉर्डर के प्रमुख चेक पोस्टों का निरीक्षण किया. इस निरीक्षण के तहत हुसैनाबाद, दंगवार, देवरी और पथरा चेक पोस्ट शामिल थे, जहां पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी चेक पोस्टों पर मौजूद रजिस्टरों की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि चुनाव के दौरान हर प्रकार की गतिविधि का सही से रिकॉर्ड रखा जा रहा है. उन्होंने चेक पोस्ट पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और चुनाव के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा.

पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए

सभी वाहनों की सघन जांचः सीमा पार आने-जाने वाले हर वाहन की गहन जांच की जाए और प्रत्येक व्यक्ति की पूरी जानकारी दर्ज की जाए. रात में गश्त बढ़ाई जाएः सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती और रात के समय विशेष गश्त को बढ़ाया जाए ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि न हो.

चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन

चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए. एसपी ने कहा कि विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है. चेक पोस्टों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. पलामू पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे चुनाव के दौरान शांति बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें. यह सहयोग चुनावों को सफल और शांतिपूर्ण बनाने में सहायक होगा.

उत्पाद विभाग ने अवैध शराब किया बरामद, दो गिरफ्तार

रांचीः उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया. साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है. मंगलवार को उत्पाद विभाग की टीम ने नामकुम थाना क्षेत्र के राजाउलातू, इटकी थाना क्षेत्र के कुर्गी, अरगोड़ा थाना क्षेत्र के पिपरटोली और नगड़ी थाना क्षेत्र के जाजपुर में छापामारी की. इस दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया. साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया. इसके अलावा फरार अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

जयराम की पार्टी जेएलकेएम की चौथी लिस्ट जारी,25 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा

रांचीः जयराम महतो की झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपनी चौथी सूची जारी की. जयराम महतो की इस पार्टी ने लिस्ट में 25 सीटों के लिए कैंडिडेट तय किए हैं. हटिया से अयूब अली, पांकी से ओंकारनाथ जायसवाल, मनिका से बलवंत सिंह चेरो, कोलेबिरा से अजय एक्का, जुगसलाई से विनोद स्वांसी, नाला से रघुवीर यादव, जामताड़ा से तरुण गुप्ता, जमशेदपुर पश्चिमि से प्यारेलाल साहू, रामगढ़ से पनेश्वर महतो, मनोहरपुर से दिलबार खारका, जगन्नाथपुर से लक्ष्मीनाथ गागराई, विश्रामपुर से विवेक तिवारी, मधुपुर से सद्दाम अंसारी, बोरिया से उमेश बेदिया, गढ़वा से सोनू यादव, चतरा से उमेश भारती, सिमरिया से जीतेन्द्र राम, बहरागोडा से दिनेश महतो, बड़कागांव से बालेश्वर मेहता, चक्रधरपुर से बसंती पूर्ति, तोरपा से लक्ष्मण पाहन, सिसई से सुशील टोपनो, ईचागढ से तरुण कुमार महतो और विशुनपुर से यशोदा देवी और लातेहार से संतोष पासवान का नाम है.

सबसे अधिक 1437556 रांची और सबसे कम 234448 जनधन खाते खूंटी में खुले

रांची। 1437 556 जनधन एकाउंट खोलकर रांची पहले स्थान पर है जबकि 234 448 खाता खोलकर खूंटी सबसे नीचे है। राज्य में 30 जून तक 185 431124 जनधन एकाउंट खुले हैं। इनमें महिलाओं ने 9890797 एकाउंट खोले हैं जबकि पुरुषों ने 8652327 एकाउंट खोले हैं। रांची के बाद पलामू दूसरे स्थान पर गिरिडीह तीसरे स्थान पर धनबाद चौथे स्थान पर और देवघर पांचवें स्थान पर है। महिलाओं के खातों के मामले में भी रांची पहले नंबर पर है और यहां की 765 216 महिलाओं ने जनधन खाता खोले हैं। वही खूंटी की मात्र 112 369 महिलाओं ने खाते खोले है। वही 665 00 500 खाता खोलकर रांची के पुरुष सबसे आगे हैं। इस मामले में भी खूंटी के पुरुष 112369 खातों के साथ सबसे पीछे हैं। इसी तरह गिरिडीह के ग्रामीण इलाकों में 1285 164 खातों के साथ सबसे ऊपर है और खूंटी 222 295 खातों के साथ सबसे नीचे है। अगर शहरी क्षेत्र की बात की जाए तो 417 451 खातों के साथ रांची पहले स्थान पर है। धनबाद 358 960 खातों के साथ दूसरे स्थान पर है। शहरी क्षेत्र में भी खूंटी 112 369 खातों के साथ सबसे नीचे है। जीरो बैलेंस पर खुले जन धन खातों में अब तक 810576.40 रुपया इन खातों में जमा हुआ है। इस मामले में भी रांची पहले स्थान पर है और यहां के खातों में 68553.75 रुपया जमा हुआ है। दूसरे नंबर पर गिरिडीह है जहां खातों में 67 397.11 रुपया जमा हुआ है। तीसरा स्थान देवघर का है जहां 50618.64 जमा हुआ है पलामू चौथे नंबर पर है और यहां के खातों में 47550.93 रुपया जमा हुआ है पांचवा स्थान हजारीबाग का है और यहां के खातों में 47178.88 रुपया जमा हुआ है। जीरो बैलेंस खातों के मामले में भी महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। राज्य में खुला 18543 124 जनधन खातों में से 12607 666 खातों के लिए रुपए कार्ड जारी हो चुके हैं। रुपए कार्ड के मामलों में गढ़वा 964 433 पहले स्थान पर है जबकि 928 171 रुपए कार्ड के साथ पाकुड़ दूसरे स्थान पर है। जनधन खातों के मुकाबले 67.99 प्रतिशत रुपए कार्ड जारी हुए। इसी तरह 18543124 जनधन खातों में से 16063683 खाते 86.53% आधार से लिंक हुए हैं। हालांकि राज्य में 12607668 रुपए कार्ड जारी हुए हैं लेकिन इनमें से मात्र 4605355 ही एक्टिवेटेड है।

समस्तीपुर में सांप के काटने से छात्रा की मौत

समस्तीपुर. समस्तीपुर के सिंघिया थाना क्षेत्र के सालेपुर गांव में सोमवार रात घर में सो रही 9वीं की छात्रा को सांप ने डस लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग उसे सिंघिया पीएससी ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान रविंद्र चौपाल की पुत्री शोभा कुमारी (15) के रूप में की गई। इधर, घटना की सूचना के बाद सिंघिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के चाचा बैजू चौपाल ने बताया कि रात खाना खाने के बाद शोभा कमरे में अकेले ही सो रही थी। पास में नदी है। इसी दौरान एक विषैला सांप उसकी खटिया पर चढ़ गया और उसके पैर में डंस लिया। शोभा के चिल्लाने पर परिजन मौके पर जुटे और उसे अस्पताल पहुंचाया। इधर, डॉक्टर का कहना था कि अस्पताल लाने में काफी देरी हुई। वहीं, सिंघिया थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों का कहना है कि कोबरा के काटने से छात्रा की मौत हुई है। मामले की सूचना पर पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया था। शव को जब्त कर लिया गया। पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

ओडिशा से भटककर रक्सौल पहुंची, 5 साल बाद मिली

मोतिहारी. रक्सौल में पांच साल से बिछड़ी एक महिला इंद्रा देवी अपने परिवार वालों से मिली है। इंद्रा मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। वो ओडिशा से भटक कर रक्सौल तक पहुंच गई थी। रक्सौल में 24 मई को भटकते महिला को माहेर ममता निवास ने जब देखा तो उसको अपने साथ माहेर ममता निवास में शरण देकर उसका इलाज कराया। संस्था के मैनेजर विरेन्द्र यादव ने बताया कि यह महिला सड़क पर भटक रही थी। भटकते देख इसे संस्था में लाकर इसकी देख भाल कर इसका इलाज कराने लगे। उस दौरान महिला अपना पता भी बताने में असमर्थ थी। लेकिन जब ठीक होने लगी तो उसने अपना पता उड़ीसा बताया। जिसके बाद उड़ीसा पुलिस से संपर्क कर उसके परिजनों को बताया गया कि इंद्रा रक्सौल में है। इस संबंध में महिला के पति सत्यनारायण ने बताया कि मेरी पत्नी मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। आज से पांच वर्ष पूर्व रात्रि में घर से निकल गई थी। हम लोगों ने काफी खोजा नहीं मिलने पर हम लोगों में थाना में गुमशुदगी की शिकायत की थी। आज माहेर ममता निवास व पुलिस की मदद में मेरी पत्नी पांच वर्षों के बाद मिल गई है। वही वीरेंद्र यादव ने बताया कि जब महिला स्वस्थ हो गई उसके बाद घर जाने के लिए व अपने बच्चों से मिलने के लिए काफी उत्सुक हो रही थी। जब इंद्रा के परिवार वाले रक्सौल पहुंचे तो इंद्रा व उसके परिवार वालों का खुशी का ठिकाना नहीं था।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम की टैंकर से शराब की तस्करी

मुजफ्फरपुर. बिहार में शराबबंदी है। इसके बावजूद तस्कर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। लगातार शराब तस्कर का मामला सामने आ रहा है। वहीं, पर्व-त्योहार के समय में तस्करी और बढ़ जाती है। ताजा मामला मुजफ्फरपुर से सामने आया है। मुजफ्फरपुर पटना मार्ग पर एक नागालैंड नंबर हिंदुस्तान पेट्रोलियम की टैंकर में शराब की बड़ी खेप लोड कराई जा रही थी। इसे उत्पाद विभाग की टीम ने कई किलोमीटर पीछा करने के बाद धर दबोचा। अभी शराब की गिनती कराई जा रही है। उत्पाद अधीक्षक विजय शेखर दुबे ने बताया कि सोमवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मनोज कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने एक टैंकर का पीछा किया। उस टैंकर ने काफी प्रयास किया भागने का लेकिन दबोचा गया। टैंकर ने हमारी टीम को नुकसान पहुंचाने का भी प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम की टैंकर जो नागालैंड नम्बर का है, उससे शराब की बड़ी खेप बरामद हुई है। अभी शराब की गिनती कराई जा रही है। शराब लाखों की कीमत की है।लेकिन गिनती होने के बाद ही पूरा आंकड़ा सामने आएगा। उत्पाद अधीक्षक विजय शेखर दुबे ने इंस्पेक्टर मनोज कुमार और सोनी महिवाल टीम को बधाई भी दी है।

समस्तीपुर में ट्रक ने दो दोस्तों को रौंदा, मौत

समस्तीपुर. समस्तीपुर में ट्रक ने दो दोस्तों को रौंद डाला। हादसे में दोनों की मौत हो गई है। मृतक की पहचान खानपुर थाना क्षेत्र के ही हांसोपुर गांव के रहने वाले गौतम कुमार और छोटू कुमार के रूप में की गई है। मृतक गौतम कुमार के मामा कमलेश कुमार चौधरी ने बताया कि भांजा गौतम अपने दोस्त छोटू कुमार के साथ मजदूरी करने के लिए गया था। देर रात दोनों मजदूरी के बाद वापस घर खानपुर के हांसोपुर गांव लौट रहे थे, इसी दौरान हांसोपुर चौक के पास ही ट्रक ने रौंदा डाला। आसपास के लोगों ने परिवार के लोगों को सूचना दी। परिवार वाले उन्हें बगल के एक निजी क्लीनिक ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना खानपुर थाना क्षेत्र के हसौपुर गांव के पास की है। मामले की जानकारी खानपुर पुलिस को दी गई। मंगलवार सुबह पहुंची खानपुर थाने की पुलिस ने दोनों शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। वहीं, घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों युवक मजदूरी का काम करते थे। पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। सदर डीएसपी-2 विजय महतो ने बताया कि ट्रक की ठोकर से दो लोगों की मौत हुई थी। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों शवों को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना को लेकर एक यूडी केस खानपुर थाने में दर्ज किया जा रहा।

युवक की गोली मारकर हत्या, घटनास्थल से खोखे-गोली का हिस्सा: किया जा रहा फोरेंसिक जांच

गया. गया के आमस थाना क्षेत्र के सिहुली गांव स्थित बनकट पहाड़ की तलहटी में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सोमवार की रात की बताई जा रही है। मौके से पुलिस ने एक गोली का अगला भाग और दो खोखे बरामद किया है। मृतक की पहचान आमस थाना क्षेत्र के चंडीस्थान निवासी रामकेवल प्रसाद के पुत्र गुड्डू कुमार (28) के रूप में हुई है। डेड बॉडी को देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि मृतक को निशाना बनाते हुए उसे बेहद करीब से गोली मारी गई। बरामद हुए खोखे और गोली का हिस्सा किसी बड़े हथियार का संकेत दे रहा है। हत्या के पीछे के कारण का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। इस घटना से स्थानीय लोगों के बीच डर का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी है। खोखे और गोली के हिस्से का फोरेंसिक जांच किया जा रहा है। मृतक का मोबाइल और अन्य व्यक्तिगत सामान की भी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों और मृतक के परिजन से पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक गुड्डू कुमार का किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था। लेकिन यह हत्या किसी साजिश का हिस्सा हो सकती है। पुलिस ने विभिन्न पहलुओं से मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जिसमें आपसी रंजिश और अपराधियों के संभावित कनेक्शन पर भी गौर किया जा रहा है। बताया गया कि गुड्डू कुमार मछली का व्यवसाय करता था। वह कल देर शाम किसी काम से निकला था, लेकिन फिर वह वापस नहीं लौटा। जिसके बाद उसकी मौत की सूचना मिली है। आमस थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने बताया कि हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। लेकिन विभिन्न बिंदुओं से जांच की जा रही है। जल्द ही अपराधियों को पकड़ने के लिए सघन छापेमारी की जाएगी।

बिहार में पटना समेत कई जिलों की हवा बिगड़ी

पटना. दिवाली से पहले कई जगहों की हवा खराब हो गई है। बिहार में भी कई जगहों पर हवा में खराब श्रेणी में है। राज्य के कई जिलों की हवा में धूलकण की मात्रा बढ़ गई है। पटना में पीएम 2.5 का लेवल 67 है। गया में 66, मुजफ्फरपुर में 53, पूर्णिया में 15 सहरसा में 18 है। वहीं पीएम10 की बात करें तो पटना में इसका स्तर 135, गया में पीएम10 का स्तर 68, राजगीर में पीएम10 का स्तर 152 और सहरसा में 41 है। बिहार के विभिन्न शहरों के AQI यानी एयर क्लाविटी इंडेक्स की बात करें तो पटना का एक्यूआई 156 दर्ज किया गया है। मुजफ्फरपुर का एक्यूआई 128, पूर्णिया 110, गया का एक्यूआई 153 और राजगीर का एक्यआई 139 दर्ज किया गया है। भागलपुर जिले का एक्यूआई 81 दर्ज किया गया है। वहीं सहरसा में वायु प्रदूषण का स्तर मध्यम है और वहां एक्यूआई 66 है। गया, मुजफ्फरपुर, पटना और पूर्णिया का वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में रहा। औरंगाबाद और बेगूसराय में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम श्रेणी का दर्ज किया गया है।

बेगूसराय में 5 टुकड़ों में मिला टीचर का शव:बोरे में था धड़, 2 किमी दूर मिले सिर और हाथ-पैर, दरोगा बनना चाहता था

बेगूसराय. बेगूसराय में सोमवार देर शाम मिली सिर कटी लाश की पहचान हो गई है। शव कई टुकड़ों में कटा था। मृतक की पहचान चकिया थाना कसहा गांव के निवासी देवेंद्र यादव के बेटे बिट्टू कुमार (24) के तौर पर हुई है। बदमाशों ने बिट्टू का सिर ही नहीं बल्कि दोनों पैर और एक हाथ भी काट दिए थे। जहां से कल लाश मिली है वहां से 2 किलोमीटर दूर रुपनगर ढ़ाला इमली गाछी ढ़ाव से आज बिट्टू का सिर, पैर और हाथ बरामद हुआ है। वो 19 अक्टूबर से लापता था।

हत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है, लेकिन शव की स्थिति बहुत खराब होने के कारण डीएमसीएच रेफर कर दिया गया

है। बिट्टू प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था। साथ ही सिमरिया घाट में दोस्त सुमित कुमार के साथ प्राइवेट कोचिंग भी चलाता था। अगस्त में उसने दारोगा की परीक्षा दी थी। घर वालों को कहा था कि परीक्षा बेहतर गई है, इस बार सिलेक्शन हो जाएगा। परिवार वाले उसके दारोगा बनने के सपने परिजन देख रहे थे, इसी बीच हत्या हो गई।

19 अक्टूबर को कोचिंग पढ़ाने के लिए गया था

मृतक के भाई धीरज कुमार ने बताया कि 'मेरा भाई दरोगा और बीपीएससी परीक्षा की तैयारी करता था। 19 अक्टूबर की सुबह में वह रोज की तरह अपने दोस्त के साथ कोचिंग पढ़ाने के लिए गया था। दिनभर उसका मोबाइल बंद था। हम लोगों ने दोस्त को फोन कर पूछा कि मेरा भाई कहां है तो उसने कहा कि बिट्टू काम से पटना गया है। साथ में खाना खाया, फिर 6 सौ रुपए लेकर पटना निकल गया। उसे स्मारक तक छोडा था, फिर कहां गया पता नहीं।'

21 को मिला आधा शव

21 अक्टूबर की शाम चकिया थाना क्षेत्र के ही थर्मल हॉल्ट के पास तालाब में एक बोरी में एक शव होने की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। जब बोरे को निकालकर देखा गया तो उसमें सिर कटा हुआ शव बरामद किया गया। शव के हाथ-पैर भी कटे थे। मृतक के चाचा प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि 'वो लोग बिट्टू को ढूंढने के लिए आज पटना जाने वाले थे। लेकिन कल देर शाम पता चला कि रेलवे लाइन के किनारे गड्ढे में बोरा में बंद लाश मिली है। हमारे घर का एक बच्चा देखने गया, उसने पैंट से पहचान की। हम लोग गए तो लाश का सिर गायब था, एक हाथ कटा हुआ था, दोनों पैर अलग थे। शव देखकर लग रहा है कि आसपास घटना हुई है। एनटीपीसी में आने वाले कोयला में जो तिरपाल बंधा रहता है, उसी से बोरा बंधा हुआ था। हम लोगों को आशंका है कि गांव में ही हत्या हुई है। उसका दोस्त बोलता है कि हमको कुछ पता नहीं है। बिट्टू का नंबर ट्रेस करवाए तो पता चला कि मोबाइल और सिम अलग-अलग है।'

सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है- एसपी

एसपी मनीष ने बताया कि 'कल देर शाम करीब 7:30 बजे चकिया थर्मल हार्ट के बगल में स्थित तालाब के पास प्लास्टिक के बोरे में शव रहने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही चकिया थानाध्यक्ष नीरज कुमार मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान बिट्टू कुमार के रूप में हुई है। 19 अक्टूबर को पटना जाने की बात कहकर निकला था और उसी दिन से गायब था। सदर-टू डीएसपी भास्कर रंजन के नेतृत्व में घटना के सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।'

औरंगाबाद में ससुराल से 3 बच्चों के साथ मां लापता:मायके वाले बोले- दहेज के लिए चारों को मार दिया और शवों को छिपा दिया

औरंगाबाद. औरंगाबाद में मंगलवार की सुबह 4 बजे ससुराल से तीन बच्चों के साथ मां गायब है। चारों कहां है, इसे लेकर किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। उनका कुछ पता नहीं चल रहा है। महिला के मायके वालों ने दहेज के लिए चारों की हत्या का आरोप लगाया है। लापता महिला का पति जयपुर में मजदूरी करता है। लापता मां और बच्चों की पहचान पौथू थाना क्षेत्र के परासिया गांव निवासी सुधीर यादव की पत्नी संध्या कुमारी (30), 10 साल की बेटी सृष्टि कुमारी, 7 साल का बेटा शिवम कुमार और 5 साल का बेटा सौरभ कुमार के रूप में हुई है। चारों सुबह 4 बजे से गायब हैं। संध्या की रिश्तेदार ने सुबह चार बजे उसके पिता को मामले की जानकारी दी। घटना पौथू थाना क्षेत्र परसिया गांव की है।

पुलिस ने एक गाड़ी मालिक

को हिरासत में लिया है

ओबरा प्रखंड के खुदवां थाना क्षेत्र के मोमीनपुर गांव निवासी और संध्या के पिता रंजीत सिंह यादव ने आरोप लगाया कि मेरी बेटी संध्या, नतनी सृष्टि, नाती शिवम और सौरभ की हत्या कर शव छिपा दिया गया है।' पुलिस ने गाड़ी के मालिक को हिरासत में लिया है। आरोप है कि बच्चों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इसी गाड़ी से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि बच्चे कहां है इसके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है।

सास, ससुर, ननद ने मार डाला

संध्या के चाचा चंद्रमा सिंह ने कहा कि 'संध्या के ससुर चेनेश्वर यादव, सास, ननद, देवर और गोतनी मारपीट करते थे। बच्चों को पढ़ाने के लिए पैसे मांगने पर मारपीट की जाती थी। दहेज लाने के लिए दबाव डालते थे। संध्या की गोतनी ने कहा फोन पर कहा था कि वो नहीं रही। बच्चे के बारे में भी पता चल रहा कि वे नहीं रहे। बॉडी नहीं मिली। सास-ससुर, ननद, गोतनी, देवर के साथ मेरी भतीजी रहती थी। सब ने मिलकर मार दिया है।' पौथु थाना अध्यक्ष आकाश राज ने बताया कि 'जिले की पुलिस सक्रिय है। जब तक बॉडी बरामद नहीं होती है या सभी सकुशल बरामद नहीं किया जाता है तब तक इस मामले में स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता है।

धर्म परिवर्तन के खिलाफ चला जागरूकता अभियान: नवादा में बजरंग दल ने कहा-बड़े पैमाने पर चल रहा धर्म परिवर्तन, रोकने की कही बात

नवादा. नवादा के रोह थाना क्षेत्र के सिंघना गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया है। इसके तहत सबसे पहले प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में भारी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया, जिसमें धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म मानने वाले दलित परिवार भी शामिल थे। जितेंद्र प्रताप जीतू के द्वारा कहा गया कि बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन की जा रही है। स्वामी सर्वानंद शिष्य वेद प्रचार मंडल बिहार के अध्यक्ष देवेंद्र शास्त्री की मौजूदगी में दलित परिवारों ने बताया कि उन्हें प्रलोभन देकर ईसाई धर्म मानने को तैयार किया गया। उनसे कहा गया कि ईसाई धर्म मानने से उन्हें काफी लाभ होगा। झाड़ फूंक से सभी बीमारी को भगा दिया जाएगा। जिसके बाद हम लोगों ने ईसाई धर्म मानना शुरू कर दिया। मगर जब हमें यह पता चला कि हमारे साथ छलावा किया गया है तो हम लोगों ने घर वापसी का निर्णय लिया। हम लोग सनातनी थे और सनातनी होकर ही जीवन व्यतीत करेंगे। देवेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन में पाखंड, अंधविश्वास और कुरीतियों की कोई जगह नहीं है। इन दुष्चक्रों में फंसकर लोग अपने धर्म व संस्कृति से विमुख हो सकते हैं। कुछ दिन पहले विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कैलाश विश्वकर्मा, जीतेंद्र प्रताप उर्फ जीतू समेत दर्जनों सनातनियों ने सिंघना गांव में धर्मांतरण के खिलाफ बैठक की थी। और धर्म परिवर्तन करने वाले दलित परिवारों के साथ बातचीत की थी। जिसके बाद धर्म परिवर्तन करने वाले सभी दलित परिवारों ने स्वेच्छा से घर वापसी का निर्णय लिया। मंगलवार को स्वामी सर्वानंद शिष्य वेद प्रचार मंडल द्वारा सिंघना में घर वापसी करने वाले दलित परिवारों का वैदिक हवन यज्ञ के द्वारा शुद्धिकरण किया जाएगा। जागरूकता अभियान में प्रमोद सिंह, सुरेंद्र कुमार पाण्डेय, संजीव सिंह समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।

बीजेपी सांसद ने गिरिराज की यात्रा में कहा- पहले हिन्दू बनिए फिर शादी के लिए जात ढूंढिए

अररिया. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इन दिनों हिन्दू स्वाभिमान यात्रा पर हैं। बीजेपी ने भले ही इसे गिरिराज सिंह की निजी यात्रा बताकर किनारा कर लिया, लेकिन बीजेपी सांसद प्रदीप सिंह का गिरिराज की सभा में दिया बयान चर्चा में है। प्रदीप सिंह ने कहा है कि अगर अररिया में रहना है तो हिन्दू बनना होगा। सांसद प्रदीप सिंह ने ये भी कहा कि खुद को हिन्दू बोलने में भला कैसी शर्म? जब बेटे-बेटी की शादी करनी हो तब जात-पात खोज लीजिए, लेकिन जब हिन्दुओं की एकजुटता की बात हो तो पहले हिन्दू बनिए बाद में जाति को ढूंढिए। बीजेपी सांसद का ये बयान 20 अक्टूबर का बताया जा रहा है। इस दिन हिन्दू स्वाभिमान यात्रा के साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह देर रात अररिया पहुंचे थे। यहां गिरिराज सिंह ने सांसद पप्पू यादव का नाम ना लेते हुए उन पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि पूर्णिया में लोग कह रहे हैं कि मेरी लाश से गुजरना होगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं लाश पर नहीं बल्कि जिन्दा लोगों की छाती से होकर हिन्दू स्वाभिमान यात्रा पर निकला हूं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अररिया आरएस स्थित ठाकुरबाड़ी में भगवान श्रीकृष्णा की आरती में शामिल हुए थे। यहां स्वामी दीपांकर महराज ने भी मंदिर में आरती पूजा की थी। इस मौके पर अररिया आरएस बाजार के लोगों ने गिरिराज सिंह को माला पहनाकर स्वागत किया था और कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने तलवार का प्रदर्शन भी किया था। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि भाजपा सांसद ने संविधान और संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ जाकर बयान दिया है। यह कहीं से उचित नहीं है। हमारा देश गंगा-यमुना संस्कृति का गवाह रहा है। भारत की ख़ूबसूरती है कि सभी धर्म, जाति, महजब के लोग धार्मिक आजादी के तहत अपने धार्मिक काम करें, लेकिन भाजपा के नेता नफरत की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। समाज में जहर घोला जा रहा है, जो कहीं से उचित नहीं है। जदयू की खमोशी से यह पता चलता है कि बिहार में नफरत फैलाने की खुली छूट सरकार की ओर से मिली हुई है। सरकार के स्तर से इस तरह के नफरती भाषा बोले जाने वालों पर कार्रवाई नहीं किया जाना देश के संविधान और संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करता है। इस तरह के बयानों पर रोक लगाने के लिए सरकार को कड़े कदम उठाना चाहिए। ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए जो संविधान और संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

बिहार में सड़क हादसों से जगह-जगह मातम; समस्तीपुर, जहानाबाद, बांका, रोहतास में 6 की मौत

पटना. बिहार में मंगलवार को सड़क हादसों से जगह-जगह मातम पसर गया। राज्य के विभिन्न जिलों में हुए अलग-अलग एक्सीडेंट में कुल 6 लोगों की मौत हो गई। समस्तीपुर जिले में सर्वाधिक तीन लोगों की जान गई है। जहानाबाद, बांका और रोहतास जिले में भी एक-एक शख्स की मौत हुई है। समस्तीपुर जिले के खानपुर स्थित हांसोपुर चौक पर एक ट्रक ने बाइक पर सवार दो युवकों को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा देर रात हुआ। दोनों कुछ सामान लेने गए थे और अपने घर हांसोपुर लौट रहे थे। वहीं, दलसिंहसराय के मालपुर में मंगलवार अहले सुबह स्टेट हाइवे 88 पर अज्ञात वाहन ने एक किसान और उसकी गाय को टक्कर

मार दी। हादसे में दोनों रकी मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने दलसिंहसराय-रोसड़ा रोड करीब 7 घंटे तक जाम किया। रोहतास जिले के शिवसागर थाना इलाके में सासाराम-चौसा रोड पर मंगलवार को कोनार गांव के पास एक डंपर ने बाइक सवार पिता-पुत्र को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि पुत्र घायल बताया जा रहा है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। बांका जिले के अमरपुर में इंग्लिश मोड़ शंभूगंज रोड पर सोमवार देर रात बाइक चालक की घर की दीवार से टकराने की वजह से मौत हो गई। रात होने की वजह से किसी को हादसे का पता नहीं चला। सुबह जब गांव के लोगों ने देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी।

जहानाबाद में नेशनल हाइवे 83 पर मुस्सी गांव के पास देर रात एक साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। धीनधौर बिगहा निवासी 57 वर्षीय रविंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

अपराध की साजिश कर रहे 6 बदमाश अरेस्ट:मोतिहारी में बोलेरो सहित देसी कट्टा-कारतूस जब्त

मोतिहारी. मोतिहारी में अपराध की साजिश करते छह बदमाश को बोलेरो, लोडेड देसी कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की तत्परता से लूट की घटना होने से पहले बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो बदमाश पर पहले से मारपीट-आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज था। बता दें कि एसपी स्वर्ण प्रभात को गुप्त सूचना मिली कि कुछ बदमाश हरसिद्धि थाना क्षेत्र में होकर किसी घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए है। सूचना मिलने के साथ ही अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के नेतृत्व में टीम बना कर छापेमारी करने का निर्देश दिया, जिसके बाद टीम ने छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने पीसी के दौरान बताया कि एसपी के निर्देश पर हरसिद्धि थाना क्षेत्र में कुछ बदमाश के आने की सूचना दी गई। इसके बाद शाम गश्ती तेज कर जगह-जगह जांच कराई जा रही थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के कोबेया पुल के पास से छह बदमाश को बोलेरो सहित लोडेड देसी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बदमाश में राहुल उर्फ विधायक यादव,आलोक कुमार, मनीष कुमार,मुन्ना कुमार, रिपू कुमार, यशवंत कुमार शामिल है। सभी हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रहने वाले है। राहुल और आलोक का आपराधिक इतिहास रहा है। राहुल पर लूट कांड और आलोक पर मारपीट और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है।

हिम्मत नहीं करते तो 10 करोड़ की लूट हो जाती: ज्वेलरी शॉप ऑनर बोले- 2 राइफल होती तो अपराधी नहीं घुसते; सरकार को सोचना चाहिए

बेगूसराय. बेगूसराय में सोमवार को पीपी ज्वेलर्स में दिनदहाड़े 40 लाख की लूट हुई थी। वारदात को लेकर ज्वेलरी शॉप के ऑनर और स्टाफ में दहशत हैं। सरकार के खिलाफ उनके अंदर नाराजगी भी है। ज्वेलरी शॉप के मालिक प्रमोद पोद्दार ने कहा कि 'हम लोग टैक्स देते हैं। क्या सुरक्षा मिल रही है। सीएम, बेगूसराय के जिला प्रशासन को सोचना चाहिए कि वो लोग क्या कर रहे हैं। मेरे बेटे की शादी तय हो गई है। उसके पेट को छूते गोली निकली। बाल-बाल बच गया नहीं तो बर्बाद हो जाता। 4 नवंबर को इंगेजमेंट है। प्रशासन क्या कर रहा। हम लोग अब पलायन करने के मूड में हैं।' 'दो साल से राइफल के लाइसेंस के लिए डीएम साहब के आगे-पीछे घूम रहे हैं। मेरा पास 2 राइफल होती तो अपराधी

मेरी दुकान में घुसने की हिम्मत नहीं करते।' वहीं वारदात के बारे में बताते हुए ज्वेलरी शॉप मालिक के बेटे राजीव ने कहा कि 'पहले तो मैं अपराधियों से भिड़ा, लेकिन जब गोली पेट को छू कर निकली तो मैंने सरेंडर कर दिया था। अगर हमारे स्टाफ ने हिम्मत नहीं दिखाई होती तो शॉप में 10 करोड़ की भी लूट हो सकती थी। फिलहाल काउंटर पर रखे जेवर अपराधी ले गए। करीब 40 लाख का ही नुकसान हुआ है।'

हाथ पर मारा तो बंदूक छूट गई

प्रमोद कुमार पोद्दार के इकलौते बेटे राजीव ने कहा कि 'हम लोग रोज की तरह दुकान में काम कर रहे थे। करीब सवा एक बजे ग्राहक बनकर 2 युवक आए और ब्रेसलेट देखने लगे। थोड़ी देर बाद एक वॉशरूम जाने के बहाने नीचे गया। नीचे से सभी स्टाफ को कब्जे में लेकर सीढ़ी पर आ रहा था। हमने सीसीटीवी में देखा तो शक हुआ और हमने ऊपर का गेट लॉक कर दिया। इसी बीच अंदर जो बदमाश बैठा हुआ था उसने पिस्टल निकाल ली। मैंने 2 मिनट सोचा फिर उसके हाथ पर मारा तो पिस्टल गिर गई। तभी जो गेट के बाहर खड़ा था उसने गोली चलाई। बुलेट मेरे पेट को छूते हुए निकल गई। हाथापाई करके उन लोगों ने मुझे गिरा दिया और गेट खोल दिया। फिर हमने सरेंडर कर दिया, लेकिन सभी स्टाफ ने विरोध किया।'

पिता जी आए और गोली मार दी

राजीव ने कहा कि 'अपराधियों को समझ नहीं आया कि क्या करें, क्योंकि गेट ऑटोमेटिक लॉक हो गया था। चार अपराधी भागने लगे तो हम लोगों ने गेट के बाहर दो अपराधियों को पकड़ लिया। तभी मेरे पिताजी आ गए और अपने लाइसेंसी पिस्टल से दोनों बदमाशों को गोली मार दी। सभी का चेहरा खुला हुआ था, लेकिन सभी ने टोपी पहनी थी। सब का चेहरा कैमरा में आ गया है।' राजीव ने कहा कि 'अपराधियों की उम्र 25-30 के आसपास की होगी। देखने के लिए अलग-अलग सामान मांग रहे थे। उस समय शक नहीं हुआ कि वे अपराधी हैं। पहले तीन-चार मिनट नीचे बैठे, फिर 5 मिनट तक ऊपर जेवर देखने के बाद नीचे गए और लूटपाट शुरू कर दी। कुछ जेवर बैग में रखा, कुछ जेब में, कुछ शर्ट के अंदर रख लिया। कस्टमर को दिखाने के लिए रखी सभी हार ले गए। कुछ ब्रेसलेट भी उन लोगों के हाथ लगा है। घटना के समय आठ कस्टमर भी बैठे हुए थे।'

सुधार नहीं हुआ तो पलायन कर जाएंगे

प्रमोद पोद्दार ने कहा कि 'बदमाशों ने दुकान में घुसकर गोलीबारी की, स्टाफ क्रिमिनल से लड़ गया। मेरा बेटा लड़ गया, मैं दुकान पर नहीं था। रोज सुबह में दुकान खोलने के समय पिस्टल आ जाता है। यह सरकार क्या कर रही है, बेगूसराय का प्रशासन क्या कर रहा है, समझ में नहीं आ रहा है। सुधार नहीं हुआ तो बाहर पलायन कर जाएंगे। कोई भी आदमी अपने बाल-बच्चे के लिए सब कुछ करता है। पैसा लेकर हम क्या करेंगे, पैसा खाने की चीज नहीं है। हमें हमारी और परिवार की सुरक्षा चाहिए।' प्रमोद ने कहा कि '2016 में भी हमारी दुकान में लूटपाट हुई थी। उस समय का वीडियो मुख्यमंत्री तक पहुंचा था। पिस्टल का लाइसेंस मिला। राइफल का लाइसेंस लेने के लिए दो साल से डीएम साहब के आगे पीछे घूम रहे हैं। लाइसेंस देना नहीं है।'

भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2026-27 तक दोगुनी होकर 2,100 मेगावाट हो जाएगीः इक्रा

भारत की डेटा सेंटर क्षमता डिजिटल उछाल तथा डेटा स्थानीयकरण प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 तक 2,000-2,100 मेगावाट (मेगावाट) तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान इसमें 50,000-55,000 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने मंगलवार को बयान में कहा, वर्तमान क्षमता 950 मेगावाट है। इसमें से एनटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर, सीटीआरएलएस डेटा सेंटर, एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर, सिफी टेक्नोलॉजीज और एनएक्सट्रा डेटा जैसी प्रमुख कंपनियां 85 प्रतिशत बाजार को (मार्च, 2024 तक) नियंत्रित करती हैं। इक्रा की उपाध्यक्ष अनुपमा रेड्डी ने कहा कि डेटा उत्पादन में वृद्धि तथा डेटा स्थानीयकरण के लिए दबाव भारत के डेटा सेंटर परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है। उन्होंने कहा, कम डेटा शुल्क योजनाएं, किफायती स्मार्टफोन तक पहुंच, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना और सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, गेमिंग तथा ओटीटी मंचों का बढ़ता उपयोगकर्ता आधार डेटा क्षेत्र में बढ़ोतरी के कुछ प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित मांग महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है। इसके अगले तीन से पांच साल में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। इक्रा ने कहा कि मौजूदा क्षमता का करीब 95 प्रतिशत हिस्सा छह शहरों में है, जिसमें मुंबई तथा चेन्नई सबसे आगे हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूंकि 'को-लोकेशन' सेवाओं की मांग बढ़ रही है, खासकर हाइपरस्केलर्स तथा बैंकिंग व आईटी जैसे क्षेत्रों से, ऐसे में वित्त वर्ष 2024-25 में डेटा केंद्रों के राजस्व में 23-25 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि होने का अनुमान है।

यमुना नदी के ऊपर बादलों की तरह छाया जहरीला झाग, स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में यमुना नदी में जहरीले झाग की सफेद चादर सुर्खियां बनी हुई है। इसे अंतरिक्ष से सैटेलाइट इमेजरी में भी कैद किया गया है। तस्वीरों में दक्षिण पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब तीन किमी दूरी पर स्थित दो बैराजों के पास यमुना नदी में झाग बहता दिखाई दे रहा है। इन दिनों सोशल मीडिया पर इसकी वीडियोज खूब वायरल हो रही है, जिनमें नदी के बड़े हिस्से में झाग दिखाई दे रहा था, जो पानी के ऊपर बादलों जैसा नजर आ रहा था। यूजर्स कह रहे हैं कि जब समंदर का पानी साफ हो सकता है तो यमुना का क्यों नहीं? एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, खासकर त्योहारों के मौसम के आने पर। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि शहर की स्थिति पर सरकार नजर रख रही है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि अधिकारियों ने इस समस्या से निपटने के लिए पहले ही डिफोमर्स का छिड़काव करवा दिया है और सरकार स्थिति को संभालने और हल करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। मीडिया रिपोर्ट में साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल के एसोसिएट कोऑर्डिनेटर ने बताया कि आमतौर पर यमुना के ऊपरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति बनी रहती है, लेकिन इस साल हाल ही में खत्म हुए दक्षिण-पश्चिम मानसून में ऐसी कोई स्थिति नहीं बन पाई है। पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक, इस झाग में अमोनिया और फॉस्फेट की उच्च मात्रा होती है, जो श्वसन और त्वचा संबंधी समस्याओं सहित गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। इस तरह का झाग तब बनता है, जब सड़ते हुए पौधों और प्रदूषकों से निकलने वाली चर्बी पानी में मिल जाती है, लेकिन मानसून के दौरान इसकी मौजूदगी चौकाने वाली है।

पति को हिजड़ा कहना मानसिक क्रूरता, पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने तलाक के एक फैसले में कहा

चंडीगढ़,(ईएमएस)। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने एक फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर पत्नी अपने पति को हिजड़ा कहती है तो यह मानसिक क्रूरता है। जस्टिस सुधीर सिंह और जसजीत सिंह बेदी की खंडपीठ तलाक के एक मामले की सुनवाई कर रही थी। इससे पहले 12 जुलाई को फैमिली कोर्ट ने पति के पक्ष में फैसला सुनाया था। महिला की सास का आरोप था कि वह अपने पति को हिजड़ा कहती थी। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा फैमिली कोर्ट द्वारा दर्ज किए गए रिकॉर्ड और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि महिला ने जो कुछ भी कहा है वह मानसिक क्रूरता है। कोर्ट ने कहा कि पति को हिजड़ा कहना या फिर किसी मां से यह कहना कि उन्होंने हिजड़े को जन्म दिया है, यह एक मानसिक क्रूरता है। बता दें दंपती की शादी 2017 में हुई थी। पति ने यह कहते हुए फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी और कहा था कि उसकी पत्नी देर रात जागती है और फिर उनकी बीमार मां से नीचे से ऊपर बेडरूम में खाना भिजवाने को कहती है। उन्होंने यह भी कहा था कि पत्नी पोर्न देखने की आदी है और मोबाइल गेम भी बहुत खेलती है। पति ने आरोप लगाया था कि पत्नी देर तक सेक्स करने और बार-बार संबंध बनाने के लिए जबरदस्ती करती है। पति ने याचिका में कहा था, पत्नी उसपर शारीरिक रूप से बीमार होने का ताना मारती है और कहती है कि वह किसी और से शादी करना चाहती है। वहीं पत्नी ने कहा कि पति ने उसे घर से बाहर निकाल दिया।

आईएएस अधिकारी के बयान के समर्थन में कांग्रेस बोली- सवाल सही

भोपाल,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर को लेकर बड़ा बयान दिया है। आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन ने सोशल मीडिया पर मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर पर सवाल उठाते हुए लिखा कि इससे ध्वनि प्रदूषण हो रहा है जिससे कई लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एक हिंदू संगठन ने अधिकारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि अधिकारी का सवाल बिल्कुल सही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते भोपाल में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक 13 साल के किशोर की मौत हो जाने के बाद लाउडस्पीकर से ध्वनि प्रदूषण को लेकर बहस शुरू हो गई है। यह किशोर तेज बज रहे डीजे की धुन पर नाच रहा था और अचानक बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मध्य प्रदेश पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की। वहीं इस घटना ने लाउस्पीकर को लेकर बहस भी शुरू हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्रकार ने मस्जिदों में लाउडस्पीकर सिस्टम के इस्तेमाल और सार्वजनिक स्थानों के बाहर तेज संगीत बजाने वाले डीजे के चलन पर ध्यान केंद्रित करते हुए कानून में असमानता पर सवाल उठाया। पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आईएएस शैलबाला मार्टिन ने कहा कि मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर की वजह से ध्वनि प्रदूषण ज्यादा होता है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर का नया आतंकी संगठन टीएलएम एक्टिवः पुलिस का दावा- यह आतंकियों की भर्ती कर रहा

नई दिल्लीः जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को नए आतंकवादी संगठन तहरीक लब्बैक या मुस्लिम (टीएलएम) का खुलासा हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस विंग और पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा में कई लोकेशन पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि टीएलएम बैन आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक अलग ग्रुप है। सूत्रों ने बताया कि टीएलएम आतंकवादियों की भर्ती करने का एक मॉड्यूल है, जिसे पाकिस्तान का हैंडलर बाबा हमास चला रहा था। सीआईके और पुलिस का ऑपरेशन अभी जारी है। टीएलएम के बारे में और ज्यादा जानकारी सामने आएगी। गांदरबल अटैक में एक डॉक्टर समेत 7 मजदूरों की जान गई थी। हमले के चश्मदीद ने बताया कि 2 आतंकवादी शॉल ओढ़कर आए और मेस में बैठे मजदूरों पर गोली चलाई।

सीआईके ऑपरेशन में अब तक क्या मिला

अब तक 10 लोकेशन पर छापा मारा गया है।

7 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। 14 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया है। कुछ मटेरियल भी जब्त किया गया है।

कश्मीर हमले का चश्मदीद बोला- दो आतंकी शॉल ओढ़कर आएः मेस में खाना खा रहे मजदूरों को मारा

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में 20 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले का चश्मदीद सामने आया है। चश्मदीद ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को बताया कि गांदरबल के गगनगीर में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट के पास मजदूरों के रहने के लिए कैंप बनाया गया था। इसी कैंप में 2 आतंकी शॉल ओढ़कर आए थे। उन्होंने हथियार छिपा रखे थे। कैंप के मेस में मजदूर खाना खा रहे थे, तभी आतंकी वहां पहुंचे और उन्होंने मजदूरों पर फायरिंग की। आतंकियों ने मेस के अलावा 2 और जगहों पर फायरिंग की। सूत्रों ने बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी की खुद की सिक्योरिटी भी थी। साइट से 300 मीटर दूर सीआरपीएफ कैंप भी है। इसके बावजूद आतंकियों ने हमला किया। रविवार रात किए गए हमले में कश्मीर के डॉक्टर, MP के इंजीनियर और पंजाब-बिहार के 5 मजदूरों की जान गई थी। इसकी जिम्मेदारी लश्कर के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है।

चश्मदीद बोला- हमले के दौरान अंधेरा हो गया था

एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि हमले के दौरान अंधेरा हो गया था। हमने लगातार गोलियों की आवाज सुनी। हमें लगा कि ये पटाखे हैं, क्योंकि 100 मीटर की दूरी पर एक शादी समारोह चल रहा था। अचानक, हमने देखा कि प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड कैंप से निकलकर बाहर आ रहे थे। उन्होंने हमें बताया कि हमला हुआ है।

हमले के दौरान पावर कट पर 2 दावे

पहलाः इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि कैंप में पावर सप्लाई को लेकर 2 बातें सामने आ रही हैं। मजदूरों के एक गुट ने बताया कि आतंकियों ने हमले से पहले बिजली काट दी थी।

दूसराः दूसरे गुट का कहना है कि कुछ मजदूरों ने खुद से ही बिजली काट दी थी, ताकि आतंकियों को हमला करने में दिक्कतों का सामना करना पड़े।

हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। भास्कर को सूत्रों ने बताया कि टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल हमले का मास्टरमाइंड था। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीआरएफ ने पिछले डेढ़ साल में अपनी स्ट्रैटजी बदली है। पहले टीआरएफ कश्मीर पंडितों की टारगेट किलिंग करता था। अब यह संगठन गैर कश्मीरियों और सिखों को निशाना बना रहा है। टीआरएफ को भारत में आतंकवादी संगठन घोषित है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि टीआरएफ को पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर ने बनाया है। यह लश्कर और जैश के कैडर को मिलाकर बनाया गया है। यह संगठन कश्मीरियों, कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं की हत्या की कई घटनाओं में शामिल है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद टीआरएफ ज्यादा एक्टिव हो गया है। हमलों की जिम्मेदारी लश्कर नहीं, बल्कि टीआरएफ लेता है।

पेट्रोलिंग समझौता, आर्मी चीफ बोले- भरोसा जमने में वक्त लगेगाः सीमा पर गश्त इसका जरिया

नई दिल्लीः भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग समझौते के बाद मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपना सीमा विवाद मिलकर सुलझाएंगे। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को इस समझौते को अच्छा कदम बताया। उन्होंने कहा- सबसे पहले दोनों देशों को दोबारा विश्वास पैदा करना होगा। इसके लिए सैनिकों का एक-दूसरे को देखना और बातचीत करना जरूरी है। पेट्रोलिंग के जरिए इसके लिए सही माहौल मिलेगा।

भारत और चीन ने एक दिन पहले 21 अक्टूबर को पेट्रोलिंग पर सहमति जताई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन में सीमा पर पेट्रोलिंग सिस्टम को लेकर समझौता हुआ है। इससे मई, 2020 (गलवान टकराव) से पहले की स्थिति वापस आएगी। यह सकारात्मक है।

आर्मी चीफ बोले- बफर जोन मैनेजमेंट, डी-एस्केलेशन जरूरी

भारत और चीन के बीच समझौता होने के बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "हम दोबारा भरोसा हासिल करने की प्रोसेस में हैं। इसमें वक्त लगेगा। सेनाओं का पीछे हटना, बफर जोन मैनेजमेंट भी इसके लिए अहम है। हम भरोसा कैसे पैदा करेंगे? जब हम एक-दूसरे को सुन सकेंगे और एक-दूसरे को संतुष्ट कर सकेंगे। हम यह भरोसा जता पाएंगे कि जो बफर जोन बनाए गए हैं, हम उसमें जाएंगे। पेट्रोलिंग से आपको ये प्रोसेस करने में आसानी होगी। दोनों पक्षों को एक-दूसरे को समझाने का मौका मिलेगा। एक बार भरोसा जम गया तो इसके बाद अगला कदम उठाया जाएगा।"

क्या है भारत-चीन समझौता

पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए चीन और भारत राजी हो गए हैं। यानी अब चीन की आर्मी उन इलाकों से हटेगी, जहां उसने अतिक्रमण किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने सोमवार को बताया था कि भारत-चीन के सीमावर्ती इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार हुआ है। इस पर दोनों देश कदम उठाएंगे। अप्रैल 2020 में चीन ने एक सैन्य अभ्यास के बाद पूर्वी लद्दाख के 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था। 2022 तक 4 इलाकों से चीन की सेना पीछे हट गई। दौलत बेग ओल्डी और डेमचोक पर भारतीय सेना को पेट्रोलिंग नहीं करने दी जा रही थी।

अप्रैल 2020 में एक सैन्य अभ्यास के बाद चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख में कम से कम 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था, लेकिन दो साल बाद चीन की पीएलए 4 स्थानों से पीछे हट गई थी। दौलत बेग ओल्डी और डेमचोक के फ्रिक्शन पॉइंट्स पर गश्त को लेकर सहमति नहीं बनी थी और भारतीय सेना को कई इलाकों में रोका जा रहा था। अब भारत सभी जगहों पर पेट्रोलिंग कर सकेगा। 1 अक्टूबर को भारत के आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि चीन के साथ भारत के हालात स्थिर हैं, लेकिन ये सामान्य नहीं हैं, काफी संवेदनशील हैं।

गुजरात के गांधीनगर में नकली जज पकड़ा गयाः फर्जी कोर्ट चला रहा था विवादित मामलों में फैसले देकर 100 एकड़ जमीन भी हड़पी

गांधीनगरः गुजरात में एक शख्स ने फर्जी ट्रिब्यूनल बनाया। खुद को उसका जज बताया और गांधीनगर में बने अपने ऑफिस में असली अदालत जैसा माहौल बनाते हुए फैसले भी सुनाए। आरोपी का नाम मॉरिस सैमुअल है। बतौर ऑर्बिट्रेटर (मध्यस्थ) नकली जज मॉरिस ने अरबों रुपए की करीब 100 एकड़ सरकारी जमीन अपने नाम कर ऑर्डर पारित किए। हैरानी की बात यह है कि यह फर्जी कोर्ट पिछले पांच साल से चल रहा था। अहमदाबाद पुलिस ने मॉरिस को नकली जज बनकर लोगों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मॉरिस उन लोगों को फंसाता था, जिनके जमीनी विवाद के केस शहर के सिविल कोर्ट में पेंडिंग थे। वह अपने मुवक्किलों से उनके मामले को सुलझाने के लिए फीस के तौर पर कुछ पैसा लेता था। मॉरिस खुद को कोर्ट से नियुक्त किया गया आधिकारिक मध्यस्थ बताता था। वह अपने मुवक्किलों को गांधीनगर के अपने ऑफिस में बुलाता था, जिसे अदालत की तरह डिजाइन किया गया था।

मॉरिस केस से जुड़ी दलीलें सुनता और ट्रिब्यूनल के अधिकारी के रूप में आदेश पारित करता था। इतना ही नहीं, उसके साथी अदालत के कर्मचारी या वकील के रूप में खड़े होकर यह दिखाते थे कि कार्रवाई असली है। इस तरकीब से आरोपी मॉरिस 11 से ज्यादा मामलों में अपने पक्ष में ऑर्डर पारित कर चुका था।

लारेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने पर 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए का इनाम

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की केंद्र सरकार से एनकाउंडर की मांग

अहमदाबाद,(ईएमएस)। यदि कोई पुलिसकर्मी लॉरेंश बिश्नोई का एनकाउंटर करता है तो उसे एक करोड़ 11 लाख, 11 हजार, एक सौ 11 रुपए का इनाम दिया जाएगा। यह ऐलान क्षत्रिय करणी सेना ने किया है। इन दिनों सुर्खियों में चल रहे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर गोगामेड़ी की हत्या का आरोप लगाते हुए क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह ऐलान किया है।

गुजरात के रहने वाले रणनी सेना अध्यक्ष का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने पर इनाम की घोषणा कर रहे हैं। वह कहते हैं, मुझे सिर्फ इतना पता है कि हमारे धरोहर, परम आदरणीय अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी जी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई ने कराई थी। जो पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा

उसे यह इनाम की राशि करणी सेना द्वारा दी जाएगी। हमें और देशवासियों को भयभीत नहीं, भयमुक्त भारतवर्ष की जरुरत है।

शेखावत ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि क्षत्रिय करणी सेना ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जल्द लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करें। पिछले साल करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। 5 दिसंबर 2023 को राजस्थान के जयपुर में हमलावर उनके घर मुलाकात के बहाने से आए और फायरिंग करके गोगामेड़ी की हत्या कर दी थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। लॉरेंस गैंग के अहम सदस्य गोल्डी बराड़ ने एक टीवी चैनल को बताया था कि गोगामेड़ी उनके कामकाज में टांग अड़ा रहा था। 2-3 बार गोगामेड़ी को चेतावनी दी गई थी, लेकिन नहीं माना तो उसे मारना पड़ा। रोहित राठौड़ और नितिन फौजी नाम के दो शूटर्स ने गोगामेड़ी की हत्या की थी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। अब क्षत्रिय करणी सेना ने लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर की मांग की है। बिश्नोई अभी गुजरात की जेल में बंद है और वहीं से वह बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी मारने की धमकी दे रहा है।

लद्दाख को लेकर वांगचुक का अनशन खत्म, गृह मंत्रालय ने बातचीत के लिए बुलाया

जम्मू,(ईएमएस)। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक का 16 दिनों से चला आ रहा अनशन सोमवार को खत्म कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय से बातचीत का न्यौता मिलने के बाद उन्होंने अनशन खत्म करने का फैसला किया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय तीन दिसंबर को वांगचुक से बातचीत करेंगे। गृह राज्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी की बैठक होगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संयुक्त सचिव ने अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें गृह मंत्रालय का पत्र सौंपा। लद्दाख बुद्धिस्ट संगठन के प्रधान ने कहा कि हम अपने चार सूत्रीय एजेंडा से पीछे नहीं हट रहे हैं। चार सूत्रीय एजेंडा पर ही बातचीत करेंगे। ना तो इसमें कोई मुद्दा शामिल होगा ना बाहर होगा। मांगों में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, संविधान की छठी अनुसूची लागू करने, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और दो लोकसभा की सीटें व एक राज्यसभा की सीट बनाना शामिल है। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, संविधान की छठी अनुसूची लागू करने और कई मांगों को लेकर सोनम वांगचुक ने लद्दाखियों के साथ एक सितंबर से लेह से पदयात्रा शुरू की थी। देश के कई हिस्सों से होते हुए 30 सितंबर को सोनम वांगचुक की यात्रा दिल्ली पहुंची।

ज्ञानवापी से जुड़े सभी मामले इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग

वाराणसी(ईएमएस)। पिछले कई महीनों से ज्ञानवापी मामले की सुनवाई अलग अलग अदालतों में चल रही है। इससे विवाद को सुलझाने में काफी वक्त लग रहा है। चार महिलाओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर वाराणसी की जिला और सिविल जज की अदालतों में लंबित 15 मुकदमों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से गुहार लगाई है कि इन सभी मुकदमों को एकसाथ एक ही अदालत में चलाया जाए, ताकि विवादों का त्वरित समाधान हो सके।

ज्ञानवापी परिसर से जुड़े कुल 15 मुकदमे फिलहाल वाराणसी की निचली अदालतों में लंबित हैं, जिनमें से 9 मामले जिला अदालत में और 6 मामले सिविल जज की अदालत में हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सभी मामलों का एक साथ निपटारा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर किया जाना चाहिए। इस याचिका के चलते ज्ञानवापी विवाद पर नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है, और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस पर क्या फैसला सुनाता है। याचिकाकर्ता महिलाओं की मांग है कि उन्हें ज्ञानवापी परिसर में पूजा और दर्शन का अधिकार मिलना चाहिए, जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में आगे की सुनवाई महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ज्ञानवापी परिसर में दर्शन और पूजा के अधिकार को लेकर कई मुकदमे वाराणसी की अदालतों में लंबित हैं, जिन्हें उच्च अदालत में ट्रांसफर किया जाना चाहिए। याचिका दाखिल करने वाली लक्ष्मी देवी और तीन अन्य महिलाओं का दावा है कि ज्ञानवापी परिसर में स्थित विवादित स्थल भगवान विश्वेश्वर का मूल मंदिर है। इसलिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि वे दर्शन और पूजा के उनके अधिकार को सुनिश्चित करें। वकील विष्णु शंकर जैन के माध्यम से दाखिल की गई इस याचिका में कहा गया है कि सिविल जज और जिला जज की अदालतों में लंबित मुकदमों में कई महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दे शामिल हैं, जिन्हें केवल बड़ी अदालत द्वारा हल किया जाना चाहिए। यह विवाद अक्टूबर 1991 से चला आ रहा है, जब वाराणसी सिविल जज के समक्ष भगवान विश्वेश्वर और पांच अन्य की ओर से एक याचिका दायर की गई थी।

अब इंडिगो-विस्तारा, एआई की 30 फ्लाइट्स में बम की धमकीः8 दिन में 120 से ज्यादा विमानों को धमकियां; सरकार बोली- सख्त कानून लाएंगे

नई दिल्लीः 30 विमानों को एक बार फिर सोमवार देर रात बम से उड़ाने की धमकी मिली है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के मुताबिक इनमें इंडिगो, विस्तारा और एअर इंडिया (एआई) की डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स शामिल हैं। पिछले 8 दिन में 120 से ज्यादा विमानों में बम हमले की धमकी मिल चुकी है। इंडिगो के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को उसकी चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। इनमें मंगलुरु से मुंबई आ रही 6E164 फ्लाइट, अहमदाबाद से जेद्दा जा रही 6E 75 फ्लाइट, हैदराबाद से जेद्दा जा रही 6E67 फ्लाइट और लखनऊ से पुणे आ रही 6E 118 शामिल हैं। विस्तारा और एअर इंडिया के प्रवक्ताओं ने मंगलवार को पुष्टि की कि सोमवार को कुछ उड़ानों को सोशल मीडिया पर सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी। हमने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी

दी और सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया। सिविल एविएशन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि धमकियां भले ही फर्जी हैं, लेकिन हम इन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हम इसके खिलाफ सख्त कानून लाएंगे।

विमानों को धमकी से निपटने के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी

केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा- ऐसी धमकी देने वालों के नाम 'नो फ्लाई लिस्ट' में शामिल किए जा सकते हैं। सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बना रही है। उन्होंने कहा- नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो इस मुद्दे पर लगातार गृह मंत्रालय के संपर्क में है।

धमकियों को लेकर केंद्र सरकार के 4 एक्शन

एयर मार्शल की संख्या दोगुनीः केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या दोगुनी करने का फैसला किया। इसी दिन गृह मंत्रालय ने फर्जी धमकियों को लेकर एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी। सीआईएसएफ, एनआईए और आईबी को भी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

एयरलाइंस के सीईओ के साथ बैठकः ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने 19 अक्टूबर को सभी एयरलाइंस के सीईओ के साथ बैठक की। इसमें झूठी धमकियों से निपटने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही यात्रियों की असुविधा और एयरलाइंस के नुकसान पर भी बात हुई।

डीजीसीए प्रमुख को हटायाः केंद्र ने 19 अक्टूबर को डीजीसीए चीफ विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया। इस बदलाव को धमकी वाले मामलों से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुंबई और कोच्चि से 2 अरेस्टः मुंबई पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। दोनों ने इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी दी थी। वहीं, केरल के कोच्चि एयरपोर्ट पर सोमवार को एक यात्री को बम की धमकी देने के आरोप में हिरासत में लिया गया।

विमान में बम होने की सूचना मिलने पर फ्लाइट को अपने निर्धारित एयरपोर्ट के बजाय नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारा जाता है। इससे ईंधन की खपत तो ज्यादा होती ही है, विमान की दोबारा जांच करने, यात्रियों को होटलों में ठहराने और उन्हें उनके मंजिल तक पहुंचाने के लिए भी व्यवस्था करनी पड़ती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन सब पर करीब 3 करोड़ रुपए तक खर्च होते हैं। इस हफ्ते विस्तारा, एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और अलायंस एयर की 70 से ज्यादा घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को धमकी मिल चुकी है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित कर सकती है न्यायपालिका या सरकार?

संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करते हुए इसकी जिम्मेदारी न्यायपालिका के ऊपर डाली है। इसके तहत विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों से यदि किसी किस्म की कोई छेड़छाड़ करती हैं तो उसकी समीक्षा करने और मौलिक अधिकारों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की होगी। संविधान ने न्यायपालिका को विशेष अधिकार भी दिए हैं। संविधान में अनुच्छेद 14 से 18 में समता का अधिकार अनुच्छेद 19 और 20 में स्वतंत्रता का अधिकार, अनुच्छेद 23 एवं 24 में शोषण के विरुद्ध अधिकार, अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं अनुच्छेद 29 एवं 30 में प्रत्येक नागरिक की संस्कृति और शिक्षा के संबंध में नागरिकों को समान अधिकार दिए गए थे। संविधान ने अनुच्छेद 32 के तहत न्यायपालिका को भी सर्वोच्चता का अधिकार दिया। संविधान के द्वारा प्रदत्त इन मौलिक अधिकारों को बदलने का अधिकार ना तो न्यायपालिका के पास है नाही विधायिका कानून बनाकर बदल सकती है और नाही कार्यपालिका मौलिक अधिकारों के हनन करने के लिए कोई नियम बना सकती है। लगभग 65 वर्षों तक न्यायपालिका ने इस पर विशेष ध्यान दिया। इस दौरान सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी निर्णय लिए गए न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर यदि नागरिकों के मौलिक अधिकारों का कहीं हनन होते हुए दिखा तो न्यायपालिका ने तुरंत सुनवाई करते हुए कार्यवाही भी की है। न्यायपालिका कभी भी सरकार (विधायिका) अथवा कार्यपालिका के पक्ष में खड़ी हुई नहीं दिखी। न्यायपालिका ने हमेशा संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप मामलों की सुनवाई की। दोनों पक्षों को समानता के साथ सुनकर निष्पक्षता के साथ निर्णय दिए। यहां पिछले 10 वर्षों में न्यायपालिका का स्वरूप धीरे-धीरे बदलना शुरू हुआ। विशेष रूप से राम मंदिर विवाद पर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए आस्था के आधार पर राम मंदिर विवाद पर आदेश दिया, लगभग 30 वर्षों से राम मंदिर विवाद के कारण कानून व्यवस्था और राजनीतिक विवाद की स्थिति को देखते हुए सभी पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को स्वीकार किया। 2019 के बाद से लगातार न्यायपालिका ने जिस तरह सरकार के पक्ष में कार्य करना शुरू किया उसके कारण नागरिकों के संवैधानिक मौलिक अधिकार और न्याय व्यवस्था को लेकर लगातार विसंगतियां सामने आने लगीं। हाल ही में गोवा में एक किताब के विमोचन के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायपालिका की भूमिका को लेकर जिस तरह से अपनी बात कही, उससे ऐसा लगता है कि न्यायपालिका ने अपने आप को सरकार का संरक्षक मान लिया है। विधायिका बहुमत के आधार पर जो भी कानून बनाती है न्यायपालिका आंख मूंदकर यह मानकर चलती है कि सरकार ने जो भी काम किया है लोकतांत्रिक सरकार होने के कारण उसे इसका अधिकार है। उन्होंने यह भी कह दिया कि न्यायपालिका संसद में विपक्ष की भूमिका नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि समाज समृद्ध और संपन्न होता है तो अदालत की सोच और भूमिका भी बदल जाती है। शीर्ष न्यायपालिका भविष्य को देखते हुए निर्णय करती है। पिछले वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में एक ही विचारधारा के न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई। सरकार के पक्ष में अधिकांश फैसले आए। सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष को न्यायपालिका से विशेष संरक्षण मिलना शुरू हुआ इससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। न्यायालय में लिफाफा बंद जानकारी सरकार द्वारा देने पर राफेल जैसे मामले में और कई ऐसे अन्य मामले हैं जो नागरिकों की स्वतंत्रता उनके मौलिक अधिकार और सरकार के भ्रष्टाचार से जुड़े होने के बाद भी न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार की खुलेआम मदद की है। दिल्ली सरकार को लेकर जो भी फैसले आए उसमें निर्वाचित सरकार के स्थान पर उप राज्यपाल को चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री के ऊपर बिठा दिया गया।

महाराष्ट्र में असंवैधानिक ढंग से सरकार गिराई गई असंवैधानिक सरकार बनी उसने ढाई साल का कार्यकाल भी पूरा कर लिया लेकिन आज भी इस मामले में कोई फैसला नहीं हुआ। भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का अंतर खत्म हो गया। सरकार ने जिसे चाहा उसे ईड़ी के माध्यम से जेल में बंद किया या ईड़ी के दबाव में दल-बदल कराकर सरकार गिराई और बनाई। जमानत के मामलों में महीनो सुनवाई नहीं की गई। धारा 370 जैसे मामले में कई वर्षों तक याचिका लंबित रखी गई। ऐसे सैकड़ों मामले देखने में आए, जिसमें न्यायपालिका की भूमिका सरकार को कवच देने की तरह थी, जिस तरह से पिछले 5 वर्षों में धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर चुनाव जीतने का खुलेआम प्रयास किया जा रहा है। चुनाव आयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को न मानते हुए सरकार ने एक कानून बनाकर मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की चुनाव आचार संहिता का पालन चुनाव आयोग सरकार से नहीं करा पा रहा है। प्रधानमंत्री को नोटिस देने की शक्ति भी चुनाव आयोग के पास नहीं है। संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें स्वतंत्र रूप से काम करना होता है, जिनकी जिम्मेदारी तय है वह भी सरकार की गोद में बैठ गई हैं। ऐसी स्थिति में पिछले 5 वर्षों में न्यायपालिका के कवच के कारण सरकार और संवैधानिक संस्थाएं मनमाना आचरण कर रही हैं। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण नहीं हो रहा है। उनका शोषण हो रहा है। न्यायपालिका को संविधान में जो जिम्मेदारी दी थी यदि न्यायपालिका उसका पालन नहीं कर रही है तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका भी जनता के प्रति जवाबदेह होती है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है जिस तरह से उन्होंने गोवा में एक तरह से सरकार के समर्थन में अपनी बात कहकर संवैधानिक जिम्मेदारी और जवाब देही से बचने का प्रयास किया है इसकी आमजनता के बीच में कोई अच्छी प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिल रही है। बांग्लादेश में भी न्यायपालिका और सरकार के बीच में जिस तरह का तनाव देखने को मिल रहा है बांग्लादेश में जिस तरह से आम जनता ने न्यायपालिका के न्यायाधीशों के साथ व्यवहार किया है यह किसी से छिपा नहीं है "अति सर्वत्र वर्जयेत्" का फार्मूला न्यायपालिका पर भी लागू होता है। भारतीय संविधान में मिले नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। न्याय सिद्धांत यह भी कहता है कि कमजोर वर्ग को त्वरित रूप से न्याय मिलना चाहिए। राजसी न्याय व्यवस्था और लोकतांत्रिक न्याय व्यवस्था में हमेशा से कमजोर वर्ग को विशेष संरक्षण मिलता रहा है, क्योंकि उसका ही शोषण होता है। जिनके पास ताकत होती हैं वह शोषण करते हैं। न्यायपालिका उसे शोषण से बचाने का काम करती है।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शाCEIIW में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

अब चांदी ही चांदी, मगर किसकी?

> चांदी भी छूई-मुई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी में ये उछाल मध्य पूर्व में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव और आगामी अमेरिकी चुनावों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण देखने को मिल रहा है. केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का अनुमान है कि मार्च 2025 तक चांदी का भाव 1.3 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुँच सकता है। यानि चांदी को महंगा करने में हमारे देश की गठबंधन या बैशाखनंदन सरकार का कोई हाथ नहीं है। कोई भूमिका नहीं है,इसलिए उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी हमारी सरकार कोई जिम्मेदारी अपने ऊपर कभी लेती नहीं।

राकेश अचल

आज कोई पोलटिकल या कम्युनल बात नहीं होगी क्योंकि आज का मुद्दा तेजी से उछल रही चांदी है चांदी को रजत भी कहा जाता है। रजतपट का नाम तो आपने सुना ही होगा। चांदी इतनी तेजी से उछल रही है कि देखने वाले भौंचक हैं। इतना तेज तो हमारे एथलीट भी नहीं उछल पाते चांदी न खाने के काम आती है न आईस्क्रीम बनाने के काम लेकिन चांदी के भाव आसमान छूकर आसमान से भी ऊपर किसी तीसरे-चौथे ग्रह से आगे निकल गए हैं। चांदी आम आदमी की धातु है। आम आदमी से मतलब गरीब-गुरवों की धातु। आदिवासियों की धातु। दवाओं और मिठाइयों को सजाने के लिए वर्क बनाने के काम आने वाली धातु। लेकिन अब इस चांदी को भी बाजार की नजर लग गयी है। चांदी हो या सोना या पीतल हमारे यहां धनतेरस पर खरीदा जाता है। परम्परा है। ज्योतिषी ऐसे योग बता देते हैं कि हैसियत हो या न हो बिना खरीदारी के मन नहीं मानता। अब धनतेरस और दीपावली से पहले जहां सोने की चमक बढ़ती जा रही है, तो वहीं दूसरी कीमती धातु चांदी भी लगातार उछल रही है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने नया मुकाम छू लिया, जी हां, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी मैक्स पर एक किलो चांदी का भाव 1,00,000 रुपये के स्तर को छू गया। चांदी के बढ़ते दाम ही देश की तरक्की का सबसे बड़ा प्रमाण हैं तो हमारा देश बिला शक तरक्की कर रहा है। इतनी तरक्की देश ने पहले कभी नहीं की। अब नहीं की तो नहीं की । हमें हकीकत को तस्लीम करना ही चाहिए। हम कोई विपक्ष तो हैं नहीं जो इस तरक्की को ख़ारिज कर दें ! हमें हकीकत का समाना करना आता है। हमें पता है कि हमारी हैसियत अपने परिवार की महिलाओं के लिए सोने के आभूषण खरीदने की भी नहीं है लेकिन अब हम शायद चांदी के आभूषण भी खरीदने लायक नहीं रहे। ये बात और है कि आजकल मोटे-ताजे अखबारों में चांदी के आभूषणों का कोई विज्ञापन नहीं छपता। केवल स्वर्ण और हीरे के आभूषणों के विज्ञापन आते हैं।

छात्र जीवन में हमने एक बार चांदी पर निबंध लिखा था । उस निबंध की कुछ पंक्तियाँ हमें आज भी याद हैं। जैसे कि - चांदी सफ़ेद चमकदार धातु है।चांदी ऊष्मा व विद्युत की सबसे अच्छी सुचालक है।चांदी का परमाणु भार 107.88, विशिष्ट घनत्व 10.55 से 9.87 तक, विशिष्ट ऊष्मा लगभग 0.56 तथा रेखीय प्रसारगुणक 1° से 100° सें. के बीच 0.0000194 है। दुनिया का तो पता नहीं किन्तु हमारे देश में चांदी का उपयोग सिक्के व आभूषण बर्तन बनाने के अलावा , फोटोग्राफी में काम आने वाले सिल्वर ब्रोमाइड बनाने में किया जाता है।चांदी के द्वारा अमलगम बना कर इससे दर्पण बनाये जाते हैं व दाँतों में भरने के काम आता है।चांदी से बनी मिश्रधातुयें अत्यधिक उपयोगी होती हैं। आयुर्वेद वाले स्वर्ण भस्म की तरह चांदी की रजत भस्म बनाकर रोगियों कि तमाम रोग भस्म करने का दावा करते है। लेकिन अब चांदी इतनी महंगी हो गयी है की आप न इसे दांत में भर सकते हैं और न शहद लगाकर चाट सकते हैं । मिठाइयों पार इसके वर्क लगाने का तो ख्वाब भी मत देखिये। चांदी के अक्षरों से कोई इतिहास भी तो नहीं लिखा जाता। एक लाख प्रति किलो तक आ पहुंची चांदी हमारे जीवन में ही नहीं बल्कि हमारे साहित्य और कहावतों में भी ससम्मान मौजूद है । हम अक्सर कहते हैं कि - फलां साहब की तो चांदी ही चांदी है। या फलां साहब तो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए है। ये साहब या फिर फलां साहब तो आजकल चांदी काट रहे है। कभी किसी ने नहीं कहा की फलां साहब का तो सोना ही सोना है या फलां साहब आजकल सोना काट रहे हैं। ये चांदी का वैभव है कि वो लोक जीवन में सोने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाज में चांदी की सिल्ली रखी जाती है लेकिन सोना बिस्किट से ज्यादा बड़ा नहीं हो पाया। भले ही किलो कि दाम सोने कि चांदी से ज्यादा हों,लेकिन किलो कि हिसाब से लोग सोना नहीं चांदी खरीदते है। चांदी आखिर सुरक्षित निवेश का भी तो माध्यम है।

भारत हालांकि कृषि प्रधान देश है लेकिन यहां चांदी की खपत बहुत ज्यादा है। भारत अपनी जरूरत की चांदी पैदा नहीं कर पाता तो उसे विदेशों से चांदी मंगाना पड़ती है। आखिर जनता का ख्याल तो रखना ही पड़ता है ! भारत में इसका बहुत कम उत्पादन होता है। भारत अक्सर बेल्जियम, ब्रिटेन, इटली, पश्चिमी जर्मनी आदि देशों से चांदी का आयात करता हैं। भारत में चांदी - राजस्थान में जावर माइन्स, कर्नाटक में चित्रदुर्ग तथा बेलारी ज़िले, आन्ध्र प्रदेश में कडपा, गुंटूर तथा कुरनूल ज़िले, झारखण्ड में संथाल परगना तथा उत्तराखण्ड में अल्मोड़ा में मिल जाती है। पहले इसका उत्खनन तमिलनाडु के अन्नतपुर में भी किया जाता था जो अब समाप्त हो गया है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1999-2000 के दौरान देश में कुल 53641 किग्रा. चांदी का उत्पादन हुआ था। चांदी भी छूई-मुई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी में ये उछाल मध्य पूर्व में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव और आगामी अमेरिकी चुनावों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण देखने को मिल रहा है. केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का अनुमान है कि मार्च 2025 तक चांदी का भाव 1.3 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुँच सकता है। यानि चांदी को महंगा करने में हमारे देश की गठबंधन या बैशाखनंदन सरकार का कोई हाथ नहीं है। कोई भूमिका नहीं है,इसलिए उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी हमारी सरकार कोई जिम्मेदारी अपने ऊपर कभी लेती नहीं। उसे राम पर भरोसा है और जनता को भी। हमारी सरकार देश की जनता के, लिए कोई दूसरी जरूरी चीज का आयात करे या न करे लेकिन चांदी का आयात जरूर करती है । सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत ने जनवरी से अप्रैल के दौरान रिकॉर्ड 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात किया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि आयात से 455 टन से अधिक है। ये हमारी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि जरूर है। पिछले बजट में ही हमारी सरकार ने इसीलिए चांदी कि आयात पर शुल्क बढ़ा दिया ।

अंगिका साहित्य को समृद्ध करने में सार्थक सिद्ध होगा अंगिका रामचरित मानस

> ऐसा कहा जाता था कि श्रृंगी ऋषि जहां जाते थे वहां बारिश होती थी इसलिए अंग देश के राजा ने श्रृंगी ऋषि को अंगदेश आने का निमंत्रण दिया।वहीं, श्रृंगी ऋषि राजकुमारी शांता की तरफ आकर्षित हुए और उनसे विवाह कर अंग देश में ही रहने लगे। अयोध्या नरेश राजा दशरथ चाहते थे कि उनका रघुकुल वंश आगे बढ़े. लेकिन उन्हें संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी. उन्होंने पुत्रकामेष्ठि यज्ञ के लिए अंग प्रदेश ऋषि श्रृंगी को निमंत्रण भेजा। ऋषि श्रृंगी ने अपनी पत्नी एवं अंग देश की राजकुमारी शांता के साथ यज्ञ में शामिल होने की इच्छा प्रकट की।इसके बाद ऋषि श्रृंगी एवं राजकुमारी शांता भी राजा दशरथ द्वारा किए गए पुत्रकामेष्ठि यज्ञ में शामिल हुए।

कुमार कृष्णन

तुलसीदास भक्तिकाल की राम काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है। तुलसी ने रामचरितमानस के ज़रिए भगवान राम की भक्ति को घर-घर तक पहुँचाया।तुलसीदास भक्तिकाल की राम काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है। तुलसी ने रामचरितमानस के ज़रिए भगवान राम की भक्ति को घर-घर तक पहुँचाया।हिन्दुओं के सबसे बड़े धार्मिक ग्रंथों में एक रामचरितमानस का कई मुसलमान शासकों ने उर्दू-फारसी में अनुवाद करवाया है। राम वो नाम है जो हिन्दी, संस्कृत और उर्दू का भी भेद मिटा देते हैं।उर्दू, फारसी के अलावा कई भाषाओं रामचरित मानस का अनुवाद किया गया। गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस का अनुवाद अफ्रीकेंस, असमिया, अवधी, भोजपुरी, गोंयची कोंकणी, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, मराठी, नेपाली,मुंडारी, संथाली, भीली भाषा के बाद अंगिका में किया गया है।

मुंडारी भाषा में इसका अनुवाद मझिया मुंडा (अब स्वर्गीय) ने किया है। अनुवाद में छत्रपाल सिंह मुंडा ने उनका सहयोग किया। मझिया मुंडा ने पुस्तक में लिखा है कि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से प्रेरणा पाकर उन्होंने रामचरितमानस का मुंडारी भाषा में अनुवाद का बीड़ा उठाया था। उन्होंने अनुवाद की शुरुआत मार्च 1974 में की थी. एक साल बाद इसे पूरा किया। इस पुस्तक का प्रथम संस्करण 1988 में आया था। पुस्तक का संपादन साहित्यकार श्रवण कुमार गोस्वामी और दुलायचंद्र मुंडा (दोनों स्वर्गीय) ने किया है। इस पुस्तक का प्रकाशक स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती देश धर्म सेवा संस्थान कोलकाता है।पुस्तक में मूल्य की जगह लिखा हुआ है- वनवासी भाईयों की सेवा। अर्थात यह पुस्तक निःशुल्क वितरण के लिए प्रकाशित की गयी थी।भानुशंकर गेहलोत ने वर्ष 2009 में भीली भाषा में रामायण लिखी थी। आदिवासी लोक कला परिषद भोपाल ने श्रीरामचरित मानस का भीली भावार्थ के साथ प्रकाशन किया गया था। हालांकि गेहलोत अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्होंने 7 वर्ष के अथक परिश्रम के बाद श्री रामचरित मानस के हिंदी भावार्थ का भीली बोली में अनुवाद किया। यह इसलिए प्रासंगिक है कि इसके श्रवण करने से जनजातीय समुदाय को श्रीरामजी के चरित्र को भलीभांति समझने में मदद मिल सके। जनजातीय समुदाय के आराध्य देव प्रभु श्रीराम की लीलाओं को जानने के लिए उनका अभिनव प्रयास रहा।

इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में अब अंगिका भाषा में भी रामचरित मानस उपलब्ध है। अंगिका बिहार-झारखंड के कई जिलों की भाषा है। इस भाषा में पहली बार रामचरितमानस का लेखन किया गया है। सनातन-धर्म के स्तंम्भ,विश्वब्यापी विशाल ग्रंथ गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरित मानस को आधार स्वरूप मानकर अनुवाद और ब्याख्या के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह "अंगिका रामचरित मानस" भारतीय संस्कृति, आचार-विचार, सभ्यता का एक सुंदर धरोहर है । गोस्वामी तुलसीदास कृत "रामचरित मानस" का यह अनुवाद है, भक्ति ज्ञान और कर्म का समन्वय है । साथ ही इसमें रचयिता ने कुमारी रुपा ने अपने ब्यक्तिगत विचार भी प्रस्तुत किये हैं— ढोल, गंवार, शूद्र पशु, नारी " जैसे कुछ विवादित विषय का बिल्कुल सही सटीक अर्थ भी प्रस्तुत किया है । यह मानस जन-मानस को धर्म और सांसारिक-कर्म से जोड़ने की अद्भुत कड़ी है । यह सहज जीवन से लेकर कठिन त्याग का अपूर्व संगम है। इसके अंतर्गत तुलसीदासजी के विचारों को अंगिका भाषा में प्रस्तुत करते हुए, उनके सारे आयामों को यथावत रखते हुए ,पाठ की लयबद्धता, पाठ के दौरान के विश्राम, सबको यथावत रखा गया है। रचयिता का अंगिका साहित्य में यह विशाल ग्रंथ तुलसीदास के मानस के आधार पर हू-ब-हू प्रस्तुत करने का प्रथम प्रयास है ,जो निश्चय ही अंगिका साहित्य को भी समृद्ध बनाने में पुर्ण सक्षम होगा । यह हर घर, जन-जन के लिए वंदनीय है,पूजनीय है, ग्राह्य है।

लेखिका कुमारी रूपा के अनुसार रामायण भक्ति प्रेम आदर त्याग और उदारता का ग्रंथ है। उनकी मां ने बचपन में ही इस रामायण का बीज उनके अंदर बोया था; जो उर्वर हुआ गोरई की पवित्र धरती पर। उनके श्वसुरजी जमीन बेच कर रामायण पाठ कराते थे। उनके पति जीवन भर, मंगलवार को पाँच लड्डू भोग लगाकर सुंदर कांड का पाठ करने के बाद ही मुंह मे अन्न रखते थे । वही सब आज मेरे 'अंगिका रामायण' के रूप में फलित हुआ है। अंगिका बिहार के भागलपुर, बांका, मुंगेर और आस-पास के जिलों की भाषा है। साथ ही झारखंड के कुछ भागों में भी अंगिका बोली जाती है। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में अंगिका की पढ़ाई स्नातकोत्तर स्नातकोत्तर स्तर पर होती है। धर्म ग्रंथों के अनुसार, राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या और अंग देश के राजा रोम पद की पत्नी रानी वर्षिणी दोनों सगी बहनें थीं। श्री राम के जन्म से पहले कौशल्या ने एक पुत्री को जन्म दिया था, जिसे रानी कौशल्या ने अपनी बहन वर्षिणी को सौंप दिया।इस पुत्री का नाम शांता था, जो अंग देश की राजकुमारी बनीं। कहा जाता है कि कौशल्या ने अपनी बहन को वचन दिया था कि वो अपनी पहली संतान को उन्हें सौंप देंगी क्योंकि उनकी बहन वर्षिणी निसंतान थीं। इसके बाद जैसे ही शांता हुईं।राजा दशरथ ने अपने दिए वचन के अनुसार उन्हें अंग देश के राजा रोमपद को सौंप दिया। शांता का पालन पोषण अंग देश के राजा रोमपद के यहां ही हो रहा था। इस दौरान अंग देश में अकाल पड़ गया।

जिस समय अंग देश में अकाल पड़ा, उस दौरान राजा रोमपद ने श्रृंगी ऋषि को अपने यहां आने का निमंत्रण दिया। ऐसा कहा जाता था कि श्रृंगी ऋषि जहां जाते थे. वहां बारिश होती थी इसलिए अंग देश के राजा ने श्रृंगी ऋषि को अंगदेश आने का निमंत्रण दिया।वहीं, श्रृंगी ऋषि राजकुमारी शांता की तरफ आकर्षित हुए और उनसे विवाह कर अंग देश में ही रहने लगे। अयोध्या नरेश राजा दशरथ चाहते थे कि उनका रघुकुल वंश आगे बढ़े. लेकिन उन्हें संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी. उन्होंने पुत्रकामेष्ठि यज्ञ के लिए अंग प्रदेश ऋषि श्रृंगी को निमंत्रण भेजा।ऋषि श्रृंगी ने अपनी पत्नी एवं अंग देश की राजकुमारी शांता के साथ यज्ञ में शामिल होने की इच्छा प्रकट की।इसके बाद ऋषि श्रृंगी एवं राजकुमारी शांता भी राजा दशरथ द्वारा किए गए पुत्रकामेष्ठि यज्ञ में शामिल हुए। इस यज्ञ के बाद अयोध्या में राम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न का जन्म हुआ।अंगिका रामचरितमानस की लेखिका कुमारी रूपा के अनुसार इसके लेखन की शुरुआत एक मजाक से हुई थी। लेकिन भगवान श्रीराम की कृपा से आज यह महाकाव्य अपने पूर्ण रूप में आ चुका है। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले अंगिका भाषी समाज के बीच उन्होंने अंगिका में एक संदेश लिखा था।जिसकी लोगों ने खूब सराहना की थी। इसी दौरान मजाक-मजाक में यह बात हुई कि एक संदेश तो क्या मैं अंगिका में रामायण लिख सकती हूं।

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

ललित गर्ग

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां ! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है।

बहेड़ा एक अनोखी औषधी

बहेड़ा का तेल बालों को काला करने के लिए उपयोगी माना जाता है। आग से जलने के कारण हुए घाव पर भी बहेड़ा का तेल लाभकारी है। बहेड़ा वात, पित्त और कफ तीनों दोषों को दूर करता है, लेकिन इसका मुख्य प्रयोग कफ-प्रधान विकारों में होता है। यह आँखों के लिए हितकारी, बालों के लिए पोषक होता है।

बहेड़ा असमय बाल पकने, गला बैठने, नाक सम्बन्धी रोग, रक्त विकार, कंठ रोग तथा हृदय रोगों में फायदेमंद होता है। बहेड़ा कीड़ों को मारने वाली औषधि है। बहेड़े के फल की मींगी मोतियाबिन्द को दूर करती है। इसकी छाल खून की कमी, पीलिया और सफेद कुष्ठ में लाभदायक है। इसके बीज कड़वे, नशा लाने वाले, अत्यधिक प्यास, उल्टी, तथा दमा रोग का नाश करने वाले हैं। बहेड़ा, त्रिफला का एक अंग है। वसंत ऋतु में बहेड़ा के पेड़ से पत्ते झड़ जाने के बाद इस पर ताम्बे के रंग के नई टहनी या शाखा निकलते हैं। गर्मी के मौसम के आगमन तक इसी टहनी या शाका के साथ फूल खिलते हैं। वसंत के पहले तक इसके फल पक जाते हैं। बहेड़ा के फलों का छिलका कफनाशक होता है। यह कंठ और सांस की नली से जुड़ी बीमारी पर बहुत असर करती है। इसके बीजों की गिरी दर्द और सूजन ख़त्म करती है।

बहेड़ा, आंवला, हरीतकी यह सब कफनाशक, योनिदोषनाशक, दूध को शुद्ध करने वाले और पाचक हैं। बहेड़ा विरेचक भी होता है। यह आमाशय को शक्ति देता है। आमाशय को ताकत देने वाली कोई भी दूसरी औषधि इससे बढ़कर नहीं है। इसका आधा पका फल रेशेदार और पाचक होता है। बहेड़ा बालों के लिए लाभकारी तथा मज्जा मदकारी होती है।

बहेड़ा के फायदे : बालों की बीमारी का इलाज

बहेड़ा फल की मींगी का तेल बालों के लिए अत्यन्त पौष्टिक है। इससे बाल स्वस्थ हो जाते हैं।

आँखों के रोग में

- बहेड़ा और शक्कर के बराबर मात्रा में मिश्रण का सेवन आँखों की ज्योति को बढ़ाता है।
- तिल का तेल, बहेड़ा का तैल, भांगरा का रस तथा विजयसार का काढ़ा लें। इनको लोहे के बर्तन में तेल में पकाएं। इसका रोज प्रयोग करने से आंखों की रोशनी तेज होती है।
- बहेड़ा की छाल को पीसकर मधु के साथ मिलाकर लेप करने से आँख के दर्द का नाश होता है।
- बहेडे की मींगी के चूर्ण को मधु के साथ मिलाकर काजल की तरह लगाने से आँख के दर्द तथा सूजन आदि में लाभ होता है।
- इसके बीज के मज्जा के चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर महीन पेस्ट बना लें। इसे रोज सुबह काजल की तरह लगाने से आँख का रोग नष्ट होता है।

दमा में

- बहेड़ा और हरड़ की छाल को बराबर-बराबर मात्रा में लेकर चूर्ण बना लें। इसे 4 ग्राम की मात्रा में सेवन करने से दमा और खांसी में लाभ होता है।
- बहेड़ा के बीज रहित फल के 3 से 6 ग्राम छिलके (जिन्हें पुटपाक करके निकाला है) को मुंह में रखकर चूसने से खांसी एवं दमा रोग में लाभ होता है।
- बहेड़ के फल की छाल के चूर्ण (10 ग्राम) में अधिक मात्रा में मधु मिला लें। इसे चाटने से दमा की गंभीर बीमारी तथा हिचकी में भी शीघ्र लाभ होता है।

गुर्दे की पथरी में

- बहेड़ा के फल के मज्जा के 3-4 ग्राम चूर्ण में मधु मिला लें। इसे सुबह-शाम चाटने से गुर्दे की पथरी की बीमारी में लाभ होता है।

खाँसी में

- बहेड़ा के छिलके को चूसने से खांसी में लाभ होता है।
- बकरी के दूध में अडूसा, काला नमक और बहेड़ा डालकर पकाकर खाने से हर प्रकार की खांसी में लाभ होता है।
- बहेड़ा के 10 ग्राम चूर्ण में शहद मिला लें। इसे सुबह और शाम भोजन के बाद चाटने से सूखी खाँसी तथा पुराने दमा रोग में बहुत लाभ होता है।
- बहेड़ा फल में घी चुपड़ लें। इसके ऊपर आटे का एक अंगुल मोटा लेप लगाकर पका लें। त्वचा के ताप के बराबर ठंडा होने पर इसके ऊपर का आटा निकाल लें। इसके बाद बहेड़ा के छिलके को चूसें। इससे खांसी, जुकाम, दमा तथा गला बैठने की समस्या में लाभ होता है।
- बहेड़ा के एक फल को घी में डुबाकर, घास से लपेटें। इसे गाय के गोबर में बंद करके आग में पका लें। इसे बीजरहित कर मुंह में रख कर चूसें। इससे खांसी, जुकाम, दमा तथा गला बैठने जैसे रोगों का नाश होता है।

हृदय रोग में

बहेड़ा के फल के चूर्ण तथा अश्वगंधा चूर्ण को समान मात्रा में मिला लें। इसे 5 ग्राम की मात्रा में लेकर गुड़ मिलाकर गर्म पानी के साथ सेवन करने से हृदय रोग में लाभ होता है।

दस्त को रोकता है

- बहेड़ा फल के 3-6 ग्राम चूर्ण को खाने के बाद सेवन करने से पाचनशक्ति ठीक होती है।
- बहेड़ा के पेड़ की 2-5 ग्राम छाल और 1-2 नग लौंग को पीसकर 1 चम्मच शहद में मिला लें। इसे दिन में 3-4 बार चटाने से दस्त में लाभ होता है।
- बहेड़ा के 2-3 भुने हुए फल का सेवन करने से दस्त की गंभीर बीमारी भी ठीक हो जाती है।

पेशाब में जलन में

- बहेड़ा के फल के मज्जा के 3-4 ग्राम चूर्ण में मधु मिला लें। इसे सुबह-शाम चाटने से पेशाब में जलन की समस्या में लाभ होता है।

डायबिटीज में

बहेड़ा, रोहिणी, कुटज, कैथ, सर्ज, सप्तपर्ण तथा कबीला के फूलों का चूर्ण बना लें। इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 1 चम्मच मधु के साथ मिलाकर सेवन करें। इससे पित्त विकार के कारण हुए डायबिटीज में लाभ होता है।

नपुंसकता का उपचार

3 ग्राम बहेड़ा के चूर्ण में 6 ग्राम गुड़ मिला लें। इसे रोज सुबह-शाम सेवन करने से नपुंसकता मिटती है और काम भावना बढ़ती है।

त्वचा रोग में

बहेड़ा फल की मींगी का तेल खाज, खुजली आदि त्वचा रोग में लाभकारी है तथा जलन कम करने वाला है। इसकी मालिश से खुजली और जलन की परेशानी ठीक हो जाती है।

बुखार उतारने के लिए करें

बहेड़ा और जवासे के 40-60 मिली काढ़े में 1 चम्मच घी मिला लें। इसे दिन में तीन बार पीने से पित्त और कफ विकार से हुए बुखार में लाभ होता है। बहेड़ा के मज्जा को पीसकर शरीर पर लेप करने से पित्तज बुखार से होने वाली जलन कम होती है।

सूजन को कम करता

- बहेड़ा के बीजों को पीस कर लेप करने से सभी प्रकार की सूजन, जलन और दर्द का नाश होता है।
- बहेड़ा की मींगी का लेप करने से पित्त विकार के कारण आयी सूजन का ठीक होती है।

नेत्र रोग में

नेत्र रोग में बहेड़ा का प्रयोग फायदेमंद होता है क्योंकि आयुर्वेद के अनुसार बहेड़ा में चक्षुष्य गुण पाया जाता है जिससे बहेड़ा नेत्र संबंधी रोग में लाभ पहुंचाता है।

श्वास रोग में

श्वास की समस्या अधिकतर कफ दोष के बढ़ने की वजह से होती है जिसमें श्वसन नली में बलगम इकठ्ठा होना शुरू हो जाता है। बहेड़ा में कफ शामक गुण पाया जाता है साथ ही इसके उष्ण होने के कारण यह बलगम को पिघला कर आराम देने में सहयोगी होता है।

हर बच्चे को सुलाने का तरीका अलग-अलग होता है

बच्चों को सुलाना आसान नहीं होता क्योंकि जरा सी भी आवाज से उनकी नींद टूट जाती है पर साथ में सुलाकर आप उसे आत्मनिर्भर बनने से रोकती हैं, इसलिए उनको अलग सुलाएं। रही बात उम्र की, तो इस पर सबके अपने-अपने विचार हो सकते हैं। कुछ लोग 3-4 साल की उम्र के बाद से ही बच्चे को अलग सुलाने की बात कहते हैं, तो वहीं कुछ लोग इसकी सही उम्र 6-7 साल मानते हैं। इस सबके बीच आपको सबसे पहले बच्चों की सोने से जुड़ी आदतों को समझना होगा। बिना इन आदतों को समझे बच्चे को अलग सुलाना कठिन होता है। ऐसे में ये जरूरी है कि आप उनकी नींद को ठीक से समझें और इसको समझ कर ही उनको अलग सुलाने की योजना बनाएं।

हर बच्चे का तरीका अलग

हर बच्चे को सुलाने का तरीका अलग-अलग हो सकता है। इसलिए जब भी आप बच्चे को अलग सुलाने की सोचें, तो इस बात पर तवज्जो दें कि वह कैसे सोता है। हर बच्चा अपने-आप में अलग होता है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को पहले समझें और अपना नया तरीका आजमाएं।

कमरा हो बच्चे की पसंद का

सोने का वातावरण भी अनुकूल होना जरूरी है। जब आप बच्चे को अलग सुलाने के बारे में सोचें, तो सबसे पहले उसके कमरे पर ध्यान दें। उसके कमरे का इंटीरियर, परदे का रंग, उसकी बेडशीट, सब कुछ उसकी पसंद के हिसाब से होने चाहिए, तभी बच्चा उस कमरे से जुड़ाव महसूस करेगा। बच्चे को जो भी चीजें पसंद हों, वह उसके कमरे में सजाएं। कुल मिलाकर बच्चे को यह एहसास हो कि यह उसका अपना कमरा है, जो उसके लिए सजाया गया है। बच्चे के कमरे में शांति भी जरूरी है। यहां शांति का मतलब यह बिल्कुल नहीं कि घर में कोई आवाज न हो। बच्चों को आम आवाजों के बीच सोने में कोई परेशानी नहीं होती। बस ख्याल यह रखें कि कमरे में कोई आर्टिफिशियल आवाज न आए, जैसे टीवी की या म्यूजिक सिस्टम की। इससे उनकी नींद में बाधा आती है।

कपड़े हों आरामदायक

बच्चों को हमेशा आरामदायक कपड़े पहना कर सुलाना चाहिए। कई बार बच्चे समझ नहीं पाते हैं कि उनको नींद क्यों नहीं आ रही है। पर इसका कारण उनके असहज कपड़े भी हो सकते हैं। हो सकता है कि उनके कपड़े कुछ टाइट हों या फिर उनको उन कपड़ों में ज्यादा गर्मी लग रही हो।

इन बातों का भी रखें ध्यान

बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी। सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी। सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।

बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके। धीमा संगीत और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं। जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं। आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

फाइन आर्ट के जरिए अपनी कला को दें ऊंची उड़ान

फाइन आर्ट में आजकल काफी प्रयोग देखने को मिल रहे हैं, जिसका सकारात्मक फायदा इस क्षेत्र में कदम रखने वाले लोगों को मिल रहा है। यही कारण है कि इसमें रोजगार की संभावना सदैव बनी रहती है। पाठ्यक्रम के पश्चात कई तरह के विकल्प जैसे पत्र-पत्रिकाओं व विज्ञापन एजेंसियों में विजुअलाइजर, स्कूल-कॉलेज में आर्ट टीचर, बोर्ड डायरेक्टर आदि सामने आते हैं।

अगर आप कल्पना शील और क्रिएटिव होने के साथ साथ परिश्रमी भी हैं तो फाइन आर्ट यानि कला का क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन कैरियर विकल्प बन सकता है। तकनीक के इस दौर में भी कला का क्षेत्र तेज से विकसित हो रहा है। फाइन आर्ट एक बेहतरीन करियर फील्ड है। इसमें सफलता के लिए होना भी जरूरी है। अच्छी पेंटिंग्स लाखों-करोड़ों में बिक रही हैं तथा कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। इस तरह अच्छे कलाकार को पैसे तो मिलते ही हैं, साथ ही लोकप्रियता भी मिलती है। आजकल कई आर्ट एग्जिबिशन एवं गैलरी खुल गयीं हैं जहां अपनी कला को पेश कर सकते हैं।

कौन आ सकता है इस क्षेत्र में

यह क्षेत्र ऐसा है, जो परिश्रम एवं समय मांगता है। अचानक कोई अचानक ही अच्छा कलाकार नहीं बन सकता। इसमें यह देखा जाता है कि छात्र अपनी भावनाओं एवं कल्पनाओं को किस हद तक कैनवस एवं कागज पर उकेर पा रहा है। इसके लिए कल्पनाशील व अपनी सोच से कुछ नया गढ़ने का गुण होना आवश्यक है। इसमें महारथ हासिल करने के लिए क्रिएटिव माइंड होना चाहिए, ताकि आप अपने आर्ट में वह रंग भर दें कि लोगों को वह आकर्षित कर सके।

बारहवीं के बाद ले सकते हैं प्रवेश

फाइन आर्ट से संबंधित कई तरह के पाठ्यक्रम मौजूद हैं। इसके लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं तय की गई है। कुछ संस्थान 10वीं के बाद ही कई तरह के डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं, पर वह अधिक कारगर नहीं होते। बारहवीं के बाद जब छात्र के अंदर कला को समझने का कौशल विकसित हो जाता है तो उसे इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट (बीएफए) में एडमिशन 12वीं के पश्चात मिलता है। यह चार वर्ष का पाठ्यक्रम होता है। बैचलर कोर्स में प्रवेश परीक्षा के बाद दाखिला मिलता है। कई संस्थान मेरिट के आधार पर दाखिला देते हैं। बीएफए के बाद मास्टर डिग्री के रूप में 2 वर्षीय मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) किया जाता है। यदि मास्टर कोर्स में 50 प्रतिशत अंक हैं तो पीएचडी का रास्ता भी खुल जाता है।

काफी बड़ा है क्षेत्र

फाइन आर्ट में आजकल काफी प्रयोग देखने को मिल रहे हैं, जिसका सकारात्मक फायदा इस क्षेत्र में कदम रखने वाले लोगों को मिल रहा है। यही कारण है कि इसमें रोजगार की संभावना सदैव बनी रहती है। पाठ्यक्रम के पश्चात कई तरह के विकल्प जैसे पत्र-पत्रिकाओं व विज्ञापन एजेंसियों में विजुअलाइजर, स्कूल-कॉलेज में आर्ट टीचर, बोर्ड डायरेक्टर आदि सामने आते हैं।

कमाई

कमाई का सारा दारोमदार अनुभव एवं कलाकृति की अपील पर टिका होता है। वहीं यदि छात्र नौकरी करना चाहते हैं तो उनके लिए कई विकल्प हैं, जहां उन्हें 10-15 हजार की नौकरी मिल जाती है जबकि अनुभवी लोग अपने कारोबार के बल पर अच्छी खासी रकम वसूल रहे हैं। इसके लिए एक लंबे अनुभव एवं बाजार की जरूरत पड़ती है। जैसे-जैसे भारत में आर्ट एग्जिबिशन एवं कला से संबंधित अन्य गैलरी का चलन बढ़ रहा है, वैसे ही कमाई, खासकर खुद का रोजगार करने वाले एवं फ्रीलांसरों की कमाई बढ़ती जा रही है।

इन पदों पर कर सकते हैं काम

- विजुअलाइजिंग प्रोफेशनल
- इलस्ट्रेटर
- आर्ट क्रिटिक
- आर्टिस्ट
- आर्ट प्रोफेशनल्स
- डिजाइन ट्रेनर

यहां हैं अवसर

- एनिमेशन इंडस्ट्री 'विज्ञापन कंपनी
- आर्ट स्टूडियो
- फैशन हाउस
- पत्र-पत्रिकाएं
- स्कल्पचर
- पब्लिशिंग इंडस्ट्री, • ग्राफिक आर्ट

पाठ्यक्रम वाले प्रमुख संस्थान

- कॉलेज ऑफ आर्ट (दिल्ली विश्वविद्यालय), नई दिल्ली
- डिपार्टमेंट ऑफ फाइन आर्ट (जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि), नई दिल्ली
- फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट (बीएचयू), वाराणसी
- राजस्थान विश्वविद्यालय (डिपार्टमेंट ऑफ फाइन आर्ट), राजस्थान
- सर जेजे इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट्स, मुंबई

ईरान के खात्में के लिए इजराइल का प्लान तैयार

हिज़बुल्लाह और इज़राइली सेना के बीच चल रही शत्रुता के बीच, इज़राइली हमले के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में धुआँ और लपटें सोमवार को लेबनान के बाबदा से भी उठती दिखीं ।

बहुत जल्द होगा काउंटर अटैक

यरुशलम,(ईएमएस)। इजराइल ने ईरान को जवाब देने का प्लान तैयार कर लिया है और जल्द ही हमला करने की तैयारी में है। इसकी पुष्टि करते हुए इजराइली अधिकारियों ने कहा है कि बहुत जल्द ईरान पर काउंटर अटैक किया जाएगा।

इजराइल -हमास युद्ध के बीच ईरान की एंट्री ने जंग को नया रूप दे दिया है। हाल ही में इजराइल ने हमास चीफ याह्या सिनवार को रास्ते से अलग किया है। वहीँ अब सोमवार को इजराइल की सरकार ने बताया कि इजराइल जल्द ही ईरान के खिलाफ काउंटर अटैक करेगा। इस को लेकर नेतन्याहू की सरकार ने पुख्ता इंतज़ाम भी कर लिए है। यह जानकारी इजराइल की राष्ट्रीय मीडिया की और से जारी की गई है। बता दें कि ईरान ने तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह और बेरुत में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजरायल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। इसके बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान पर हमले को लेकर तैयारी तेज़ कर चुके है. इसी के साथ यह उम्मीद की जा रही है की अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से पहले इजराइल ईरान पर जवाबी हमला कर सकता है।

अमेरिका इस पूरे मामले में परोक्ष रूप से फलीस्तीनी समूह को सपोर्ट कर रहा है। वही इजराइल रूस के सगे सम्बन्धी की भूमिका में बैठा है। बहरहाल इजराइल जहां ईरान पर हमले को लेकर तैयारियां तेज़ कर रहा है। वहीं बीते दिनों प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर हुए हमले ने इस मुद्दे को और भड़का दिया है, जिसे लेकर अब इजराइल जल्द ही ईरान पर हमला बोल सकता है।

यह जानकारी सोमवार को मीटिंग के कई घंटों बाद तब सामने आई जब अमेरिकी लॉयड ऑस्टिन ने अमेरिकी अग्रिम पंक्ति के एयर डिफेंस सिस्टम थाड को इजरायल में डिप्लॉय करने की घोषणा की। इस टर्मिनल हाई एयर डिफेंस (थाड) सिस्टम के साथ अतिरिक्त 100 सैनिकों की तैनाती भी की गई है, जो इसका संचालन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने ईरान के परमाणु ठिकानों और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए, मध्य पूर्व क्षेत्र में संघर्ष को बढ़ाने से बचने के लिए इजरायल से संयम बरतने का आग्रह भी किया था।

हालाँकि वर्तमान समय में ईरान हमले को लेकर इजराइल दो गुटों में बंटा हुआ है, जिसमे एक गुट मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और दूसरा गुट पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट का है। कुछ नेता मानते हैं कि इजराइल को ईरान की न्यूक्लियर साइटों पर हमला करना चाहिए। वहीं नेतन्याहू संयम बरतने की बात कह रहे हैं। पूर्व पीएम नफ्ताली बेनेट समेत कई अन्य नेता कह रहे हैं कि ईरान की परमाणु फैसिलिटी पर हमला करके इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।

हिजबुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों का इजरायल ने किया खुलासा

इजरायली सेना, आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों पर एक बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार लेबनान के अल साहेल अस्पताल के नीचे हिजबुल्लाह का एक बंकर है, जिसमें 50 करोड़ डॉलर से अधिक का सोना और नकद रखा गया है। इस बंकर को हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह का ठिकाना माना जा रहा है। आईडीएफ ने दावा किया है कि यह सीक्रेट बंकर दक्षिण बेरूत में स्थित है और यहाँ अरबों के सोने और नकद का भंडार है। भारतीय मुद्रा में इस खजाने की कीमत लगभग 4194 करोड़ रुपए है। आईडीएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली वायु सेना ने हिजबुल्लाह के इन वित्तीय ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसका उद्देश्य इस आतंकवादी संगठन की फंडिंग क्षमताओं को कमजोर करना था। हगारी ने बताया कि इस बंकर में लाखों डॉलर की नकदी और सोना है, जिसका उपयोग हिजबुल्लाह इजरायल पर हमलों के लिए करता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि हमले में यह धन पूरी तरह से नष्ट हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे अनुमान के मुताबिक इस बंकर में कम से कम 50 करोड़ डॉलर की नकदी और सोना रखा हुआ है। यह पैसा लेबनान के पुनर्निर्माण के लिए उपयोग किया जा सकता था। उन्होंने एक नक्शा भी पेश किया, जिसमें बंकर के स्थान को दिखाया गया है। इजरायल ने लेबनानी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपील की है कि वे हिजबुल्लाह को आतंक के लिए और इजरायल पर हमले के लिए फंडिंग करने से रोकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध कर रहा है, न कि लेबनानी लोगों के खिलाफ। यह भी कहा गया कि आईडीएफ अस्पताल पर हमला नहीं करेगा, लेकिन हिजबुल्लाह से जुड़े अन्य ठिकानों पर निगरानी रखी जाएगी। इससे पहले इजरायल ने एक बैंक पर हमला किया था, जिसका संबंध हिजबुल्लाह से था, जो इस संगठन की वित्तीय गतिविधियों पर नकेल कसने के इजरायल के प्रयासों का हिस्सा था।

रूस पहुंचे मोदी का लड्डू और केक से स्वागतः भारतीय पोशाक पहने रूसी कलाकारों का डांस भी देखा

नई दिल्ली/मॉस्को. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए रूस के कजान शहर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका लड्डू और केक के साथ स्वागत किया गया। साथ ही वो यहां प्रवासी भारतीयों से भी मिले। इसके बाद कजान के होटल पहुंचने पर उन्होंने भारतीय पोशाक पहने रूसी कलाकारों का डांस भी देखा। उनका यह दौरा 2 दिन का है। पीएम मोदी पिछले 4 महीनों में दूसरी बार रूस गए हैं। पीएम मोदी इससे पहले जुलाई में भारत-रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। मोदी आज दोपहर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे। इसके बाद वे आज शाम में ब्रिक्स लीडर्स के साथ डिनर में शामिल होंगे। डिनर के दौरान उनकी यहां कई लीडर्स के साथ अनौपचारिक बातचीत हो सकती है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक पीएम मोदी बुधवार को ब्रिक्स की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। यह दो सेशन में होगी। सबसे पहले सुबह क्लोज प्लेनरी यानी बंद कमरे में बातचीत होगी। इसके बाद शाम को ओपन प्लेनरी होगी। इस दौरान पीएम मोदी कई नेताओं से द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे।

चीनी राष्ट्रपति से 2 साल बाद बातचीत संभव

ब्रिक्स समिट की साइडलाइन में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने कल ही बताया कि भारत और चीन के बीच लद्दाख में पेट्रोलिंग को लेकर समझौते पर सहमति बन गई है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे में पीएम मोदी और जिनपिंग की बातचीत हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो 2 साल बाद दोनों नेता आपस में बातचीत करेंगे। दोनों के बीच आखिरी बार 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी20 समिट के दौरान मुलाकात हुई थी। हालांकि पिछले साल साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुई ब्रिक्स समिट में दोनों नेता शामिल हुए थे।

यूक्रेन युद्ध में सैनिकों की तैनाती पर अनिश्चितता

सियोल(ईएमएस)। हाल ही में रूस ने स्पष्ट किया कि वह उत्तर कोरिया के साथ अपने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियानों में उत्तर कोरियाई सैनिकों के इस्तेमाल के आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से कहा, इसमें बहुत सारी विरोधाभासी जानकारी है, और उन्होंने इन सवालों को रूस के रक्षा मंत्रालय से पूछने का सुझाव दिया। इस बयान के बाद, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में रूस का समर्थन करने के लिए लगभग 12,000 सैनिकों को भेजने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले ही करीब 1,500 सैनिकों को रूसी नौसैनिक जहाजों के माध्यम से रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक में भेजा जा चुका है।

ब्रिटेन के राजा चार्ल्स मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में नेशनल सेंटर फॉर इंडिजिनस एक्सीलेंस के दौरे के दौरान एक स्वदेशी समुदाय के सदस्य का अभिवादन करते हुए।

एक और युद्ध की आहटः उत्तर कोरिया ने सड़कों को ध्वस्त किया

सियोल(ईएमएस)। हाल ही में उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों में और तनाव बढ़ाते हुए उस उत्तरी सड़क को ध्वस्त कर दिया है, जो कभी दोनों देशों को जोड़ती थी। यह कदम दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पर ड्रोन उड़ाने के आरोपों के बाद उठाया गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने इस घटना के बाद दक्षिण कोरिया के साथ सभी संपर्क खत्म करने की बात कही है। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस कदम के जवाब में दक्षिणी सीमा पर गोलीबारी की, हालांकि इस गोलीबारी पर अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है।

लगातार आफतों से जूझता बांग्लादेश

- बाढ़ ने मचाई तबाही, चावल के एक एक दाने को हुआ मोहताज

ढाका(ईएमएस)। अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में भारी मानसूनी बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले पानी ने पूर्वी और उत्तरी बांग्लादेश में बाढ़ का गंभीर संकट पैदा किया। इस प्राकृतिक आपदा में लगभग 75 लोगों की मौत हो चुकी है, और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे चावल की पैदावार में लगभग 11 लाख टन की कमी आई है। अब हालात कुछ इस तरह के दिखाई दे रहे हैं कि आने वाले समय में बांग्लादेश चावल के एक एक दाने को मोहताज हो जाएगा।

बांग्लादेश कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चावल की इस कमी के कारण खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान छूने लगे हैं। इस संकट को संभालने के लिए यूनुस सरकार चावल के आयात पर जोर दे रही है, लेकिन बांग्लादेश अब पूरी तरह से भारत पर निर्भर हो गया है। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक, बांग्लादेश की इस आवश्यकता को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। हाल ही में, भारत ने उबले हुए चावल के निर्यात पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया था, जिससे बांग्लादेश के लिए आयात करना थोड़ा आसान हो सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने 5 लाख टन चावल आयात करने की योजना बनाई है, और निजी क्षेत्र को भी जल्द ही आयात की अनुमति दी जा सकती है। देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं, क्योंकि हाल के महीनों में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण, बांग्लादेश को अपने कृषि उत्पादन में बार-बार बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाढ़ ने 2 लाख टन से अधिक सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों को भी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा के कारण कुल कृषि क्षति का अनुमान लगभग 45 अरब टका (38 करोड़ डॉलर) है। चावल की उत्पादन कमी के साथ-साथ अन्य फसलों के नुकसान ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है, और इस संकट से उबरने के लिए उसे बड़े पैमाने पर आयात का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रोटीन के नए फंक्शन की खोज की भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने

टोरंटो (ईएमएस) । भारतीय मूल के एक वैज्ञानिक के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने प्रोटीन के नए फंक्शन की खोज की है। इस हालिया खोज से उम्र से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। कनाडा के मैकमास्टर विश्वविद्यालय की टीम ने एक प्रोटीन का एक नया, अज्ञात कोशिका-सुरक्षात्मक कार्य खोजा है।जो उम्र संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए नए रास्ते खोल सकता है और बुढ़ापे के दौरान व्यक्ति को स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में काम करता है। ताजा अध्ययन के अनुसार, कोशिकाएं प्रोटीन को गलत तरीके से बना सकती हैं, और सफाई प्रक्रिया बाधित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप, प्रोटीन एक साथ चिपक सकते हैं, जिससे हानिकारक जमाव हो सकता है जो अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी बीमारियों से जुड़ा है। शोध की देखरेख करने वाले प्रोफेसर भगवती गुप्ता ने कहा, प्रोटीन इकट्ठा होने से यदि कोशिकाएं तनाव का अनुभव कर रही हैं तो एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम को इन प्रोटीनों को बनाना बंद करने का संकेत मिलता है।

शोध टीम ने पाया कि एमएएनएफ नामक सुरक्षात्मक प्रोटीन का एक वर्ग कोशिकाओं को कुशल और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पहले के अध्ययनों से पता चला था कि एमएएनएफ कोशिकीय तनाव को कम करने में मदद करता है। टीम ने यह समझने की कोशिश की कि यह कैसे होता है, इसके लिए उन्होंने सी. एलिगेंस नामक सूक्ष्म कृमियों का अध्ययन किया। उन्होंने सी. एलिगेंस में एमएएनएफ की मात्रा में हेरफेर करने के लिए एक प्रणाली बनाई। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो शेन टेलर ने कहा, एमएएनएफ मनुष्यों सहित सभी जानवरों में मौजूद है। हम मौलिक और यांत्रिक विवरण सीख रहे हैं, जिन्हें बाद में उच्च प्रणालियों में परखा जा सकता है।

गुप्ता ने कहा, सेलुलर होमियोस्टेसिस में एमएएनएफ की भूमिका की खोज से पता चलता है कि इसका उपयोग मस्तिष्क और शरीर के अन्य भागों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के उपचार को विकसित करने के लिए किया जा सकता है, जो कोशिकीय प्रक्रियाओं को लक्षित करके, कोशिकाओं में इन विषाक्त गांठों को साफ करके और उनके स्वास्थ्य को बनाए रखकर किया जाता है।टीम ने पाया कि एमएएनएफ कोशिकाओं पर महत्वपूर्ण तरीके से काम करती है क्योंकि यह प्रोटीन को तोड़कर कोशिकाओं को स्वस्थ और अव्यवस्था मुक्त रखते में मदद करती है। एमएएनएफ के स्तर में वृद्धि से कोशिकाओं के भीतर एक प्राकृतिक सफाई प्रणाली भी सक्रिय हो जाती है।

चोरी के बाद घर की साफ-सफाई करने वाला चोर धराया

न्यूपोर्ट (ईएमएस) । न्यूपोर्ट शहर में एक चोर ने न केवल घर में घुसकर चोरी की, बल्कि घर को साफ-सुथरा भी करके गया। जानकारी के मुताबिक इस अनोखे चोर का नाम डैमियान वोज्निलोविक्ज़ है, जिसकी उम्र 36 साल बताई जा रही है। डैमियान के खिलाफ दो घरों में चोरी के आरोप लगे हैं, और पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। उसने जो किया, वो आम चोरों से बिलकुल अलग था। सामान्य तौर पर, जब कोई चोर घर में घुसता है तो घर में तबाही मचा देता है और कीमती सामान चुरा लेता है। लेकिन डैमियान का तरीका बिल्कुल अलग था, वह घर को साफ-सुथरा करके छोड़ जाता था। पहली घटना पिछली गर्मियों में हुई जब डैमियान एक अकेली महिला के घर में घुसा, जब वह घर पर नहीं थी। डैमियान ने उस घर में सफाई की, झाड़ू लगाई, कपड़े धोए और सबकुछ व्यवस्थित कर दिया। जब महिला घर लौटी, तो उसे अपना घर चमकता हुआ मिला और वह डरकर अपने दोस्त के घर भाग गई, यह सोचते हुए कि कुछ अजीब हो रहा है। दूसरी घटना इसके दो हफ्ते बाद घटी। इस बार डैमियान एक ऐसे घर में घुसा, जिसमें सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। घर में दाखिल होने के बाद उसने पहले वाइन का ग्लास लिया, फिर कपड़े धोए और यहां तक कि खुद भी नहाया। जब घर के मालिक को सीसीटीवी से जानकारी मिली कि कोई उनके घर में घुसा है, तो उन्होंने अपने दामाद को भेजा। इसी दौरान डैमियान को पकड़ लिया गया। इस अनोखी चोरी के लिए डैमियान को 22 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट में डैमियान ने बताया कि वह बेघर था, इसीलिए वह ऐसे घरों में घुसता था और सफाई करता था। हालांकि, पुलिस और लोगों ने उसे संभावित खतरा माना।

ब्रिटेन में मशरूम को तोड़ना, जड़ से उखाड़ना है अपराध, कैंसर को भी खत्म कर सकती है ये मशरुम

कॉर्नवॉल (ईएमएस)। आपने मशरूम तो खाया ही होगा। स्वादिष्ट लगने वाले इस फंगस की कई प्राजतियां होती हैं जो जहरीली भी होती हैं। पर एक प्रजाति ऐसी है जो इंसानी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है और कैंसर को भी खत्म कर सकती है। इसके इतने फायदे हैं कि लोग इसे पिंजड़े में बंद कर के रखते हैं। ब्रिटेन में मशरूम को तोड़ना, जड़ से उखाड़ना अपराध है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में इंग्लैंड के कॉर्नवॉल स्थित लॉस्ट गार्डेन ऑफ हेलिगन में एक शख्स को बियर्डेड टूथ मशरूम नजर आया। उसने जब गार्डेन प्रशासन को इसकी जानकारी दी तो तुरंत ही देश के मशरूम एक्सपर्ट्स को बुलाया गया जिन्होंने उसे टेस्ट किया।

फुटबॉल के आकार के इस मशरूम का साइज इतना बड़ा हो गया है कि उन्होंने सलाह दी कि इसे पिंजड़े में बंद कर के रखा जाए और इसकी देखरेख की जाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस मशरूम के अंदर बीमारियों को ठीक करने की चमत्कारी शक्तियां हैं। यही कारण है कि लोग इसे काटकर ले जा सकते हैं या फिर इसकी तस्करी कर सकते हैं।

गार्डेन के वाइल्डलाइफ कोर्डिनेटर टॉबी का कहना है कि ये फंगस घने जंगलों में होते हैं। पार्क में ये एक गिरे हुए पेड़ के तने पर हुआ है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन में ऐसे सिर्फ 4 ही प्रजाति के फंगस हैं जिन्हें इतनी सुरक्षा मिलती है। इसका कारण ये है कि ये कैंसर और डिमेंशिया जैसी बीमारी का भी इलाज कर देते हैं। 10 में से 9 लोगों को पता ही नहीं होगा कि ये आखिर क्या है, पर फिर भी पिंजड़ा लगा दिया गया है जिससे लोग उसे जरा भी ना छेड़ें। ब्रिटेन के वाइल्डलाइफ एंड कंट्रीसाइड एक्ट के शेड्यूल 8 के तहत इस मशरूम को तोड़ना, जड़ से उखाड़ना और नष्ट करना कानून अपराध है और ऐसा करने वाले को जेल की सजा भी हो सकती है।

न्यूज़ीलैंड में एयरपोर्ट पर लोगों को मिलने का समय किया तय, सोशल मीडिया पर लोग एयरपोर्ट प्रबंधन की कर रहे आलोचना

डुनेडिन,(ईएमएस)। न्यूजीलैंड के डुनेडिन एयरपोर्ट पर ड्रॉप-ऑफ जोन में किसी को गले लगाने का समय सिर्फ तीन मिनट तक सीमित कर दिया गया है। यह नियम उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अपने परिजनों, दोस्तों या करीबी लोगों को एयरपोर्ट पर विदा करने जाते हैं और भावुक होकर उन्हें गले लगाते हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बोर्ड साफ तौर पर लिख दिया है कि प्यार वाली विदाई के लिए एयरपोर्ट की पार्किंग का इस्तेमाल करें, जहां 15 मिनट तक आप स्टे कर सकते हैं।

इस नियम को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। लोगों ने इसे भावनाओं के साथ अनुचित हस्तक्षेप बताया है। वहीं, डुनेडिन एयरपोर्ट के सीईओ ने इस विवाद पर सफाई दी है और कहा कि एयरपोर्ट को भावनाओं का केंद्र माना जाता है, लेकिन तीन मिनट का समय गले लगाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने बताया कि 20 सेकंड का गले लगना ऑक्सीटोसिन जैसे लव हार्मोन को रिलीज करने के लिए काफी है। इस नियम से ज्यादा लोगों को गले मिलकर विदा करने का मौका मिलेगा, जिससे भीड़ को कम समय में नियंत्रित किया जा सकेगा।

सीईओ ने मजाकिया अंदाज में कहा कि एयरपोर्ट की पार्किंग में लोग 15 मिनट के फ्री समय का फायदा उठाते हुए कई दिलचस्प चीजें करते हैं, और यह नियम उसी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हालांकि, इस फैसले से नाराज लोग सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट प्रबंधन की आलोचना कर रहे हैं।

मापुटो, मोजाम्बिक में 9 अक्टूबर को हुए चुनाव के अनंतिम परिणामों के विरोध में मोजाम्बिक के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वेनांसियो मोंडलेन द्वारा बुलाई गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान पुलिस की ओर बढ़ते लोग।

ब्राज़ील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में पेलोटस शहर में रोइंग टीम के साथ एक घातक दुर्घटना हुई, जिसमें नौ लोग मारे गए। इस दुर्घटना के बाद मेयर पाउला मस्कारेनहास सोशल प्रोजेक्ट रेमर पैरा ओ फ़्यूचूरो के मुख्यालय के सामने फ़ोन पर बात करती हुईं।

रेबीज एक संक्रामक बीमारी, जरूर लगाएं टीका

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया भर में हर साल 59000 लोग रेबीज के कारण मरते हैं। उनमें से 90 प्रतिशत की मौत रेबीज से संक्रमित कुत्ते के काटने से होती है। भारत में, प्रत्येक वर्ष रेबीज से 18,000 से 20,000 लोगों की मृत्यु होती हैं। इनमें कई बच्चे शामिल हैं, अक्सर चिकित्सा सुविधाओं कमी के कारण मर रहे हैं - जिसका अर्थ है कि उनकी मृत्यु रिकॉर्ड तक नहीं हो पाती है।

रेबीज एक संक्रामक बीमारी है, जो मनुष्य सहित सभी प्रकार के जीवों को प्रभावित करती है। यह विकार संक्रमित जानवर की लार द्वारा प्रेषित होता है और वायरस (न्यूरोट्रोपिक लाइसिसिवर्स; के कारण होता है जो लार ग्रंथियों और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। वायरस संक्रमित पशुओं के काटने और खरोचने से मनुष्यों में फैलता है। 15 साल तक के बच्चों को रेबीज से सबसे ज्यादा खतरा होता है। इससे बचाव के लिए रेबीज का टीका लगवाएं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया भर में हर साल 59000 लोग रेबीज के कारण मरते हैं। उनमें से 90 प्रतिशत की मौत रेबीज से संक्रमित कुत्ते के काटने से होती है। भारत में, प्रत्येक वर्ष रेबीज से 18,000 से 20,000 लोगों की मृत्यु होती हैं। इनमें कई बच्चे शामिल हैं, अक्सर चिकित्सा सुविधाओं कमी के कारण मर रहे हैं - जिसका अर्थ है कि उनकी मृत्यु रिकॉर्ड तक नहीं हो पाती है।

सितंबर 28 को जीएआरसी द्वारा विश्व रेबीज दिवस बनाया गया है, जिसे जीएआरसी सालाना मनाता व समन्वित करता है। इसका उद्देश्य रोग के प्रति जागरूकता में वृद्धि और इसकी रोकथाम

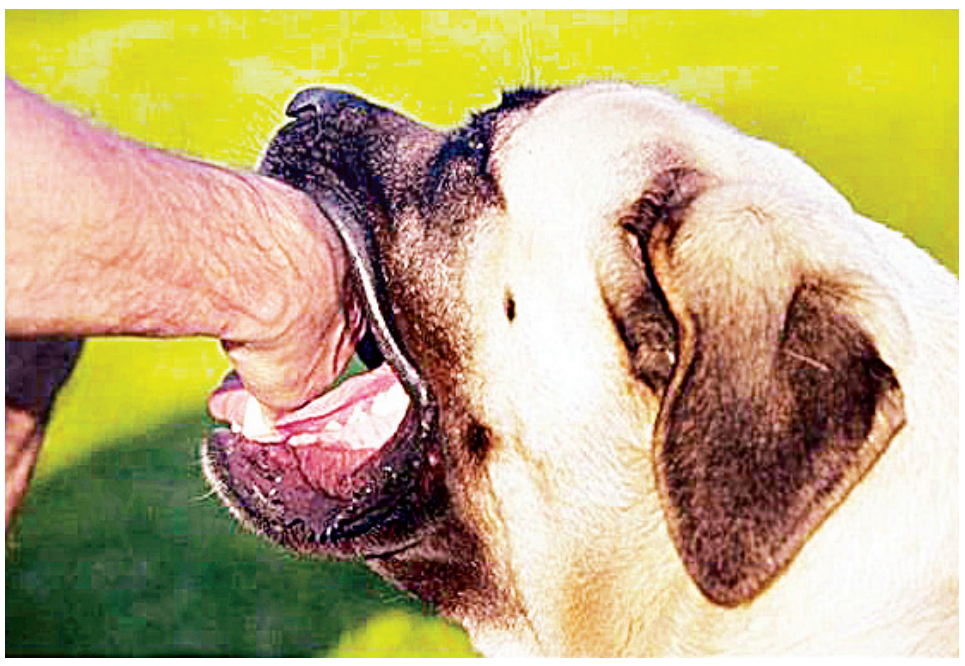

को बढ़ाना है। यह रेबीज स्थानिक देशों पर केंद्रित है।

रेबीज के कारण

रेबीज वायरस के कारण रेबीज संक्रमण होता है। वायरस संक्रमित जानवरों की लार के माध्यम से फैल जाता है। संक्रमित जानवर किसी अन्य जानवर या किसी व्यक्ति को काटकर वायरस फैला सकते हैं। दुर्लभ मामलों में, रेबीज फैल भी सकता है, जब संक्रमित लार एक खुले घाव या श्लेष्म झिल्ली, जैसे कि मुंह या आँख में चला जाता है। ऐसा तब हो सकता है जब कोई संक्रमित जानवर आपकी त्वचा पर किसी खुले व कटे हुए घावों को चाटता हो। पशु के ऊपरी त्वचा को चाटने से यह वायरस नहीं फैलता व टीके की आवयशकता नहीं होती है परन्तु यह वायरस किसी कटी हुई चोट या खुले घाव को चाटने से फैल जाता है और आपको टीके की आवयशकता होती है।

रेबीज वायरस फैलाने वाले या संचारित करने वाले पशुः

कोई भी स्तनपायी जानवर (एक जानवर जो कि अपने बच्चे को दूध पिलाता है) रेबीज वायरस संचारित कर सकता है पर यह अधिकांश कुत्ते के काटने से होता है। दुर्लभ मामलों में, अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के ऊतकों व अंगों में दुसरे के संक्रमित अंगो के माध्यम से विषाणु संचारित हो जाता है या फ़ैल जाता है।

रेबीज से बचाव

रेबीज एक ऐसा रोग है जिसे रोका या निवारण किया जा सकता है। रेबीज से बचने के कुछ उपाय निम्नलिखित हैं:

- जानवरों के साथ मिलकर काम करने या रेबीज वायरस से सम्बंधित प्रयोगशाला में काम करने से पहले रेबीज टीकाकरण प्राप्त करें।
- अपने पालतू जानवरों को टीका लगवाएं।
- अपने पालतू जानवरों को बाहर न घूमने दें।
- आवारा जानवरों की जानवरों के नियंत्रण-विभाग में रिपोर्ट करें।
- जंगली जानवरों के संपर्क से बचें।
- अपने घर व उसके आसपास कुत्ते, बन्दर व चमगादड़ दिखें जिससे आपको खतरा महसूस होता है तो स्थानीय पशु नियंत्रण विभाग को जानकारी दें।

▪ रेबीज के प्रकार -

रेबीज दो रूप में हो सकता है

- उग्र रेबीज - संक्रमित लोग जो उग्र रेबीज से पीड़ित होंगे, अति सक्रिय, उत्साहित और अनियमित व्यवहार प्रदर्शित कर सकते हैं। अन्य लक्षण निम्नलिखित है।
- व्याकुलता व अशांति
- दुः स्वप्न
- अतिरिक्त लार
- निगलने की समस्याएं

पानी से डर

पैरालिटिक रेबीज - रेबीज को यह रूप लेने में अधिक समय लगता है, लेकिन प्रभाव उतना ही गंभीर हैं। संक्रमित लोग धीरे-धीरे अपंग हो जाते हैं, अंततः कोमा में भी जा सकते हैं व मृत्यु भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, के 30 प्रतिशत मामले में पैरालिटिक रेबीज होता है।

रेबीज के लक्षण -

- रेबीज के शुरूआती लक्षण फ्लू के समान होते हैं, और कुछ दिनों तक रहते हैं। बाद में लक्षण बढ़ सकते हैं। ▪ बुखार ▪ सरदर्द ▪ मतली ▪ उल्टी ▪ व्याकुलता व अशांति महसूस करना ▪ चिंता ▪ उलझन ▪ अति

विज्ञान की मांग बढ़ी, इंजिनियरिंग का रुझान घटा

देश में रोजगार की मांग में हो रहे प्रभावों का असर उच्च शिक्षा में भी नजर आ रहा है। ऐसे में अब युवा एक बार फिर परंपरागत विषयों की और लौट रहे हैं। कुछ समय पहले तक जहां इंजिनियरिंग की मांग सबसे ज्यादा थी, वहीं अब इसमें बदलाव देखा जा रहा है। अब युवाओं की पसंद इंजिनियरिंग की जगह विज्ञान विषय से डिग्री लेना है। आर्ट्स पहले की तरह ही नंबर एक पसंद है। उसके बाद दूसरी सर्वाधिक लोकप्रिय स्ट्रीम विज्ञान है। एचआरडी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2016-17 में 97.3 लाख छात्रों ने बीए में दाखिला लिया जबकि 47.3 लाख ने बीएससी में और 41.6 लाख ने इंजिनियरिंग में।

ये कारण हैं जिम्मेदार

बीएससी कोर्स की कई ब्रांच है जैसे कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा। इस तरह से बीएससी में कई सारे विकल्प होते हैं और रोजगार के मौके भी हैं। इंजिनियरिंग की बात करें तो आपकी डिग्री की कद्र उस समय ही होगी जब आप किसी बड़े संस्थान से पास हों। इन सब कारणों से छात्रों की इंजिनियरिंग में रुचि घटी है। विशेषज्ञों का मानना है कि आजकल इंजिनियर भी उसी नौकरियों के लिए लाइन में नजर आ रह हैं जिनके लिए बीए या बीकॉम के छात्र।

छात्रों का बदलता रुझान

पिछले पांच सालों में अंडरग्रैजुएट छात्रों का रुझान बदला है। पांच साल पहले तक आर्ट्स के बाद कॉमर्स का नंबर आता था और तीसरे नंबर पर साइंस एवं इंजिनियरिंग रहता था। 2013 में बीए कोर्सों में 75.1 लाख छात्र थे, उसके बाद 28.9 लाख छात्रों के साथ कॉमर्स का नंबर था। बीटेक में 17.9 लाख, बीई में 16.4 लाख और बीएससी में 25.4 लाख छात्र थे।

फिर अचानक से रुझान बदला और कॉमर्स की लोकप्रियता घट गई जिससे कॉमर्स चौथे नंबर पर आ गया। 2014-2015 में इंजिनियरिंग दूसरा सबसे लोकप्रिय कोर्स था क्योंकि उस समय आईटी सेक्टर में बड़े पैमाने पर भर्ती हो रही थी। उस समय बीए, बीकॉम और बीएससी के छात्रों के बीच इंजिनियरिंग की लोकप्रियता बढ़ी। एक्सपर्ट के मुताबिक, हालत तो यह हो गई थी कि बिजनस या एमबीए जैसे कोर्स

कैल्शियम की कमी से हो सकते हैं रोग

हम सब जानते हैं कि संतरा हमारे प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। इसमें विटामिन डी के साथ कैल्शियम की प्रचुर मात्रा होती है। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के अवशोषण में बहुत जरूरी होता है। कैल्शियम की उच्च मात्रा वाली चीजों में कैल्शियम सबसे ऊपर आता है। इसमें प्रोटीन भी भरपूर होता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। साथ ही बादाम आपकी याद्दाश्त बढ़ाने में तो मदद करता ही है।

हमारे शरीर को स्वस्थ और मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। इसकी कमी से हड्डियों के कमजोर होने से कई रोग हो सकते हैं। इसके अलावा हमारी मांसपेशियों और नर्व सिस्टम के सुचारू तरीके से काम करने के लिए भी कैल्शियम जरूरी होता है। कैल्शियम से भरपूर इन चीजें के खाने से आपके शरीर की हड्डियां मजबूत रहने के अलावा शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

दूध

जब हम कैल्शियम के बारे में सोचते हैं तो हमारे दिमाग में सबसे पहले जो चीज आती है वो है -दूध. आसानी से पाच्य दूध सबसे बढ़िया कैल्शियम का स्त्रोत है। बचपन से लेकर बड़े तक हड्डियों को मजबूत बनाने में दूध बहुत जरूरी है। एक कप दूध में 280 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

संतरा

एक संतरे में 60 मिलीग्राम कैल्शियम

हम सब जानते हैं कि संतरा हमारे प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। इसमें विटामिन डी के साथ कैल्शियम की प्रचुर मात्रा होती है। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के अवशोषण में बहुत जरूरी होता है।

बादाम

कप रोस्टेड बादाम में 457 मिग्राकैल्शियम

कैल्शियम की उच्च मात्रा वाली चीजों में कैल्शियम सबसे ऊपर आता है। इसमें प्रोटीन भी भरपूर होता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। साथ ही बादाम आपकी याद्दाश्त बढ़ाने में तो मदद करता ही है।

अंजीर

1 कप सूखे हुए अंजीर में 242 कैल्शियम

फाइबर और पोटैशियम से युक्त अंजीर में कैल्शियम भी प्रचुर मात्रा में मौजूद होता है। यह आपकी हड्डियों को भी मजबूत करने में भी मदद करता है। मैग्नीशियम के साथ अंजीर हार्ट बीट को भी सही रखता है।

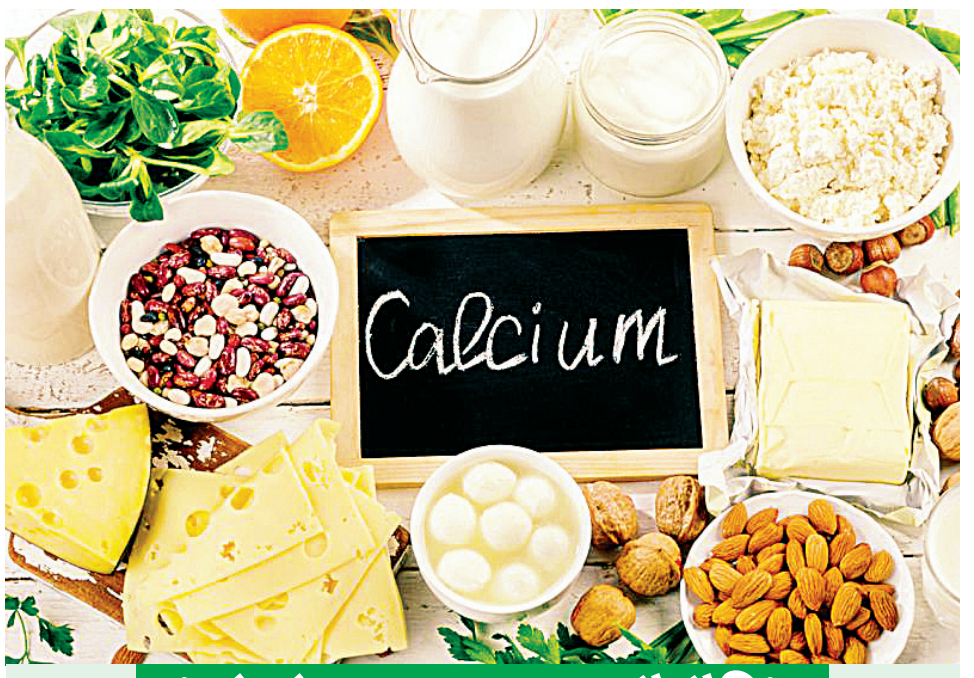

संतरे से रूक सकता है टैनिंग

गर्मी के मौसम में तेज धूप से अपने को बचायें क्योंकि सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से त्वचा की टैनिंग होना यानी त्वचा का रंग काला पड़ना सामान्य बात है। इससे बचाव के लिए बाहर निकलते समय अच्छी तरह शरीर ढ़क लें। वहीं अगर त्वचा काली हो जाये तो कुछ घरेलू उपायों से यह ठीक हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार संतरे के इस्तेमाल से टैनिंग के खतरे को कम किया जा सकता है और इससे त्वचा का रंग साफ होता है। टैनिंग से राहत पाने के लिए एक बड़ा चम्मच संतरे के छिल्के का पाउडर, हल्दी, कैलेमाइन पाउडर या चंदन पाउडर और शहद की कुछ बूंदें मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से एक मिनट मलें और इसे पांच मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे पानी से धो लें। संतरे के रस में सिट्रिक एसिड होता है, जो प्राकृतिक रूप से ब्लीचिंग का काम करता है। अगर आप चाहे तो संतरे के रस को आइस ट्रे में फ्रीज कर सकती हैं और बाद में फ्रेश लुक के लिए इसे चेहरे पर लगा सकती है। आप संतरे को मसलकर चेहरे पर लगा सकती हैं। टैनिंग के असर को कम करने के लिए ऐसा नियमित रूप से करें। इसके अलावा संतरे के तत्व से युक्त चेहरे पर लगाए जाने वाले अच्छी कंपनी के सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें।

योगर्ट

रोजाना खाने में शामिल किया जाने वाला योगर्ट कैल्शियम से भरपूर होता है। अगर आपको दूध पसंद नहीं है तो प्रोटीन से भरपूर योगर्ट आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

पनीर-

कैल्शियम के मामले में अमीर होने की सूची में पनीर का भी नाम शामिल है। प्रोटीन के साथ-साथ यह कैल्शियम का भी बढ़िया स्त्रोत है।

रणजी मैच खेलना चाहते हैं मोहम्मद शमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी फिटनेस को लेकर चल रही अटकलों को दूर करते हुए कहा कि वह अब पूरी तरह से ठीक हो गए है और आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शमी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में अपनी क्रिकेट यात्रा और फिटनेस को लेकर बातचीत की। शमी ने कहा, मुझे अब कोई दर्द नहीं है। मैंने कल नेट्स में पूरे रन-अप से गेंदबाजी की और उससे मैं खुश हूं। इससे पहले मैं आधे रन-अप से गेंदबाजी कर रहा था ताकि ज्यादा दबाव न पड़े। शमी ने यह भी बताया कि उनकी चोट से उबरने का रिहैबिलिटेशन अब ठीक चल रहा है। कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि शमी के घुटने में सूजन है, जिससे उनके रिहैबिलिटेशन में कुछ समस्याएं आ रही थीं। हालांकि, शमी ने कहा कि वह पूरी कोशिश करेंगे कि वह 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिट रहें। उन्होंने कहा, हर कोई सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए जा पाऊंगा या नहीं, लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है।

शमी ने यह भी बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी में अपने राज्य बंगाल के लिए कुछ मैच खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में सिर्फ यही है कि मैं पूरी तरह से फिट रहूं और ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए मजबूत रहूं। मुझे पता है कि वहां किस तरह के आक्रमण की जरूरत होगी, और इसके लिए मुझे मैदान पर ज्यादा समय बिताना होगा। शमी, जो पिछले साल की टखने की चोट के कारण अभी तक पूरी तरह से रिकवरी में थे, 19 नवंबर को भारत के वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। अब उनकी नजरें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां भारतीय टीम को उनके अनुभव और कौशल की जरूरत होगी।

पृथ्वी शॉ को रणजी ट्रॉफी से बाहर किया गया

महाराष्ट्र के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को त्रिपुरा के खिलाफ होने वाले आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने इस निर्णय का कोई औपचारिक कारण नहीं बताया, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शॉ को अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए कहा गया है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह कदम उनके लिए एक चेतावनी है कि उन्हें अनुशासन संबंधी मुद्दों को सुलझाना होगा। 24 वर्षीय शॉ ने हाल ही में बेंगलुरु में मुंबई के कंडीशनिंग कैंप और चेन्नई में बुची बाबू ट्रॉफी में भाग नहीं लिया। हालांकि, उन्होंने ईरानी ट्रॉफी की दूसरी पारी में 76 रन बनाकर घरेलू सत्र की शुरुआत की थी। रणजी ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन की बात करें, तो उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ टीम की हार में 7 और 12 रन बनाए, जबकि महाराष्ट्र के खिलाफ नाबाद 39 रनों की पारी खेली, जिससे उनकी टीम ने जीत हासिल की।

चयनकर्ताओं को शॉ का वजन अधिक होने और उनकी नेट प्रैक्टिस के प्रति लापरवाही से गहरी चिंता थी। जब अन्य खिलाड़ी जैसे कप्तान अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर नियमित रूप से नेट पर कड़ी मेहनत कर रहे थे, शॉ कथित तौर पर इन सत्रों में ध्यान नहीं दे रहे थे। रहाणे और मुख्य कोच ओमकार साल्वी ने मिलकर चयनकर्ताओं के इस निर्णय का समर्थन किया। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि शॉ को एमसीए द्वारा तैयार किए गए फिटनेस कार्यक्रम का पालन करने के लिए कहा गया है। जानकारी के अनुसार, शॉ के शरीर में 35 प्रतिशत वसा होने की बात सामने आई है, जो उनकी फिटनेस के लिए चिंता का विषय है।

पृथ्वी शॉ का करियर कुछ समय पहले तक काफी उज्ज्वल नजर आ रहा था। वह सचिन तेंदुलकर के बाद रणजी ट्रॉफी और दलीप ट्रॉफी में डेब्यू पर शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और पहली पारी में ही शतक बनाया। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में उनकी फॉर्म में गिरावट आई है, और उनका आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। शॉ को कई बार अनुशासन और फिटनेस के मुद्दों का सामना करना पड़ा है, जिसमें 2019 में डोपिंग उल्लंघन के लिए निलंबन भी शामिल है। उन्होंने हाल ही में घरेलू सर्किट में अपनी प्रतिभा साबित करने की कोशिश की है, लेकिन अब उन्हें अपनी फिटनेस और अनुशासन पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि वह अपनी खोई हुई पहचान वापस प्राप्त कर सकें। उनकी कड़ी मेहनत और सुधार से उम्मीद की जाती है कि वह जल्द ही मुंबई की टीम में वापसी करेंगे और अपने क्रिकेट करियर को नई दिशा देंगे।

भारत बनाम न्यूजीलैंडः पुणे टेस्ट में वापसी की उम्मीदें

नई दिल्ली (ईएमएस) । न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम के लिए अब पुणे में होने वाला दूसरा टेस्ट मैच करो या मरो का हो गया है। 24 अक्टूबर से होने वाले इस मैच में मेजबान टीम को हर हाल में जीत हासिल करनी होगी, ताकि सीरीज जीतने की उम्मीदें जीवित रहें और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में बने रहें। इस बार भारत ने काली मिट्टी की पिच तैयार कराई है, जिस पर घास का नामोनिशान नहीं है। यह पिच न केवल ज्यादा टर्न देने वाली है, बल्कि उछाल भी कम होगी। ऐसे में स्पिनर अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को नचाने का पूरा अवसर पाएंगे। यह बदलाव बेंगलुरू में मिली हार के मद्देनजर किया गया है, जहां भारत महज 46 रन पर ढेर हो गया था और न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

पहले मैच में हार के बाद, भारतीय टीम ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। अब यह संभावना है कि भारत पुणे टेस्ट में तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा। बेंगलुरू टेस्ट में भारत ने तीन तेज और दो स्पिनरों का संयोजन अपनाया था, लेकिन इस बार स्पिन गेंदबाजी को प्राथमिकता दी जा रही है। भारतीय टीम के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी पुरानी ताकत, यानी स्पिनरों की क्षमता, एक बार फिर देखने को मिलेगी। अगर भारत इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो यह न केवल सीरीज में वापसी का एक अवसर होगा, बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भी उनकी संभावनाएं कायम रखेगा। इस प्रकार, पुणे टेस्ट मैच में भारतीय टीम की रणनीति स्पष्ट हैः अपनी स्पिन गेंदबाजी का लाभ उठाकर विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालना और जीत के साथ सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत करना।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इमर्जिंग एशिया कप में लगातार जीत से सेमीफाइनल में बनाई जगह

अल अमरात (ईएमएस) । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारों ने इमर्जिंग टीम एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले पाकिस्तान को हराने के बाद, भारत ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सात विकेट से मात दी और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस मैच में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ ओपनर अभिषेक शर्मा की तूफानी बल्लेबाजी ने टीम को जीत दिलाई। अभिषेक ने महज 24 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी इस आक्रामक पारी की बदौलत भारत ने 108 रन के लक्ष्य को 55 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। आयुष बडोनी ने भी एक छक्का और एक चौका लगाते हुए टीम की जीत को और आसान बना दिया। कप्तान तिलक वर्मा ने 18 गेंदों में 21 रन बनाकर टीम को मजबूती प्रदान की।

इससे पहले, यूएई की टीम बल्लेबाजी करने उतरी और 16.5 ओवर में 107 रन पर ऑल आउट हो गई। यूएई ने शुरुआत में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई। तेज गेंदबाज रसिख सलाम ने अपने पहले ओवर में तीन बल्लेबाजों को आउट किया और यूएई का स्कोर पावरप्ले में 40 रन पर पांच विकेट कर दिया। सलाम ने 15 रन देकर तीन विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। रमनदीप सिंह ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए सात रन देकर दो विकेट झटके। भारत फिलहाल ग्रुप बी में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है और अब उनकी नजरें बुधवार को होने वाले अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान ओमान पर होंगी। टीम की लगातार बढ़ती हुई लय से दर्शकों में उत्साह है, और भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को अपने युवा सितारों से अगली प्रदर्शन की उम्मीद है।

चुनौतीपूर्ण होगा टीम में सिराज के लिए जगह बनाए रखना

नई दिल्ली (ईएमएस) । न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए टीम में जगह बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर जब उनका घरेलू प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा है। इस मैच में भारत की टीम में वाशिंगटन सुंदर का चयन एक संकेत हो सकता है कि टीम स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर उन्हें प्राथमिकता देगी। सुंदर ने अब तक 30 टेस्ट मैचों में 80 विकेट लिए हैं, लेकिन उनका भारत में प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। उन्होंने भारत में 13 मैचों में सिर्फ 19 विकेट हासिल किए हैं, जो उनके विदेशी प्रदर्शन से काफी कम है। सिराज के प्रदर्शन पर नजर डालें तो उन्हें भारतीय परिस्थितियों में काफी चुनौती का सामना करना पड़ा है। उन्होंने घरेलू मैदान पर कुछ महत्वपूर्ण मैचों में अपने कौशल का प्रदर्शन करने में विफलता पाई है।

पिछले साल भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट श्रृंखला के दौरान इंदौर और दिल्ली में खेले गए दो मैचों में सिराज कोई विकेट नहीं ले पाए। यहां तक कि दो मैचों में उन्हें क्रमशः 10 और 6 ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारत में सिराज की कमजोरी खासतौर पर नई गेंद से विकेट निकालने में रही है, जिससे जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। भारतीय गेंदबाजी कोच ने सिराज की गेंदबाजी तकनीक पर सवाल उठाए हैं, और कहा है कि उनकी गेंदबाजी भारतीय विकेटों के अनुकूल नहीं है। कोच के अनुसार, सिराज का आदर्श टप्पा 8 मीटर दूर होता है, जो भारत के धीमे विकेटों में कम प्रभावी हो सकता है।

हालांकि, कोच ने उम्मीद जताई कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में सिराज फिर से अपनी लय प्राप्त कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में उन्हें अपनी तकनीक में सुधार की आवश्यकता है, ताकि वे भारतीय परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बता दें कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला का दूसरा मुकाबला पुणे में होने जा रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर जोर देते हैं, और इसका सबसे बड़ा उदाहरण तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के चयन पर दिखाई दे सकता है।

रुतुराज गायकवाड़ को इंडिया ए की कप्तानी, ईशान किशन को टीम में जगह

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है, क्योंकि उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। सोमवार को चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसकी कप्तानी युवा सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के हाथों में सौंपी गई है। गायकवाड़ ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ शानदार 145 रन की पारी खेली थी, जिससे उनकी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता का संकेत मिला।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई यह इंडिया ए टीम मैके और मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो फर्स्टक्लास मैच खेलेगी। इसके अलावा, टीम सीनियर भारतीय टीम के खिलाफ पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तीन दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी हिस्सा लेगी। इस दौरे का मकसद युवा खिलाड़ियों को टेस्ट प्रारूप में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर देना है, साथ ही भारतीय सीनियर टीम के लिए संभावित विकल्पों की पहचान करना है। गायकवाड़ के अलावा, टीम में अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जैसे प्रतिभाशाली सलामी बल्लेबाज भी शामिल हैं। ईश्वरन को उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि सुदर्शन को अपनी लगातार बढ़िया फॉर्म का इनाम मिला है। टीम में ईशान किशन और अभिषेक पोरेल दो विकेटकीपर के रूप में शामिल किए गए हैं। किशन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था, अब इस दौरे पर अपनी वापसी को और मजबूती देने का प्रयास करेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में मुकेश कुमार, खलील अहमद, यश दयाल, और नवदीप सैनी को जगह दी गई है, जबकि स्पिन विभाग में मानव सुथार और तनुश कोटियन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस दौरे के जरिए भारत को टेस्ट टीम के लिए रिजर्व सलामी बल्लेबाज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के विकल्पों पर विचार करने का मौका मिलेगा। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि युवा खिलाड़ियों को सीनियर टीम में जगह बनाने का यह सुनहरा मौका मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया ए टीमः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप कप्तान), साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, बाबा इंद्रजीत, ईशान किशन (विकेट कीपर), अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), मुकेश कुमार, खलील अहमद, यश दयाल, नवदीप सैनी, मानव सुथार, तनुश कोटियन।

बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति के चलते शकीब देश छोड़ने पर मजबूर

नई दिल्ली (ईएमएस)। शाकिब अल हसन के लिए यह समय व्यक्तिगत और राजनीतिक समस्याओं से घिरा हुआ है। बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति बेहद अस्थिर है। देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को जनता के विरोध का सामना करने के बाद देश छोड़ना पड़ा, और शाकिब भी, जो हसीना की पार्टी अवामी लीग से सांसद थे, अब बांग्लादेश से बाहर हैं और उन पर हत्या का केस चल रहा है।

शाकिब ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह घरेलू टेस्ट मैचों में खेलने की स्थिति में रहे तो ठीक, वरना वह इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में, जो 21 अक्टूबर से शुरू हुई, शाकिब पहले मैच में नहीं खेल पाए। शाकिब पर लगे हत्या के आरोप और उनके खिलाफ दर्ज केस के कारण वह बांग्लादेश नहीं लौट सके हैं।

शाकिब पर लगे हत्या के आरोप का मामला बांग्लादेश की एक कपड़ा फैक्ट्री से जुड़ा है, जहां रुबेल नामक व्यक्ति के पिता रफीकुल इस्लाम ने शाकिब समेत 140 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। देश की राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शाकिब, जो बांग्लादेश की राजनीति में भी सक्रिय थे, को देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। विराट कोहली द्वारा गिफ्ट किया गया बल्ला शाकिब के प्रति विराट के सम्मान और दोस्ती का प्रतीक है, लेकिन यह देखना दुखद है कि शाकिब अपने देश की जटिल परिस्थितियों में उलझे हुए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने साथ खेले हर खिलाड़ी का सम्मान करने के लिए जाने जाते हैं। चाहे वह अपने देश के खिलाड़ी हों या विरोधी टीम के सदस्य, विराट का रवैया सभी के प्रति प्यार और सम्मानपूर्ण रहता है। गौरतलब है कि जब बांग्लादेश की टीम भारत में टेस्ट सीरीज खेलने आई थी, तो विराट ने बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को अपना बल्ला उपहार स्वरूप दिया था। इस इशारे ने क्रिकेट प्रेमियों के बीच विराट की खेल भावना को और भी सराहा।

हाज़ा बिन जायद स्टेडियम, अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात में एशियाई चैंपियंस लीग फुटबॉल ग्रुप बी अल ऐन बनाम अल हिलाल मैच खेला गया।

पुणेः केन विलियमसन भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

वेलिंग्टन (ईएमएस) । न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन कमर की मांसपेशियों में खिंचाव से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, जिस कारण वह भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भी खेल नहीं पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को इस बात की घोषणा की। बेंगलुरु में पहले टेस्ट को आठ विकेट से जीतने के बाद, न्यूजीलैंड तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट गुरुवार से पुणे में खेला जाएगा। विलियमसन हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान चोटिल हुए थे और वह अब तक टीम से नहीं जुड़े हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि विलियमसन की प्रगति अच्छी है, लेकिन वह अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। स्टीड ने कहा, हम केन की प्रगति पर नजर रखे हुए हैं, और वह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आगामी दिनों में और सुधार होगा, जिससे वह तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रह सकें। उन्होंने आगे कहा कि टीम उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए जितना संभव हो सके समय देगी, लेकिन इस मामले में सतर्कता बरकरार रखी जाएगी। तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच एक नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा।

आईसीसी करने जा रहीं है नियमों में बड़े बदलाव!

- टेस्ट और वनडे फॉर्मेट को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें

नई दिल्ली (ईएमएस) । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की क्रिकेट कमिटी ने टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के महत्व को बढ़ाने के लिए नई सिफारिशें प्रस्तुत की हैं। हाल ही में दुबई में हुई एक बोर्ड बैठक में, समिति ने सुझाव दिया कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) श्रृंखला में कम से कम तीन टेस्ट मैच होने चाहिए। इसके अलावा, वनडे मैचों के पहले 25 ओवरों में केवल दो नई गेंदों का उपयोग किया जाना चाहिए, जिसके बाद एक ही गेंद का उपयोग होगा। समिति का मानना है कि पिछले एक दशक में दो गेंदों के प्रयोग से गेंदबाजों का खेल से बाहर होना चिंता का विषय है। इससे रिवर्स स्विंग और फिंगर स्पिनरों के खेलने के अवसर भी कम हो गए हैं। समिति ने घरेलू सीजन के लिए शेड्यूल बनाते समय मेजबान देशों को अधिक से अधिक डे-नाइट टेस्ट मैचों को शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका जैसे कुछ देश सामान्यतः केवल दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला ही खेलते हैं, जबकि भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ही लंबे टेस्ट सीरीज का आयोजन करते हैं। इससे डब्ल्यूटीसी में पॉइंट्स के वितरण में असमानता उत्पन्न होती है। इसके अतिरिक्त, आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल को दो से बढ़ाकर तीन साल करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इससे बीसीसीआई के निवृत्तमान सचिव जय शाह, जो 1 दिसंबर से आईसीसी अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालेंगे, अब तीन-तीन साल के दो कार्यकाल पूरे करते हुए कुल छह साल तक इस पद पर बने रह सकेंगे। आईसीसी क्रिकेट समिति की अध्यक्षता पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली कर रहे हैं, जिसमें पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने, वीवीएस लक्ष्मण, शॉन पोलक, डैनियल विटोरी और रोजर हार्पर शामिल हैं। डे-नाइट टेस्ट के संदर्भ में, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसा बोर्ड है जो नियमित रूप से अपने घरेलू सीजन में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच आयोजित करता है। जबकि, बीसीसीआई ने पिछले दो सालों में एक भी पिंक बॉल टेस्ट मैच की मेजबानी नहीं की है। इन सिफारिशों का उद्देश्य क्रिकेट की पारंपरिक फॉर्मेट्स को फिर से जीवित करना और उन्हें नई दिशा में ले जाना है, ताकि खेल का रोमांच बना रहे और सभी फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा बढ़े।

सरफराज खान को जन्मदिन पर मिला नन्हा मेहमान, बने पिता

नई दिल्ली (ईएमएस) । भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज सरफराज खान को उनके जन्मदिन पर एक बड़ा तोहफा मिला है। बेंगलुरु टेस्ट में शानदार 150 रन की पारी खेलने वाले सरफराज अब बेटे के पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी, रोमाना जहूर ने हाल ही में एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया। सरफराज खान का जन्म 22 अक्टूबर 1997 को मुंबई में हुआ था, और इस साल उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घर पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की। सरफराज ने अपने बेटे की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर इस खुशी को सभी के साथ बांटा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने बच्चे को गोद में लिए एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी खुशी साफ नजर आ रही है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर, सरफराज ने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया था। पहले मैच में उन्होंने 62 रन बनाए, लेकिन दुर्भाग्यवश रन आउट हो गए। दूसरी पारी में उन्होंने 68 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हालांकि, बांग्लादेश के साथ हुई सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शुभमन गिल के अनफिट होने की वजह से उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। इस मौके का फायदा उठाते हुए सरफराज ने दूसरी पारी में शानदार 150 रन बनाए, जिससे उनकी प्रतिभा और काबिलियत साबित हो गई। सरफराज का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट में एक नई पहचान दिलाने में सफल रहा है। अब, उनके लिए पिता बनने की खुशी इस नए सफर का एक और महत्वपूर्ण मोड़ है। क्रिकेट प्रेमियों को सरफराज की और भी शानदार पारियों का इंतजार है, जबकि इस नए अध्याय के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं।

रबाडा ने एक और बड़ी उपलब्धि किया हासिल

ढाका (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 300 टेस्ट विकेट पूरे कर 12,000 से कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रबाडा ने यह उपलब्धि मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में प्राप्त की।

रबाडा ने दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम को आउट कर वकार यूनिस (12,602 गेंद) और डेल स्टेन (12,605 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के ऐसे छठे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए हैं। इस सूची में उनका नाम स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी, एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गया है। भारत के रविचंद्रन अश्विन ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिन्होंने 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी, लेकिन रबाडा ने गेंदों के लिहाज से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनके पास अब तक का 39.3 का स्ट्राइक रेट है, जो 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है।

इस शानदार उपलब्धि के बाद रबाडा ने मैच में 3-26 के आंकड़े के साथ जबरदस्त वापसी की। उनके साथ वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर बांग्लादेश के फैसले को गलत साबित कर दिया। टीम शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रही और महज 41 ओवर में ही पूरी टीम ऑल आउट हो गई।

महिला पहलवान साक्षी ने अपनी किताब में बृजभूषण के काले कारनामों का किया खुलासा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। रियो ओलंपिक-2016 में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली महिला पहलवान साक्षी मलिक ने बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए अत्याचार की कहानी को बयां किया है। साक्षी ने अपनी किताब में वह किस्सा शेयर किया है जब बृजभूषण ने उनको गलत तरीके से छुआ था। इतना ही नहीं। साक्षी ने किताब में बताया कि बचपन में भी उन्हें ट्यूशन टीचर की गलत हरकतों का शिकार होना पड़ा था। साक्षी ने किताब में अपने माता-पिता के समर्थन की तारीफ भी की है। पिछले साल की शुरुआत में साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन किया था। इन सभी के आरोप थे कि बृजभूषण महिला खिलाड़ियों के साथ यौन उत्पीड़न करता है। साक्षी ने अपनी किताब में बताया कि बृजभूषण ने उन्हें बहुत परेशान किया था। साक्षी ने किताब में साल 2012 में कजाकिस्तान के अलमाती में हुई एशियन जूनियर चैंपियनशिप का जिक्र किया। साक्षी ने बताया है कि वह बृजभूषण के कमरे में फोन से अपने माता-पिता से बात करने गई थीं तभी बृजभूषण ने उन्हें गलत तरह से छूने का प्रयास किया था। साक्षी ने बताया कि बृजभूषण ने मेरे माता-पिता से बात करवाई। इसमें कोई परेशानी नहीं थी। जब मैं अपने माता-पिता से बात कर रही थी तब तक मुझे कुछ भी असुरक्षित नहीं लगा लेकिन जैसे ही मेरी बात खत्म हुई। मैं उनके बेड पर बैठी थी और उन्होंने मुझे गलत तरीके से छूना शुरू कर दिया। मैंने उन्हें धक्का दिया और रोने लगी। वह पीछे हटे। मुझे लगता है कि उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया था। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्होंने मेरे पापा की तरह कंधे पर हाथ रखा लेकिन मैं जानती थी कि ऐसा नहीं था। मैं वहां से रोती हुई अपने कमरे में चली गई। साक्षी ने बताया है कि बचपन में ट्यूशन टीचर ने भी उनका शोषण किया था। उन्होंने किताब में लिखा कि मेरा बचपन में भी शोषण हुआ है लेकिन लंबे समय तक मैंने अपने परिवार को यह बात नहीं बताई। मेरे ट्यूशन टीचर मुझे हैरस करते थे। वह मुझे अलग समय पर अपने घर बुलाते थे और मुझे छूने की कोशिश करते थे। मैं ट्यूशन जाने में डरती थी लेकिन मैंने कभी अपनी मां से नहीं कहा। ये लंबे समय तक चलता रहा। मैं शांत रही। साक्षी ने लिखा- मेरी मां ने मेरा साथ दिया। सिर्फ ट्यूशन टीचर वाले केस में नहीं बल्कि बृजभूषण वाले केस में भी। मेरे माता-पिता ने कहा कि मैं सबकुछ भूलकर अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान दूं।

सेंसेक्स में 900 अंक से ज्यादा की गिरावटःनिफ्टी भी 300 अंक गिरा, एनएसई के सभी सेक्टर लुढ़के

मुंबईः सेंसेक्स 22 अक्टूबर को 900 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 80,270 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 300 अंक से ज्यादा की गिरावट है, ये 24,480 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और 7 में तेजी देखने को मिल रही है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में गिरावट और 7 में तेजी देखने को मिल रही है। एनएसई के सभी सेक्टर में गिरावट है। रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला कारोबार

- एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.43% की गिरावट है। वहीं कोरिया के कोस्पी में 1.01% की गिरावट और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.25% की तेजी है।
- 21 अक्टूबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.80% गिरकर 42,931 पर और एसएंडपी 500 0.18% गिरकर 5,853 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.27% चढ़कर 18,540 पर बंद हुआ।
- एनएसई के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने 21 अक्टूबर को 2,261 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 3,225 करोड़ के शेयर खरीदे।

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 अक्टूबर को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 73 अंक की गिरावट साथ 81,151 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 72 अंक की गिरावट रही, ये 24,781 के स्तर पर बंद हुआ था।

ओरिएंट सीमेंट की 46.8% हिस्सेदारी खरीदेगी अंबुजा सीमेंट्सः 8,100 करोड़ में हुई डील

अडाणी ग्रुप की अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने आज (22 अक्टूबर) घोषणा की कि वह ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड (ओसीएल) की 46.8% हिस्सेदारी 8,100 करोड़ में अधिग्रहण करेगी। यह डील ओसीएल के प्रमोटरों और कुछ पब्लिक शेयरहोल्डर्स से 395.4 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से स्टॉक्स को खरीदकर पूरा किया जाएगा। अंबुजा सीमेंट्स ने बताया कि अधिग्रहण 2 फेज में होगा। अंबुजा सीमेंट्स ओसीएल के प्रमोटरों से 37.9% और कुछ पब्लिक शेयरहोल्डर्स से 8.9% हिस्सेदारी हासिल करेगी। इसके बाद कंपनी 26% की हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक ओपन ऑफर शुरू करेगी।

अंबुजा सीमेंट्स के शेयर में 1.07% की गिरावट

अंबुजा सीमेंट्स के शेयर में आज 1.07% की गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयर में 3.28% और 1 महीने में 9.04% की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले 1 साल में अंबुजा सीमेंट्स ने 36.03% का रिटर्न दिया है।

ओरिएंट सीमेंट के शेयर में 1.50% की गिरावट

ओरिएंट सीमेंट के शेयर में 1.50% की गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयर में 14.27% और 1 महीने में 19.50% की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले 1 साल में ओरिएंट सीमेंट ने 79.08% का रिटर्न दिया है।

ओरिएंट सीमेंट की खरीदारी से अंबुजा सीमेंट्स की बढ़ेगी उत्पादन क्षमता

ओरिएंट सीमेंट के अधिग्रहण से अंबुजा सीमेंट्स की उत्पादन क्षमता बढ़कर सालाना 1.66 करोड़ टन हो जाएगी। इस आंकड़े में अंबुजा की मौजूदा उत्पादन क्षमता 85 लाख टन सालाना की क्षमता भी शामिल है। ओरिएंट सीमेंट के अधिग्रहण से अंबुजा सीमेंट्स वित्त वर्ष 2025 तक 10 करोड़ टन सालाना सीमेंट कैपेसिटी के लक्ष्य के और करीब पहुंच जाएगा। कंपनी वित्त वर्ष 2028 तक सालाना 14 करोड़ टन की सीमेंट कैपेसिटी हासिल करने चाहती है।

वित्त वर्ष 2025 में रियल जीडीपी 7.2 फीसदी बढ़ने का अनुमानः शक्तिकांत दास

- बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रियल जीडीपी 7.2 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने आरबीआई के मासिक बुलेटिन में कहा कि बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। सेवाओं में निरंतर उछाल से शहरी मांग को भी समर्थन मिलेगा। केंद्र और राज्यों के सरकारी व्यय में बजट अनुमानों के अनुरूप तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता और कारोबारियों के आशावादी रहने, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और बैंकों और कंपनियों की हेल्दी बैलेंस शीट से निवेश गतिविधि को लाभ मिलेगा। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जीपीडी वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई के दस्तावेज के अनुसार 2025-26 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस बीच 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें यह दूसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहेगी। 2025-26 की पहली तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि खाद्य मूल्य गति में तेजी और प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण सितंबर महीने में सीपीआई प्रिंट को लेकर उछाल देखने को मिलेगा। यह 2023-24 में प्याज, आलू, चना दाल के उत्पादन में कमी का भी प्रभाव रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि घरेलू विकास ने अपनी गति बनाए रखी है और निजी खपत और निवेश में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विकास में लचीलापन हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने देता है। जिसके साथ हमें मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत के उद्देश्य तक कम करने में मदद मिल रही है। मौजूदा मुद्रास्फीति और विकास की स्थितियों और दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, एमपीसी ने रुख को न्यूट्रल में बदला। दास ने कहा कि हम फ्रिक्शनल और ड्यूरेबल लिक्विडिटी को नियंत्रित करने के लिए उपकरणों का एक सही मिश्रण तैयार करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मुद्रा बाजार की ब्याज दरें व्यवस्थित तरीके से विकसित हों।

उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए बीएसएनएल ने कई नई सेवाएं पेश कीं

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने मंगलवार को कई नई सेवाएं पेश कीं। इनमें 'स्पैम ब्लॉकर्स' से लेकर स्वचालित सिम कियोस्क और डायरेक्ट-टू-डिवाइस सेवाएं शामिल हैं। बीएसएनएल ने सीडैक के साथ साझेदारी में खनन कार्यों के लिए कम विलंबता वाली 5G संपर्क सेवा भी शुरू की है। इसमें भारत में निर्मित उपकरणों और बीएसएनएल की प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता का लाभ उठाया गया है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कुल सात नई सेवाओं की शुरुआत की। बीएसएनएल की नई सेवाओं का अनावरण करते हुए सिंधिया ने कहा, बीएसएनएल सरकार का एक प्रमुख उद्यम है। एक प्रमुख उद्यम जो हमारे देश के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं, सपनों तथा अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल वर्षों से विभिन्न उपलब्धियां हासिल करते हुए लोगों की सेवा कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया, परिदृश्य प्रतिस्पर्धी तथा समेकित होने पर बीएसएनएल नई चुनौतियों से पार पा लेगी। सिंधिया ने इसे भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि बीएसएनएल ने अपना स्वयं का 4G दूरसंचार ढांचा तैयार किया है, जिसे 5G में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि बीएसएनएल प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण में सदैव अग्रणी रहेगी। मंत्री ने कहा कि अगले साल के मध्य तक बीएसएनएल के पास 1,00,000 4G 'साइट' होंगी। उस समय कुछ 'साइट' पर 5G सेवा होगी।

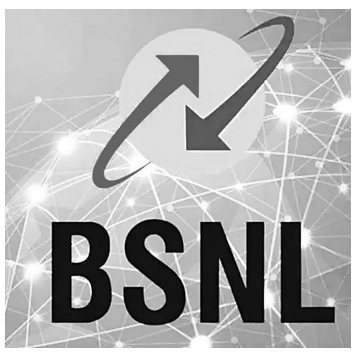

पावर ग्रिड के निदेशक मंडल ने बॉन्ड के जरिये 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की दी मंजूरी

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर बॉन्ड जारी कर 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। बॉन्ड का आधार निर्गम आकार 1,000 करोड़ रुपये है, जिसमें 4,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त 'ग्रीन शू' विकल्प शामिल है। बयान के अनुसार, बॉन्ड के लिए निदेशकों की समिति ने आज यानी 22 अक्टूबर 2024 को अपनी बैठक में असुरक्षित, गैर-परिवर्तनीय, गैर-संचयी, प्रतिदेय, कर योग्य, पावरग्रिड बॉन्ड के रूप में निजी नियोजन के आधार पर 5,000 करोड़ रुपये तक के जुटाने को मंजूरी दी। बॉन्ड को सूचकांक बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

लॉफिंग ज़ोन

रोगी, 'डॉक्टर साहब मेरा ऑप्रेशन सफल रहेगा न।'

डॉक्टर, 'मैंने इस रोग के अनेक ऑप्रेशन किए हैं। आशा है इस बार तो अवश्य सफल रहूंगा।'

□ □ □

'कुछ समोसे और खा लो बेटा'

एक स्त्री ने घर आए एक बच्चे से कहा।

'नहीं अब तो पेट भर चुका हैं।'

'तो कुछ जेब में रख लो रास्ते में खा लेना।'

'अंटी जेब तो मैंने पहले ही भर ली थी।'

□ □ □

पिता, 'डॉक्टर जल्दी आइए, मेरे बेटे ने ब्लेड निगल लिया है।'

डॉक्टर, 'आप उसे फौरन अस्पताल ले आइए। आपने अभी कुछ किया तो नही?'

पिता, 'नही, बस मैंने इलैक्ट्रिक शेवर से शेविंग कर ली हैं।'

□ □ □

एक व्यक्ति अपनी धुन में आकाश की ओर देखता हुआ सड़क के बीचों-बीच चला जा रहा था कि एक कार के नीचे आते-आते बचा। कार वाले ने कार रोक ली और कार से उतर कर उसके पास आकर कहां, 'जहां चल रहे हो वहां पर नहीं देखोगे तो वहां पहुंच जाओगे जहां देख रहे हो।'

आज का इतिहास

1942 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश सेना ने मिस्त्र में दुश्मन पर जबरदस्त हमले किए।

1943 आजाद हिंद फौज की रानी झांसी ब्रिगेड की स्थापना नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने की थी।

1943 आजाद हिंद सरकार ने अमरीका और ब्रिटेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया।

1953 रोडेशिया और न्यासालैंड का संविधान प्रभावी हुआ।

1954 ब्रिटेन, फ्रांस, अमरीका और सोवियत संघ जर्मनी से हटने के लिए सहमत हुए।

1962 सोवियत संघ ने क्यूबा की घेरेबंदी पर आणविक युद्ध की चेतावनी दी।

1968 मिस्त्र और इजरायल के लड़ाकू विमानों में स्वेज नहर के ऊपर भयंकर संघर्ष हुआ।

1973 इजरायल और मिस्त्र पश्चिम एशिया संघर्ष में युद्ध विराम के लिए सहमत हुए।

1983 बेरूत हवाई अड्डे पर आत्मघाती दस्ते के हमले में 281 अमरीकी और 58 फ्रांसीसी सैनिक मारे गए।

1988 सोवियत संघ के चुनाव सुधारों में उम्मीदवारों को कुछ छूट दी गई।

1989 हंगरी की जनता ने साम्यवाद समाप्त करने की मांग की।

2003 कर्नाटक के पल्लाहल्ली में मैसूर-बैंगलोर ट्रेन के पांच डिब्बे पलटे, पांच महिलाओं की मौत।

दैनिक पंचांग

23 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.53 ब.से
चंद्र	मिथुन में	धनु	10.09 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.14 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	14.01 बजे से
गुरु	वृष में	मीन	15.33 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मेष	17.04 बजे से
शनि	कुंभ में	वृष	18.44 बजे से
राहु	मीन में	मिथुन	20.42 बजे से
केतु	कन्या में	कर्क	22.56 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	सिंह	01.12 बजे से
		कन्या	03.24 बजे से
		तुला	05.34 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 297 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 01.19 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु अहोरात्र। **योग** शिव 06.59 बजे तदनन्तर सिद्ध 05.52 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** विष्टि 13.18 बजे तदनन्तर बव 01.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 30' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872141 **जूलियन दिन** 2460606.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 19 **विशेष** स्कन्द षष्ठी व्रत।

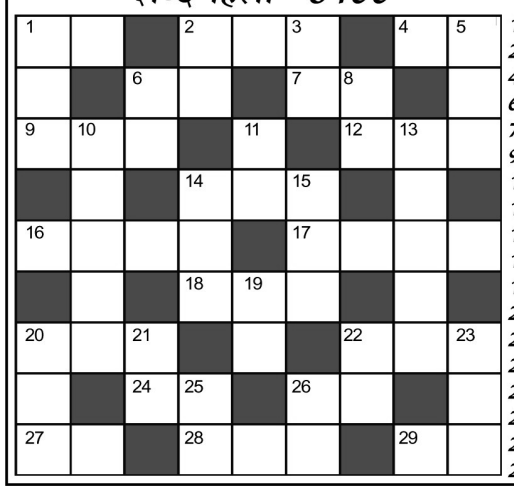

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8166

बाएँ से दाएँ

1. आकाश, व्योम-2
2. नाजुक, मुलायम-3
4. हार, पराजय-2
6. संध्या, सांझ, गोधूलि-2
7. जोर, बल-2
9. सोना, धतूरा-3
12. नाप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब, ताल, तलैया-4
18. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर, क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे

1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुमार, नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी, सब्जी, तरकारी-2
8. इंकार, मनाही-2
10. मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता -3
15. वचन, प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार, कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा, दोस्त-2
23. निजात, छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पवित्र-2

शब्द पहेली -8165 का हल

म	हा	का	ल	■	च	र	क	■
त	र	■	ह	■	कि	■	ला	क
वा	■	ह	जा	म	त	■	■	सू
ला	य	क	■	द	■	ना	सू	र
■	■	ला	वा	■	व	जु	■	■
ना	प	ना	■	आ	■	क	या	स
य	■	■	म	हा	न	ता	■	र
क	था	■	जा	■	र	■	सी	ता
■	ल	ल	क	■	म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7707

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	16	20	25	■	19	21	16	20	■
13	2		6	■	4		8		27
18		4		■		7		8	22
15	7		3	■	2		3		16
27		6		9		■	■	■	■
■	■	■	■		8		2		29
26		5		7	■	6		5	15
16	2		6		■		8		23
23		8		4	■	6		7	21
■	15	18	18	30	■	28	22	23	■

अंकजाल 7706 का हल

■	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12	2	7	3	■	4	5	4	9	22
14	2	7	5	■	8	7	5	3	23
16	8	2	6	■	7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5	■	■	■	■
■	■	■	■	7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	4	6	8	18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6651

	6	1		7	2	
	29	5	30		31	6
4			6	3	1	
	36		31		26	
7		4		5		2
6	38	3	31	6	32	4
	2			1		5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6650 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	30	2	25	1
7	5	2	6	3	1	4
1	33	6	31	4	29	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	31	6	37	6
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6011

22		11		8		17	=	33
	■		■		■		■	
33		62		2		22	=	75
	■		■		■		■	
55		40		3		5	=	40
	■		■		■		■	
15		4		10		20	=	70
=	■	=	■	=	■	=	■	=
15		29		8		14	=	78 / 22

Jagrutidaur.com, Bangalore

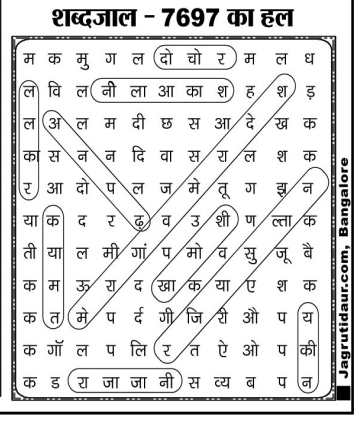

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6010

50	÷	2	-	5	x	1	=	20
-	■	+	■	x	■	x	■	+
17	+	77	-	25	-	20	=	49
-	■	+	■	-	■	+	■	-
25	x	3	-	70	+	50	=	55
+	■	-	■	+	■	-	■	+
32	-	24	+	20	-	10	=	18
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40	+	58	-	75	+	60	=	32 / 83

शब्दजाल - 7698

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	टो	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	स	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

शब्द जाल में 10 योद्धाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

युधिष्ठर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन, भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 7697 का हल

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ता	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

विधायक मंगल कालिंदी व संजीव सरदार किया पर्चा दाखिल

जमशेदपुर । जुगसलाई के निवर्तमान विधायक मगंल कालिंदी और पोटका विधायक संजीव सरदार ने सोमवार को हजारों कार्यकर्ता व समर्थकों के साथ जमशेदपुर में नामांकन किया। इस दौरान पटमदा बोड़ाम और पोटका से झामुमो कार्यकर्ता झंडा बैनर और ढोल बाजे के साथ जमशेदपुर पहुंचे । मंगल कालिंदी और संजीव सरदार ने पर्चा दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारी जीत पक्की है और झारखंड में दोबारा हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा । झामुमो कार्यकर्ताओं ने मंगल कालिंदी और संजीव सरदार के समर्थन में जीत के लिए जमकर नारेबाजी की और जिंदाबाद का नारा लगाया।

एनएच 33 सहारा सिटी के निकट ट्रायम्फ बाइक शोरूम का उद्घाटन किया गया

जमशेदपुर । एनएच-33 सहारा सिटी मानगो के समीप स्वास्तिक ऑटो एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड जमशेदपुर द्वारा मंगलवार को ट्रायम्फ मोटरसाइकिल इंडिया की नयी डीलरशिप का उद्घाटन किया गया । शोरूम का उद्घाटन कंपनी के एरिया सर्कल हेड अरुण भट्टाचार्जी, एसएम समन खान, स्वास्तिक मोटर एजेंसी के निदेशक नितेश रनपारा, आशीष रनपारा और माध्वी रनपारा ने संयुक्त रूप से फीता काटा कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन के मौके पर स्वास्तिक मोटर एजेंसी के निदेशक नितेश रनपारा ने बताया कि ट्रायम्फ न केवल मोटरसाइकिल प्रदान करता है बल्कि समृद्ध विरासत, अत्याधुनिक तकनीक और सवारों के एक उत्साही समुदाय की विरसत भी प्रदान करता है । झारखंड में इस बाइक का यह दूसरा शोरूम है । यहां नये लांच मॉडर्न क्लासिक्स स्पीड 400 एमवाई 25, स्पीडटी 4 और स्क्रैम्बलर 400 एक्स है, जो इस शोरूम में टेस्ट राइड, बुकिंग और खरीदारी के लिए उपलब्ध होंगे ।

अमर जवान स्टेच्यू पर पुलिस स्मृति दिवस मनाया

जमशेदपुर । गोलमुरी शहिद स्मारक स्थल में अमर जवान स्टेच्यू पर, यूनाइटेड ह्यूमन राइट्स एवं एंटी करप्शन सोशल जस्टिस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास के नेतृत्व में एवं झारखंड टीम के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस माल्यार्पण, मौन रखकर एवं मोमबत्ती जलाकर सैल्यूट एवं श्रद्धांजलि अर्पित किए गए। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास ने कहा पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्तबर को देश भर में शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है जबकि मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में आयोजित किया जाता हैं, जिसकी अध्यक्षता परंपरागत रूप से केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा की जाती है। आज का इस नेक कार्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास के साथ नगर महासचिव रंजन शर्मा, नगर प्रभारी राजेश दत्ता, रविराज एवं अन्य मेंबर्स गण मौजूद रह कर हमारा भारत देश के नागरिक होने का फर्ज निभाया।

तहरीक मकातिबे फ़िक्र रांची ने तालीमी इनामी मुकाबले का दावत नामा बांटा

ओरमांझी(मोहसीनआलम)-तहरीक मकातिबे फ़िक्र रांची झारखण्ड के बैनर तले 3 नवंबर और10 नवंबर को तालीमी इनामी मुकाबला इरबा में होने जा रहा हैं, जिसमें 55 मकतब के बच्चे एवं बच्चियां भाग लेंगी, जिसके लिए क्षेत्र के मकतब के जिम्मेदारों क़ो इनामी बुकाबले में हिस्सा लेने के लिए नामांकन फॉर्म तकसीम किया जा चूका हैं, नामांकन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर तक हैं, कई मतलबों से नामांकन फार्म जमा हो चुका है,जिन्हें एडमिट कार्ड दी जा रही है, मालूम हो कि एक मकतब से 6 बच्चे हिस्सा लेंगे,जिसमें 3 इस्लामिक नॉलेज टेस्ट लिखित परीक्षा में हिस्सा लेंगे, जबकि एक एक बच्चा तकरीर नात पाक व केरत में हिस्सा लेंगे, इस्लामी प्रतियोगिता में सफल होने वाले प्रतिभागियों को आयोजन समिति द्वारा शानदार पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा, सभी प्रोग्राम का इनाम 10 नवंबर को दी जाएगी, 10 नवंबर के कार्यक्रम को लेकर प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले मेहमानों को दावत नामा दिया गया,मंगलवार क़ो रातू अंजुमन के सदर कमरुल हक, फातिमा गर्ल्स एकेडमी के डायरेक्टर नसीम अनवर नदवी, रातू प्रखंड अंजूमन कमेटी के सदर अताउल अंसारी सहित अनेकों लोगों को प्रोग्राम में सारिक होने के लिए दावत नामा दी गई, दावत नामा देने वालों में तहरीक मकातिबे फ़िक्र के सदर जाकिर अंसारी, सरफरस्त हाफिज अतहर इमाम, खजांची मोहसिन आलम, हाफिज सिबली कमर, हाफिज जियाल शामिल थे।

सीसीएल की चार खुली खदानों को प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग पुरस्कार प्राप्त

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की चार खुली खदानों— *मगध, अम्रपाली, नॉर्थ उरीमारी, और अशोका* —को "कोयला एवं लिग्नाइट खदानों के लिए स्टार रेटिंग पुरस्कार" के भव्य कार्यक्रम में प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया ।

यह पुरस्कार माननीय कोयला और खान मंत्री ,भारत सरकार,श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री , भारत सरकार,श्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा, कोयला सचिव श्री विक्रम देव दत्त, कोयला मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमति विस्मिता तेज , श्रीमति रूपिन्दर बरार , कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री पीएम प्रसाद , सीसीएल सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ,सीसीएल के निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री सतीश झा,निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

5-स्टार रेटिंग इन खदानों द्वारा स्थायी खनन प्रथाओं, पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन और सामाजिक और आर्थिक विकास में उनके योगदान की उत्कृष्टता को दर्शाती है। यह मान्यता सीसीएल की जिम्मेदार खनन के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यावरणीय संरक्षण एवं समुदाय कल्याण को प्राथमिकता देने की दिशा में उसके प्रयासों का प्रमाण है।

इस अवसर पर, माननीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने सीसीएल के प्रयासों की सराहना की और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्थायी खनन प्रथाओं के महत्व पर बल दिया। माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने कोयला खनन में नवीनता और सर्वोत्तम प्रथाओं की भूमिका पर जोर दिया, जिससे पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े और कार्यक्षमता अधिकतम हो।

सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने इस पुरस्कार को प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया और संचालन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों का पालन करने की सीसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया।

यह पुरस्कार सीसीएल की स्थायी खनन की दिशा में जारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है । यह देश के ऊर्जा सुरक्षा मे सीसीएल के योगदान को रेखांकित करता है ।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में इंटर हाउस प्रदर्शनी -'एफर्वेसेन्स-2024'का आयोजन, यजुर्वेद हाउस बना चैंपियन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने 'एफर्वेसेन्स-2024' इंटर हाउस प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके विचारों को प्रदर्शित करने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान करना था। प्रत्येक हाउस ने अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, सामान्य ज्ञान, फ्रेंच और जर्मन जैसे विषयों से जुड़े प्रोजेक्ट्स को कार्यशील मॉडल जैसे स्मार्ट सिटी, सेंसर ऑपरेटेड फ्यूचर वल्र्ड, मार्सियन्स, नैनोबोट्स, कठपुतली शो और लाइव प्रदर्शनों के रूप में प्रस्तुत किया। छात्रों ने अपनी रुचि और ज्ञान के आधार पर विभिन्न खेलों का भी प्रदशन किया।

आर्ट इंस्टॉलेशन में प्लास्टिक कचरे से बने मॉडल भी प्रस्तुत किए गए जिसका थीम था 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट'। रोबोट डस्टबिन को निर्णायकों ने बहुत सराहा। प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए गए सभी मॉडलों और प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा किया गया। छात्रों की रचनात्मकता और मेहनत की सभी ने सराहना की। प्रदर्शनी प्रतियोगिता में यजुर्वेद हाउस को विजेता घोषित किया गया, जबकि दूसरा स्थान ऋग्वेद हाउस ने हासिल किया। आर्ट इंस्टॉलेशन प्रतियोगिता में अथर्वेद हाउस को विजेता घोषित किया गया तथा दूसरा स्थान सामवेद हाउस ने हासिल किया।

विद्यालय की प्राचार्या, श्रीमती परमजीत कौर ने इस अनोखी प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा में कला का समावेश न केवल अध्ययन को रोचक बनाता है, बल्कि यह छात्रों के तनाव को भी कम करता है। उन्होंने कहा कि सीबीएसई मौजूदा पाठ्यक्रम में एनईपी 2020 के उद्देश्यों को एकीकृत करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कक्षाओं में समावेश को बढ़ावा देने वाले 'करके सीखने' के महत्व पर भी जोर दिया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल राँची में हायर एजुकेशन एंड गाइडेंस डे आयोजित

रांचीः डीपीएस राँची के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की जानकारियों से अवगत कराने और उन्हें भविष्य के विभिन्न कैरियर विकल्पों को समझने में मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल राँची एवं आई.एजुकेशनलाइज द्वारा हायर एजुकेशन एंड गाइडेंस डे का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के प्रमुख यूनिवर्सिटी के कैरियर कॉउंसलर एक मंच पर आए। 22 अक्टूबर 2024 को आयोजित यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता साबित हुआ, क्योंकि इसने छात्रों को कई शैक्षिक अवसरों का पता लगाने और प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची द्वारा आयोजित कैरियर गाइडेंस फेयर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह फेयर विद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया।

इस फेयर में कई विश्वविद्यालय, मोदी यूनिवर्सिटी, यूपीईएस, पर्ल एकेडमी, कलिंगा यूनिवर्सिटी, जेकेएलयू, आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी, डीआईटी यूनिवर्सिटी, ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, एडमास यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी, आईएलईएडी, सेंचुरियन यूनिवर्सिटी, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय और चेन्नई इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी शामिल थे। इस फेयर के दौरान विद्यार्थियों को ढेर सारे पाठ्यक्रम और कैरियर विकल्पों से रूबरू कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में शामिल होने का अवसर मिला। इस व्यक्तिगत बातचीत से छात्रों को पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालयों में प्रवेश, छात्रवृत्ति एवं कैरियर विकल्पों के संबंध में अपने विशिष्ट प्रश्नों के उत्तर जानने का मौका मिला। पूरे दिन, उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर सूचनात्मक सत्र आयोजित किए गए, जैसे सही पाठ्यक्रम चुनना, प्रवेश परीक्षा की तैयारी और आवेदन प्रक्रिया को समझना।

कैरियर परामर्शदाता छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने और उनके भविष्य के शैक्षणिक और कैरियर विकल्पों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करने के लिए मौजूद थे। कई विश्वविद्यालयों ने अपने छात्रवृत्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जो वित्तीय सहायता चाहने वाले इच्छुक छात्रों के लिए एक विशेष रूप से मूल्यवान पहलू था। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालयों के एक्सपर्ट से पाठ्यक्रमों, करियर विकल्पों और प्लेसमेंट के अवसरों से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रश्न भी पूछे।

राष्ट्रीय लोकदल की महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रेस वार्ता का आयोजन, झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की सूची आज होगी जारी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : राष्ट्रीय लोकदल (RLD) के राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में रांची स्थित होटल सरोवर पोर्टिको में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पार्टी के संभावित प्रत्याशियों एवं प्रदेश पदाधिकारियों के साथ संवाद एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्री अनुपम मिश्रा के साथ पार्टी के मीडिया समन्वयक श्री श्रीष चन्द्र श्रीवास्तव, पदाधिकारी श्री विजय श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री अनुपम मिश्रा ने घोषणा की कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय लोकदल द्वारा चयनित प्रत्याशियों की सूची कल, 23 अक्टूबर 2024 को जारी कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य में व्याप्त पिछड़ेपन, बेरोजगारी, बदहाल स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था, और जनजातीय समुदायों के प्रति वर्तमान सरकार के उपेक्षा भरे रवैए जैसे मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय लोकदल जनता के बीच जाएगा।

श्री मिश्रा ने यह भी बताया कि पार्टी झारखंड के जनजातीय समुदायों की संस्कृति और पर्यावास के संरक्षण के प्रति पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी जनजातीय समुदाय की जीवनशैली और उनके भू-क्षेत्र से जुड़ी भावनाओं का सम्मान करते हुए, किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न किए बिना, उन्हें विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक दिन में दो ने फंदे से झूल दी जानःतनाव में आ युवती ने दी जान, महिला शव घर में झूलता मिला

पलामूः पलामू में एक दिन में दो लोगों ने फंदे से झूल कर जान दे दी। जान देने वालों एक महिला और एक युवती है। महिला का शव छतरपुर थानांतर्गत तिलैया गांव स्थित अपने घर में मिला है। महिला झारखंड पुलिस के जवान अर्जुन कुमार यादव की पत्नी सुशीला देवी है। पुलिस जवान चार दिन पहले ही ड्यूटी से घर आया है।

मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मंगलवार को एमएमसीएच में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम कराने पहुंचे मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए हत्या कर देने का आरोप लगाया।

क्या कहते हैं परिजन

परिजन उपेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मृतका के ससुर ने फोन कर बताया था कि सुशीला की तबीयत खराब है। मगर जब छतरपुर पहुंचे तो थाना में शव मिला। ससुराल पक्ष के लोग गायब मिले। सुशीला की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिए उसकी डेड बॉडी को फंदे से लटका दिया गया। उपेंद्र ने आरोप लगाया कि दहेज के लिए सुशील को प्रताड़ित किया जाता था।

बताया कि सुशीला की शादी साल 2019 में हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। उपेंद्र ने मृतका के सास ससुर के अलावा पति, भसुर और गोतनी पर दहेज के लिए हत्या करने की बात कही है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि महिला की मौत हत्या है या आत्महत्या यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

तनाव में आ कर युवती ने दी जान

वहीं युवती का शव पाटन थानांतर्गत सगुनी गांव में उसके घर में लटका हुआ था। जानकारी के मुताबिक सगुनी गांव निवासी स्व उदय राम की पुत्री पल्लवी कुमारी (15) ने मंगलवार की सुबह मानसिक तनाव में आकर फांसी लगा ली।

परिजनों के मुताबिक सुबह घर में कोई सदस्य नहीं था। इसी बीच पल्लवी ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जब परिजन घर पहुंचे तो फंदे से उसे झूलते पाया। इसके बाद परिजनों के द्वारा इस घटना की जानकारी पाटन थाना को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

ढाई लाख के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तारःपलामू के बिसफुटा और चियांकी में पुलिस की कार्रवाई, पुलिस कर रही तलाशी

पलामूः पलामू पुलिस ने करीब ढाई लाख मूल्य के गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी शहर और सदर थाना पुलिस द्वारा बिसफुटा और चियांकी में किए गए कार्रवाई में हुई है। बिसफुटा के पास से पड़वा थानाक्षेत्र के कजरी निवासी आदित्य कुमार पासवान (22) को चार किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं चियांकी से सदर थाना पुलिस ने 350 ग्राम गांजा के साथ चियांकी के सत्यारी टोला निवासी नन्दकिशोर पांडेय (50) को पकड़ा गया।

सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि एसपी को बिसफुटा चौक के पास गांजा की खरीद - बिक्री के लिए तस्करों के आने की जानकारी मिली थी। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम बिस्फुटा चौक के पास पहुंची तो पुलिस को देखकर तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल से भाग गए। वहीं भागने का प्रयास कर रहा आदित्य पासवान पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 4.115 किलो गांजा बरामद हुआ। गांजा तस्करी का मास्टर माइंड नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना का रहने वाला नीरज कुमार पासवान है। नीरज के साथ ही आदित्य था। जबकि तीन खरीदारों को नीरज ने बुलाया था। एसडीपीओ ने कहा कि फरार आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरे घटना में चियांकी में नन्दकिशोर पांडेय के होटल से 350 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस को होटल में गांजा बिक्री की जानकारी मिली थी। जिसपर छापेमारी की गई।

चतरा से राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर पहली महिला उम्मीदवार रश्मि प्रकाश लड़ेगी विधानसभा चुनाव

ससुर सत्यानंद भोक्ता की विरासत बचाने होगी सबसे बड़ी चुनौती

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : जिले मेंआगामी 13 नवंबर को होने वाले चतरा विधानसभा चुनाव की बिसात पूरी तरह बिछ चुकी है। एनडीए से लेकर इंडिया गठबंधन के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने के साथ ही लोकतंत्र के महापर्व में अपनी अपनी जोर आजमाइश भी शुरू कर दी है।

इसी कड़ी के तहत चतरा के राजनीतिक दंगल में राजद के टिकट पर चतरा विधानसभा क्षेत्र से पहली महिला प्रत्याशी के रूप में रश्मि प्रकाश 23 अक्टूबर बुधवार को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगी। रश्मि चतरा के निवर्तमान विधायक सह हेमंत सरकार मंत्रिमंडल में शामिल मंत्री सत्यानंद भोक्ता की पुत्रवधु हैं। इस नाते उनके कंधों पर न सिर्फ एनडीए व अन्य पार्टियों समेत प्रबल प्रत्याशियों को पटखनी देकर ससुर की लंबी राजनीतिक विरासत बचाने की बड़ी जिम्मेवारी है बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी लालटेन की लौ को जलाए रखने की चुनौती भी है। रश्मि प्रभा ने निवर्तमान मंत्री सत्यानंद भोक्ता के तीसरे पुत्र मुकेश भोक्ता की पत्नी हैं जो महागठबंधन कोटे से चतरा विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। रश्मि वर्तमान में झारखंड राष्ट्रीय जनता दल की की प्रदेश सचिव भी है। राजनीतिक जीवन में प्रवेश के बाद से लगातार क्षेत्र में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के अलावा वे लगातार जनसंपर्क अभियान चला कर लोगों से मिल भी रही है। महागठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रश्मि प्रकाश के नामांकन को लेकर उनके ससुर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि विकट परिस्थिति में भी राजद ने चतरा विधानसभा सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी और उसके प्रत्याशी को पटखनी दी थी। उन्होंने कहा कि इस बार भी भारतीय जनता पार्टी अपनी निश्चित हार को देखते हुए न सिर्फ मैदान से ही पूरी तरह भाग चुकी है, बल्कि चुनावी दंगल में हार के बाद भंडा न फूट जाए जाए इस डर से अपने हवा-हवाई प्रत्याशी को हवाई जहाज थमा दिया है। मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि भाजपा को चुनाव में हार का डर इस कदर सता रहा है कि अपने ही प्रत्याशी को खुद मैदान छोड़कर दूसरी पार्टी से मैदान में उतार दिया है। उन्होंने कहा है कि यह जनता है सब कुछ जानती है। जनता एनडीए गठबंधन की साजिश में फंसने वाली नहीं है। क्योंकि इनके द्वारा वैसे पार्टी को चुनाव मैदान में मौका दिया गया है। जिसका न तो यहां कोई जनाधार है और न ही कोई जनमत। इतना ही नहीं इन्होंने वैसे व्यक्ति को हवाई जहाज थमाया है, जिसे जनता पूर्व में ही रिजेक्ट कर चुकी है। मंत्री श्री भोक्ता ने कहा कि यहां इस धरती का बेटी लोगों के बीच हैं। जिसमें सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता एक साथ मजबूती से खड़े हैं। आगे उन्होंने कहा कि चतरा विधानसभा क्षेत्र को रौशन अब यहां की बहू-बेटी रश्मि प्रकाश ही करेगी। क्योंकि यह सर्वविदित है कि जब से हवाई जहाज यहां के लोगों को दिखाया गया है, तब से उनके भीतर ही लगातार फुट की खबरें आ रही है। इस माटी की बेटी ही रख सकती है अपनों का ख्याल। इस मौके पर बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रश्मि प्रकाश ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के आम अवाम को नहीं देंगे शिकायत का मौका। राजद प्रत्याशी रश्मि प्रकाश ने कहा है की बेटी ही अपनों का बखूबी ख्याल रख सकती है। मैं लोगों के बीच लगातार घूम रही हूं और लोगों का आशीर्वाद भी मुझे मिल रहा है। मैं विधायक बनकर किसी भी परिस्थिति में किसी को शिकायत का मौका नहीं दूंगी। मां भद्रकाली और मां कालेश्वरी ने मुझे अपना आशीर्वाद दे दिया है अब जनता जनार्दन की बारी है।

सिमरिया विधानसभा क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मनोज चंद्रा ने किया नामांकन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : झारखंड विधानसभा चुनाव में नामांकन के चौथे दिन मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मनोज चंद्रा ने अपना नामांकन सिमरिया विधानसभा 26 के लिए दाखिल किया। नामांकन के उपरांत एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेत्री कल्पना सोरेन शामिल हुई। कल्पना सोरेन की बातों को सुनने के लिए हजारों की संख्या में सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय स्थित कर्बला मैदान में जूटे। जनसभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार का 5 साल का कार्यकाल बेहद ही सराहनीय और बेमिसाल रहा है। कोरोना काल जैसी विपरीत परिस्थिति में भी हमारी सरकार अपने लोगों के साथ खड़ा रही। मजदूरों को हेलीकॉप्टर से लेकर ट्रेन आदि व्यवस्थाओं से घर पहुंचाया गया और सबसे बड़ी बात कोरोना काल में झारखंड में भूख के कारण एक भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है।यह हेमंत सरकार की नेतृत्व वाली सरकार की क्षमता दर्शाता है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान के लिए मंईया सम्मान योजना, किचन सहित तीन कमरों का अबूआ आवास सहित कई योजनाएं प्रारंभ की है। केंद्र की सरकार किसानों, मजदूरों, दलितों आदिवासियों और पिछड़ो की समस्याओं से कोई मतलब नहीं रखती है। उन्हें मात्र पूंजीपतियों की समस्या दिखती है। जहां केंद्र की सरकार ने पूंजीपतियों का ऋण माफ किया वही हमारी सरकार ने किसानों के हित में कृषि ऋण माफ किया है। भाजपा की सरकार लोगों को जाति धर्म के आधार पर बांटती है, पर हमारी सरकार का उद्देश्य झारखंड राज्य एवं यहां की जनता का समग्र विकास करना है। झारखंड में निवास करने वाले सभी लोगों का विकास कैसे हो इसकी चिंता हेमंत सोरेन करते हैं। जहां एक ओर भाजपा की सरकार ने स्कूलों को बंद किया वहीं हमारी सरकार ने कम सिएम आफ एक्सीलेंस स्कूल खोलने का काम किया। भाजपा की सरकार ने गरीबों को हरा राशन कार्ड काट दिया केंद्र की सरकार नहीं चाहती है की झारखंड अपने पैरों पर खड़ा हो। इसलिए वह झारखंड की बहुत बड़ी रकम अपने पास रखें हुई है। जो केंद्र सरकार से जब मांगा जाता है तो मांगने पर उनके कानों में जू तक नहीं रेंगती। हेमंत सोरेन उस रकम को लेने की लड़ाई लड़ रहे हैं। जिसके कारण उन्हें झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेजा गया और सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया गया था। जहां एक ओर बीजेपी वाले भीमराव अंबेडकर की मूर्ति बनाते हैं वही उनका ही दूसरा धड़ा उसे तोड़ने का काम करता है। जहां एक और आरक्षण देने का ढोंग करते हैं वहीं दूसरी ओर आरक्षण को तोड़ने का पुरजोर प्रयास बीजेपी के लोग करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम झारखंडी हैं हमने अंग्रेजों को इसी तीर धनुष से लड़कर भगाया है। आज भाजपा के लोग दूसरे तरीके से लड़ रहे हैं। हम अंतिम सांस तक लडेंगे, झुकेंगे नहीं, लड़ जायेंगे मर जाएंगे परंतु झारखंड को लूटने नहीं देंगे। झारखंड को पूंजीपतियों के हाथों में नहीं सौंपेंगे। यह झारखंड हम सभी झारखंड वासियों का है। भाजपा की सरकार ने किसानों पर बेहिसाब अत्याचार किया उन्हें दिल्ली में घुसने तक नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में इस प्रकार की नीति नहीं चलेगी। इस बार सिमरिया विधानसभा से युवा एवं जुझारू, ईमानदार और कर्मठ उम्मीदवार मनोज कुमार चंद्रा को हेमंत जी ने यहां का नेतृत्व करने के लिए भेजा है। आप सभी अपना आशीर्वाद देकर हेमंत जी के खाते में सिमरिया का सीट डालें। वहीं सभा को संबोधित करते हुए सिमरिया विधानसभा से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मनोज कुमार चंद्रा ने कहा कि 15 सालों से सिमरिया विधानसभा का विकास अवरुद्ध है। पिछले 5 वर्षों में भाजपा के विधायक ने ऐसा काम किया कि पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया और उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। यहां के लोग 5 साल तक ठगे गए हैं। भाजपा के दलाल चेहरा बदलकर पुनः लोगों के बीच भ्रम जाल फैलाने में लगे हैं। परंतु इस बार फंसना नहीं है। यहां के लोगों का अब चुनाव पर से भी भरोसा उठता जा रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र के लोग जिन्हें वोट देते हैं जीतने के बाद वह यहां के लोगों को ठगने का काम करते हैं। अगर मैं सिमरिया विधानसभा का कमान संभाला तो मैं यह गारंटी देता हूं कि इमानदारी पूर्वक काम करूंगा। सिमरिया विधानसभा के विकास के लिए दिन-रात एक कर दूंगा। पूरे विधानसभा को भ्रष्टाचार मुक्त करना हमारी पहली प्रतिज्ञा है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।